नई दिल्ली से प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

द न्यूज फिफ्टीन

जन-जन की आवाज

RNI NO.- DELHIN/2023/86360 www.thenews15.in

वर्ष :02 | अंक : 203 | नई दिल्ली, सोमवार 21 अक्टूबर 2024 | मूल्य : 05 | पृष्ठ-12 | मौनी रॉय अपने फैशन सेंस से खींचा सभी... पेज-12

एक नजर

कांग्रेस के मप्र, असम विधानसभा उपचुनाव के प्रत्याशी घोषित

नई दिल्ली। कांग्रेस ने मध्य प्रदेश तथा असम विधानसभा के उपचुनाव के लिए छह प्रत्याशियों के नामों का आज ऐलान किया है। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने यह जानकारी देते हुए बताया कि पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इन उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की है। उन्होंने बताया कि पार्टी ने मध्य प्रदेश की विजयपुर सीट से मुकेश मल्होत्रा तथा बुधनी सीट से राजकुमार पटेल को उम्मीदवार बनाया है। कांग्रेस नेता ने कहा कि असम में पार्टी ने धोलई (सु) सीट से ध्रुवज्योति पुरकयस्त, सिडली (एसटी) से संजीव वर्ले, बोगईगांव से ब्रजेनजित सिन्हा तथा समगुरी से टी हुसैन को टिकट दिया है।

कैप्टन अजय यादव ने कांग्रेस से इस्तीफा वापस लिया

चंडीगढ़। तीन दिन पूर्व कांग्रेस से इस्तीफा देने की घोषणा करने वाले हरियाणा के पूर्व मंत्री कैप्टन अजय सिंह यादव ने शनिवार रात अपना इस्तीफा वापस लेते हुए कहा कि वह जन्म से कांग्रेसी हैं और अंतिम सांस तक कांग्रेसी रहेंगे।

कांग्रेस के अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) मोर्चा नेता के बेटे चिरंजीव ने हाल में सम्पन्न विधानसभा चुनाव में काँग्रेस के टिकट पर रेवाड़ी से चुनाव लड़ा था, लेकिन हार गए थे। दस साल बाद सत्ता में वापसी की उम्मीद कर रही काँग्रेस को 90-सदस्यीय विधानसभा में 37 सीटें ही मिल पाईं, जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 48 सीटें जीतकर तीसरी बार सरकार बनाई। कैप्टन यादव ने तीन दिन पूर्व पार्टी में उपेक्षा की शिकायत करते हुए पार्टी की प्राथमिक सदस्यता समेत सभी पदों से इस्तीफे की घोषणा की थी। कल रात हालांकि उन्होंने सोशल मीडिया ह्यएक्सह्ल पर कहा कि वह दुखी थे कि आला कमान ने ओबीसी विभाग के लिए किए उनके कार्य की कदर नहीं की और विधानसभा चुनाव में पार्टी की हार के बाद बोले गए कड़वे शब्दों के कारण उन्होंने यह कदम उठाया लेकिन बाद में ठंडे मन से उन्होंने निर्णय किया कि वह काँग्रेस पार्टी और खासकर सोनिया गांधी के लिए कार्य करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि चिरंजीव ने उन्हें अतीत को भूल जाने के लिए मनाया।

रोहिणी में सीआरपीएफ स्कूल के पास जोरदार विस्फोट, मची अफरा-तफरी

नई दिल्ली। दिल्ली के रोहिणी सेक्टर-14 में सीआरपीएफ स्कूल के पास रविवार को जोरदार धमाके से आसपास खड़ी गाड़ियों के शीशे टूट गये और इलाके में अफरा-तफरी मच गयी। रोहिणी जिले के पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने बताया कि सुबह 7:47 में हुआ धमाका इतना जोरदार था कि उसकी वजह से आसपास खड़ी गाड़ियों के शीशे टूट गये। साथ ही कुछ दुकानों को भी नुकसान पहुंचा है। उन्होंने बताया कि तेज धमाके के बाद धुएं का गुबार उठा जिससे पुलिस और स्थानीय लोगों में हड़कंप मच गया। अब तक यह पता नहीं चल पाया है कि धमाका किस चीज में हुआ। पुलिस ने धमाके के कारणों का पता लगाने के लिए विशेषज्ञों की टीम बुलायी है, जो इस घटना की जांच करेगी। घटनास्थल पर एनएसजी के साथ दमकलकर्मी, दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल और एफएसएल, अपराध की टीम पहुंच गयी है और पूरे मामले की जांच की जा रही है, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि यह कोई हमला था या हादसा।

चांद का दीदार कर मनाया करवा चौथ

द न्यूज 15 ब्यूरो

नई दिल्ली। देश भर में रविवार को करवा चौथ का त्योहार पारंपरिक उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया।

आम तौर पर करवा चौथ का व्रत सुहागिन महिलाएँ अपने पति की लंबी आयु के लिये रखती हैं, लेकिन इस बार करवा चौथ के व्रत को लेकर एक खास बात यह रही कि बड़ी संख्या में पुरुषों ने भी अपनी पत्नियों की लंबी उम्र और स्वास्थ्य के लिए व्रत रखा। इस तरह से यह परंपरा अब सिर्फ महिलाओं तक सीमित नहीं रही, बल्कि अब पुरुष भी बढ़-चढ़कर इसमें हिस्सा लेने लगे हैं।

युवा पीढ़ी में इस व्रत को लेकर अधिक उत्साह देखने को मिला। युवाओं ने इस मामले में अपने बड़े-बुजुर्गों को भी पीछे छोड़ दिया है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि आधुनिक पीढ़ी भी अपनी परंपराओं से जुड़े रहने का महत्व समझती है।

इस खास मौके पर बाजारों में जबरदस्त रौनक देखने को मिली। कपड़े, ज्वेलरी, संवरने का सामान, पूजा सामग्री, और उपहारों की जमकर खरीदारी बिक्री हुयी।

कनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के अनुमान के मुताबिक इस वर्ष करवा चौथ के अवसर पर 22 हजार करोड़ रुपये से अधिक का व्यापार हुआ है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 30 प्रतिशत से भी अधिक है। कैट ने दिवाली तक देश में 4.25 लाख करोड़ के व्यापार का अनुमान लगाया है।

कैट के राष्ट्रीय महामंत्री एवं चाँदनी चौक के सांसद प्रवीन खंडेलवाल पिछले 20 वर्षों से अधिक समय से करवा चौथ का व्रत रखते हैं और देश भर के व्यापारियों से यह व्रत रखने का लगातार आग्रह भी करते रहे हैं।

श्री खंडेलवाल ने कहा, मैं 20 वर्षों से अधिक समय से मैं अपनी पत्नी के साथ करवा चौथ का व्रत रखता हूँ और इसका उद्देश्य न केवल उनके लंबे तथा स्वस्थ जीवन के लिए प्रार्थना करना है, बल्कि परिवार की खुशहाली, समृद्धि और आपसी सहयोग को भी बढ़ावा देना है।

उन्होंने कहा कि इससे समानता और सम्मान को बढ़ावा मिलता है। साथ ही स्वास्थ्य और आत्म-नियंत्रण भी मजबूत होता है तथा पारिवारिक एकता को भी बल मिलता है।उन्होंने कहा कि जब पति और पत्नी दोनों मिलकर किसी धार्मिक अनुष्ठान का पालन करते हैं, तो इसका सकारात्मक प्रभाव पूरे परिवार पर पड़ता है।

उन्होंने कहा, मेरा यह विश्वास है कि इस तरह के सांस्कृतिक और धार्मिक अनुष्ठानों में पुरुषों की भागीदारी से समाज में समानता तथा आपसी समझ को बढ़ावा मिलेगा। करवा चौथ का व्रत रखने से न केवल पति-पत्नी का रिश्ता मजबूत होता है, बल्कि समाज को भी एक नया संदेश मिलता है कि प्रेम, सम्मान और परिवार की भलाई के लिए दोनों का समान योगदान होना चाहिए।

शबाब पर रहे देशभर के बाजार

अनिल कपूर के घर करवा चौथ की पूजा, शिल्पा से लेकर रवीना तक पहुंचीं ये एक्ट्रेसेस

बॉलीवुड एक्टर अनिल कपूर के घर करवा चौथ की पूजा के लिए खास तैयारियां की गई हैं। बॉलीवुड की तमाम हसीनाएं अपने-अपने पति की लंबी उम्र के लिए करवा चौथ की पूजा कर रही हैं। कई फेमस बॉलीवुड वाइव्स अनिल कपूर के घर करवा चौथ की पूजा करने के लिए पहुंची हैं। अनिल कपूर के घर हर साल बॉलीवुड की तमाम हसीनाएं एक साथ करवा चौथ का त्योहार मनाती हैं। उनके साथ उनके पति भी अनिल कपूर के घर पहुंचते हैं। बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी से लेकर रवीना टंडन तक अनील कपूर के घर पहुंची हैं।

लाल लंहगे में नजर आईं शिल्पा शेट्टी

शिल्पा शेट्टी लाल रंग के लंहगे में अनिल कपूर के घर पहुंचीं। वहीं, रवीना टंडन व्हाइट, गोल्डन रंग के अनारकली सूट और लाल रंग के दुपट्टे में अनिल कपूर के घर के बाहर स्पॉट की गईं। रवीना ने जूड़ा बनाया हुआ था और गजरा पहना हुआ था। रवीना की वीडियो देख लोग उनकी खूबसूरती की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।

शाहिद की पत्नी मीरा भी पहुंचीं अनिल कपूर के घर

शाहिद कपूर की पत्नी मीरा राजपूत गुलाबी और गोल्डन रंग की साड़ी में अनिल कपूर के घर पहुंचीं। चंकी पांडे की पत्नी भावना, संजय कपूर की वाइफ महीप और एक्ट्रेस नीलम कोठारी भी सुनीता कपूर के घर पहुंचीं हैं। बॉलीवुड एक्ट्रेस आकांक्षा मल्होत्रा भी अनिल कपूर के घर पहुंची हैं।

सोनाक्षी सिन्हा के लिए पति जहीर ने भी रखा करवा चौथ का व्रत

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल अपना पहला करवा चौथ मना रहे हैं। सोनाक्षी सिन्हा ने अपने पति की लंबी उम्र के लिए व्रत रखा है। सोनाक्षी के पति जहीर ने भी सोनाक्षी के लिए व्रत रखा है। सोनाक्षी ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर की है जिसमें वो पति जहीर से पूछ रही हैं कि उन्होंने व्रत किस लिए रखा है। जहीर इकबाल व्रत रखने का एक बेदद मजेदार कारण बताते हैं। सोनाक्षी ने जो वीडियो शेयर किया है उसमें वो अपने सिर फूलों से बनी एक बहुत छोटी चादर रखते हुए पति जहीर को जानू कहकर बुलाती हैं। इसके बाद, जहीर कहते हैं तुम क्या कर रही हो। सोनाक्षी कहती हैं उन्हें भूख लग रही है, मुझे नहीं समझ आ रहा क्या करूं। फिर वो जहीर से पूछती हैं कि आपको भी भूख लग रही है। जहीर कहते हां। सोनाक्षी पूछती हैं आपने करवा चौथ का व्रत रखा है। जहीर हां कहते हैं। सोनाक्षी उनसे फिर पूछती हैं आपने करवा चौथ का व्रत क्यों रखा है? जहीर जवाब देते हैं, ह्लअगर मैं तुम्हारे सामने खा लेता तुम जान से मार देती।" इसके बाद, सोनाक्षी उनसे पूछती हैं इसलिए व्रत रखा है? सोनाक्षी ने वीडियो शेयर करते हुए कैप्शन लिखा- ऐसा पति ढूंढिए जो आपको अकेला भूखा ना रहने देह्लउसका कारण चाहे कुछ भी हो। सोनाक्षी ने हंसने वाले इमोजी भी इस्तेमाल किए हैं. बता दें, सोनाक्षी सिन्हा ने दिन में एक पोस्ट शेयर किया था। उन्होंने उस पोस्ट के जरिए बताया था कि वो जहीर के करवा चौथा का व्रत रख रही हैं। सोनाक्षी ने उस पोस्ट में अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की थीं। सोनाक्षी उन तस्वीरों में लाल साड़ी, माथे पर बिंदी और मांग में सिंदूर लगाए नजर आ रही थीं।

जम्मू-कश्मीर में एक और आतंकी हमला, डॉक्टर समेत 7 लोगों की हत्या

जम्मू-कश्मीर। जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले के गगनगीर इलाके में आतंकियों ने लोगों के एक समूह पर हमला करके एक डॉक्टर समेत 7 लोगों की गोलियों से भूनकर हत्या दी। स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक आतंकवादियों ने जिले के गुंड इलाके में सुरंग निर्माण का काम कर रही एक निजी कंपनी के दूसरे राज्यों से आए मजदूरों के कैंप पर अचानक से गोलीबारी शुरू कर दी। आतंकियों द्वारा की गई इस गोलीबारी में एक डॉक्टर के अलावा 6 श्रमिकों की मौत हो गई। इस हमले को अंजाम देकर आतंकी वहां से भाग खड़े हुए।

हमले के तुरंत बाद सुरक्षाबल यहां पहुंचे और उन्होंने पूरे इलाके की घेराबंदी करके आंतकियों को खोजने का काम शुरू कर दिया है। केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही परियोजनाओं के तहत यहां पर टनल निर्माण का काम हो रहा था, मारे गए 7 लोगों में से 6 यहां काम कर रहे मजदूर ही थे। गांदरबल क्षेत्र में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के विधानसभा क्षेत्र में आता है।

सीएम अब्दुल्ला ने जताया दुख

घटना पर मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने दुख व्यक्त किया है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट करके लिखा कि बाहरी मजदूरों पर किए गए इस कायरता पूर्ण हमले की मैं निंदा करता हूं, यह दुखद है।

पीएम मोदी ने वाराणसी को दी 6,100 करोड़ की सौगात

कहा- पिछले 10 वर्षों में काशी में हुए बड़े बदलाव

वाराणसी, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में 6,100 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शुभारंभ किया। इनमें 90 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित आरजे शंकर नेत्र अस्पताल का उद्घाटन भी शामिल है।

पीएम ने वाराणसी में आरजे शंकर नेत्र अस्पताल के उद्घाटन के अवसर पर एक सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा, इस पावन महीने में काशी आना एक पुण्य अनुभूति का अवसर होता है। यहां अपने काशीवासी तो हैं ही, संतजनों और परोपकारियों का भी संग है। इससे सुखद संयोग और क्या हो सकता है। अभी मुझे परम पूज्य शंकराचार्य जी के दर्शन का, प्रसाद पाने का और आशीर्वाद प्राप्त करने का सौभाग्य मिला है।

पीएम मोदी ने सभा को संबोधित करते हुए आगे कहा, आरजे शंकर नेत्र अस्पताल वाराणसी और इस क्षेत्र के अनेकों लोगों के जीवन से अंधकार दूर करेगा, उन्हें प्रकाश की ओर ले जाएगा। ये अस्पताल बुजुर्गों की भी सेवा करेगा और बच्चों को भी रोशनी देगा। यहां बहुत बड़ी संख्या में गरीबों को मुफ्त इलाज मिलने वाला है। ये अस्पताल, यहां के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर लेकर आया है।

उन्होंने कहा, काशी की पहचान अनंतकाल से धर्म और संस्कृति की राजधानी के रूप में रही है। अब काशी, यूपी के पूर्वांचल के बड़े आरोग्य केंद्र और हेल्थकेयर हब के रूप में भी विख्यात हो रहा है। काशी को प्राचीन काल से ही धर्म और संस्कृति की राजधानी के रूप में जाना जाता रहा है। अब काशी यूपी के पूर्वांचल क्षेत्र का एक प्रमुख स्वास्थ्य सेवा केंद्र और चिकित्सा केंद्र भी बन रहा है। बीएचयू में ट्रॉमा सेंटर हो, दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल हो या मेडिकल कॉलेजों की स्थापना हो, पिछले 10 वर्षों में काशी में स्वास्थ्य सेवा में बड़े सुधार हुए हैं।

पीएम ने अस्पताल के उद्घाटन से पहले कांची मठ के शंकराचार्य से भी मुलाकात की।

महाराष्ट्र : भाजपा ने जारी की 99 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट

देवेंद्र फडणवीस को नागपुर दक्षिण पश्चिम और चंद्रशेखर कृष्णराव बावनकुले को कामठी से टिकट दिया

नई दिल्ली, एजेंसी। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रविवार को अपने उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर दी। इसमें पार्टी ने 99 प्रत्याशियों के नामों की घोषणा की। भाजपा ने कई विधायकों को फिर से टिकट दिया है। पार्टी ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को नागपुर दक्षिण पश्चिम और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर कृष्णराव बावनकुले को कामठी से टिकट दिया है।

इसके अलावा भाजपा ने शहादा से राजेश उदेसिंह पाडवी, नंदुरबार से विजय कुमार गावित, धुले शहर से अनूप अग्रवाल, सिंदखेड़ा से जयकुमार जितेंद्र सिंह रावल, शिरपुर से काशीराम वेचन पावरा, रावेर से अमोल जावले, भुसावल से संजय वामन सावकारे, जलगांव शहर से सुरेश दामू भोले, चालीसगांव से मंगेश रमेश चव्हाण, जामनेर से गिरीश दत्तात्रेय महाजन, चिखली से श्वेता विधाधर महाले, खामगांव से आकाश पांडुरंग फुंडकर, जलगांव से डॉ. संजय श्रीराम कुटे, अकोला पूर्व से रणधीर प्रह्लादराव सावरकर, धामंगांव रेलवे से प्रताप जनार्दन अडसद, अचलपुर से प्रवीण तायडे, देवली से राजेश बकाने, हिंगणघाट से समीर कुणावार, वर्धा से डॉ. पकंज राजेश भोयर, हिंगना से समीर दत्तात्रेय मेघे, नागपुर दक्षिण से मोहन गोपालराव माते, नागपुर पूर्व से कृष्ण पंचम खोपड़े, तिरोरा से विजय भरतलाल रहांगडाले, गोंदिया से विनोद अग्रवाल को उम्मीदवार बनाया है।

वहीं, अमगांव से संजय हनवंतराव पुरम्, आमोरी से कृष्णा दामाजी गजबे, बल्लारपुर से सुधीर सच्चिदानंद मुनगंटवीर, चिमूर से बंटी भांगड़िया, वानी से संजीव रेड्डी बापुराव बोडकुरवार, रालेगांव से डॉ. अशोक रामादी उइके, यवतमाल से मदन मधुकरराव येरवर, किनवट से भीमराव रामजी केरम, भोकर से श्रीजया अशोक चव्हाण, नायगांव से राजेश संभाजी पवार, मुखेड़ से तुषार राठौड़, हिंगोली से तानाजी मुटकुले, जिंतूर से मेघना बोर्डिकर, परतूर से बाबनराव लोणीकर, बदनापुर से नारायण कुचे, भोकरदन से संतोष रावसाहेब दानवे, फुलंब्री से अनुराधाताई अतुल चव्हाण, औरंगाबाद पूर्व से अतुल सावे, गंगापुर से प्रशांत बंब, बगलान (अजजा) से दिलीप मंगलू बोरसे, चंदवड से डॉ. राहुल दौलतराव अहेर, नासिक पूर्व से राहुल उत्तमराव ढिकाले और नासिक पश्चिम से सीमाताई महेश हिरे को उम्मीदवार बनाया गया है।

इसके अलावा, नालासोपारा से राजन नाइक, भिवंडी पश्चिम से महेश प्रभाकर चौघुले, मुरबाद से किसन शंकर कथोरे, कल्याण पूर्व से सुलभा कालु गायकवाड़, डोंबिवली से रवींद्र दत्तात्रेय चव्हाण, ठाणे से संजय मुकुंद केलकर, ऐरोली से गणेश नाइक, बेलापुर से मंदा विजय म्हारे, दहिसर से मनीषा अशोक चौधरी, मुलुंड से मिहिर कोटेचा, कांदिवली पूर्व से अतुल भातखलकर, चारकोप से योगेश सागर, मलाड पश्चिम से विनोद शेलार, गोरेगांव से विद्या जयप्रकाश ठाकुर, अंधेरी पश्चिम से अमीत सातम्, विले पार्ले से पराग अलवणी, घाटकोपर पश्चिम से राम कदम, वांद्रे पश्चिम से आशीष शेल्लार, सायन कौलीवाड़ा से कैप्टन आर. तमिल सेल्वन्, वडाला से कालिदास नीलकंठ कोलंबकर को प्रत्याशी बनाया है।

राजस्थान के धौलपुर जिले में बस और टेम्पो के टकराने पर 12 लोगों की मौत

भरतपुर, एजेंसी। राजस्थान में धौलपुर जिले के बाड़ी थाना क्षेत्र में शनिवार देर रात बस और टेम्पो के टकराने से आठ बच्चों एवं तीन महिलाओं सहित 12 लोगों की मौत हो गई जबकि एक बच्चे सहित दो लोग घायल हो गए।

पुलिस के अनुसार बाड़ी के करीम कॉलोनी गुमट निवासी इरफान और उसके परिवार के करीब पन्द्रह लोग सरमथुरा थाना क्षेत्र के बरौली में शादी समारोह में बहन का भात भरने गये थे। वहां से वे देर रात बाड़ी लौट रहे थे कि उनका टेम्पो राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 11बी पर सुन्नीपुर गांव के पास रात करीब ग्यारह बजे धौलपुर से जयपुर जा रही एक बस की चपेट में आ गया। पीछे दूसरे टेम्पो में आ रहे इरफान के भाई और वहां से गुजर रहे अन्य वाहनों में सवार लोगों ने पुलिस को हादसे की सूचना दी।

पुलिस ने मौके पर पहुंच कर सभी को धौलपुर के अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने बताया कि हादसे में इरफान उर्फ बंटी (38), उसकी पत्नी जूली (34), बेटी आसमा (14), बेटा सलमान (8), साकिर (6), इरफान का भतीजा अजान (5), जरीना (35), उसकी बेटियां आसियाना (10), सूफी (7), बेटा सानिफ (9), परवीन (32) और उसके बेटे दानिश (10) की मृत्यु हो गई जबकि गंभीर रूप से घायल साजिद (10) और बस चालक को जयपुर भेजा गया है।

हादसे पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गहरा दुख व्यक्त किया है और उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा "राजस्थान के धौलपुर में हुआ हादसा हृदयविदारक है। इसमें मासूम बच्चों सहित जान गंवाने वालों के शोकाकुल परिजनों के प्रति मेरी संवेदनाएं। ईश्वर उन्हें इस पीड़ा को सहने की शक्ति प्रदान करे। इसके साथ ही मैं सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। राज्य सरकार की निगरानी में स्थानीय प्रशासन पीड़ितों की हरसंभव सहायता में जुटा है।"

दूसरे राज्यों से बसों के आने से दिल्ली में प्रदूषण बढ़ रहा है: आतिशी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने रविवार को कहा कि आनंद विहार इलाके में प्रदूषण का सबसे बड़ा कारण दूसरे राज्यों से आने वाली बसें हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार राष्ट्रीय राजधानी के पास स्थित उत्तर प्रदेश सरकार के बस डिपो पर प्रदूषण रोधी उपायों को लागू करने के लिए पड़ोसी राज्य के साथ मिलकर काम करेगी। आतिशी ने पर्यावरण मंत्री गोपाल राय के साथ आनंद विहार बस डिपो पर प्रदूषण नियंत्रण उपायों का निरीक्षण करने के बाद यह टिप्पणी की। मुख्यमंत्री ने प्रदूषण के मुद्दे का जिक्र करते हुए कहा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश की सीमा पर स्थित आनंद विहार प्रदूषण का केंद्र बना हुआ है, जहां वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) स्तर सबसे अधिक है। इस क्षेत्र में दिल्ली के बाहर से बसों का आना-जाना लगा रहता है और पास में ही कौशाम्बी बस डिपो भी है। दिल्ली में सीएनजी और इलेक्ट्रिक बसें चलती हैं, जबकि कौशाम्बी बस डिपो में डीजल बसें आती हैं। हम वहां भी प्रदूषण नियंत्रण उपायों को लागू करने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार के साथ मिलकर काम करने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) और क्षेत्रीय रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) द्वारा किए गए निर्माण कार्यों से भी क्षेत्र में प्रदूषण का स्तर बढ़ा है। आतिशी ने कहा कि दिल्ली सरकार इस समस्या से निपटने के लिए 99 टीम और 315 से अधिक स्मॉग गन सहित सभी उपलब्ध संसाधनों का उपयोग कर रही है। उन्होंने कहा, इस क्षेत्र में लगातार स्मॉग गन का इस्तेमाल किया जा रहा है और धूल को नियंत्रित करने के लिए सड़कों को गीला रखा जा रहा है। सभी सड़कों की मरम्मत कर दी गई है और यातायात के सुचारु संचालन के लिए भीड़भाड़ वाले स्थानों को साफ कर दिया गया है। स्मॉग गन से धूल और अन्य कणों से जुड़े वायु प्रदूषण को कम करने के लिए वातावरण में पानी की छोटी बूंदों का छिड़काव किया जाता है। आतिशी ने यमुना में प्रदूषण के मुद्दे पर भी बात की और हरियाणा तथा उत्तर प्रदेश सरकारों पर नदी में अशोधित अपशिष्ट छोड़ने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, छठ पर्व के दौरान वे आगरा नहर को बंद कर देते हैं जिससे उनका अशोधित कचरा दिल्ली की ओर चला जाता है। फिर भी हम समाधान चाहते हैं। यही कारण है कि हम खाद्य-आधारित ह्यासिलिकॉन डिफोमर्स का उपयोग कर रहे हैं और दिल्ली जल बोर्ड इस समस्या से निपटने के लिए डिफोमिंग अभियान चला रहा है। भले ही दूसरे हमारे प्रयासों को बाधित करने की कोशिश करें हम स्वच्छ यमुना की दिशा में काम करना जारी रखेंगे।

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बताया कि देर रात और सुबह के समय वायु की गुणवत्ता में काफी उतार-चढ़ाव होता है, ऐसा बसों के आने और जाने के कारण होता है। उन्होंने कहा, इन दिनों में वायु गुणवत्ता सूचकांक विशेष रूप से खराब है और इसका मुख्य कारण दिल्ली के आनंद विहार में स्थित बस डिपो और दूसरा उत्तर प्रदेश के कौशाम्बी का बस डिपो है। दिल्ली में बसें अब सीएनजी और विद्युत से चल रही हैं, लेकिन उत्तर प्रदेश से बड़ी संख्या में डीजल बसें अब भी इन डिपो पर आती हैं। इन बसों से निकलने वाला धुआं हवा की गुणवत्ता को प्रभावित कर रहा है। राय ने उत्तर प्रदेश सरकार से इसी प्रकार के प्रदूषण नियंत्रण उपाय अपनाने का आग्रह करते हुए कहा कि सकारात्मक परिणाम पाने के लिए समन्वित दृष्टिकोण की आवश्यकता है।

यमुना में प्रदूषण कम करने में जुटी है सरकार : आतिशी

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी में बढ़ रहे वायु एवं यमुना में प्रदूषण के लिए मुख्यमंत्री आतिशी ने हरियाणा और यूपी सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। आतिशी ने रविवार को कहा कि गंदी राजनीति के तहत भाजपा शासित दोनों राज्य दिल्लीवासियों को परेशान कर रहे हैं, लेकिन दिल्ली सरकार पहले भी प्रदूषण से निपटने के लिए काम कर रही थी और आगे भी प्रदूषण कम करने में जुटी हुई है। आतिशी ने कहा कि दिल्ली में प्रदूषण का स्तर बढ़ रहा है। वायु के साथ यमुना में प्रदूषण भी पिछले कुछ दिनों में बढ़ा है। कालिंदी कुंज में यमुना के भीतर झाग बन रहा है। दिल्ली में प्रदूषण बढ़ने का मुख्य कारण भाजपा की गंदी राजनीति है। आतिशी ने कहा कि पराली जलने की वजह से दिल्ली में प्रदूषण बढ़ता है।

पंजाब सरकार बीते दो साल से इसमें कमी ला रही है। केंद्र सरकार के आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2021 में जहां पराली जलने की 71,300 घटनाएं हुई थीं तो वहीं आप सरकार बनने के बाद इसमें बीते वर्ष में 50 फीसदी की कमी आई है। इस वर्ष एक से 15 अक्तूबर के बीच भी पंजाब में पराली जलाने के मामले 27 फीसदी घटे हैं। दूसरी तरफ हरियाणा और यूपी में पराली जलाने के मामले बढ़ रहे हैं। हरियाणा में पिछले साल 341 मामले थे जो इस वर्ष 23 फीसदी बढ़कर 417 हो गए हैं। उत्तर प्रदेश में 244 घटनाएं वर्ष 2023 में एक से 15 अक्तूबर के बीच थी जो इस वर्ष 70 फीसदी बढ़कर 417 हो गई है। अगर पंजाब सरकार इसे कम कर सकती है तो यूपी और हरियाणा सरकार क्यों नहीं कम कर सकती है। आतिशी ने कहा कि भाजपा नेता कालिंदी कुंज में झाग दिखा रहे हैं। हरियाणा के औद्योगिक क्षेत्रों से यमुना में 165 एमजीडी प्रदूषित पानी छोड़ा जा रहा है। यूपी सरकार 55 एमजीडी प्रदूषित पानी यमुना में छोड़ती है। खासतौर से त्योहार के समय वह गंदा पानी छोड़ना शुरू करते हैं ताकि दिल्ली में यमुना गंदी हो सके। दिल्ली सरकार लगातार इसका समाधान करने में जुटी है। आतिशी ने कहा कि वह रविवार सुबह आनंद विहार गई थीं।

रोहिणी में सीआरपीएफ स्कूल के पास जोरदार धमाका

एनएसजी और एनआईए की टीम मौके पर पहुंची

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में रोहिणी के प्रशांत विहार इलाके में सीआरपीएफ स्कूल के पास रविवार सुबह एक जोरदार धमाका हुआ, हालांकि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि रोहिणी के सेक्टर-14 में सीआरपीएफ स्कूल के पास सुबह करीब सात बजकर 50 मिनट पर धमाका हुआ था, जिसके बाद बम निरोधक दस्ता और पुलिस की एक फोरेंसिक टीम विस्फोट होने के कारण का पता लगाने के लिए मौके पर पहुंची।

उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) और राष्ट्रीय सुरक्षा गारद (एनएसजी) के अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंच गए हैं। पुलिस ने बताया कि इस धमाके में स्कूल की दीवार, पास की दुकानें और एक कार को नुकसान पहुंचा है। घटनास्थल पर धुएं का गुबार उठता हुआ नजर आया। विस्फोट के बाद का एक कथित वीडियो भी सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहा है, जिसमें घना सफेद धुआं नजर आ रहा है। दिल्ली पुलिस ने बताया कि वे मोबाइल नेटवर्क का डेटा एकत्र कर रही है, ताकि पता लगाया जा सके कि विस्फोट के समय आसपास कौन-कौन मौजूद थे। उसने कहा कि ऐसा संदेह है कि एक देसी बम के कारण यह धमाका हो सकता है। सीआरपीएफ स्कूल के बाहर के इलाके का निरीक्षण कर रहे फोरेंसिक विशेषज्ञों ने घटनास्थल पर संदिग्ध सफेद पाउडर बरामद किया और उसे जांच के लिए प्रयोगशाला भेज दिया है। उन्होंने स्कूल की दीवार के पास एक गड्ढा भी खोदा है और मिट्टी के नमूने भी ले गए हैं। एनएसजी अधिकारियों ने घटनास्थल से बरामद कुछ सामग्री भी जांच के लिए भेज दी है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, यह किसी तरह का विस्फोटक है या कुछ और है, इसका पता तभी चल पाएगा जब हम इसकी पूरी तरह से जांच करेंगे। हमें संदेह है कि किसी देसी बम के कारण यह धमाका हो सकता है। अधिकारि ने बताया, एनएसजी, एनआईए और दिल्ली पुलिस ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी है। त्योहार के कारण दिल्ली पुलिस पहले से ही हाई अलर्ट पर है। पुलिस ने इस घटना के संबंध में विस्फोटक अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। सूचना मिलने के बाद अपराध शाखा और विशेष प्रकोष्ठ सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारी तथा दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर मौजूद हैं। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) ने बताया कि उन्हें सीआरपीएफ स्कूल की चारदीवारी के पास धमाका होने की सूचना मिली थी।

डीएफएस के अधिकारियों ने बताया, सूचना मिलने के बाद हमने तुरंत दमकल की दो गाड़ियों को मौके पर भेजा। धमाका होने के कारण आग नहीं लगी है और न ही कोई घायल हुआ है, इसलिए हमारी गाड़ी वापस लौट आई। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, ह्यह्यहमारी फोरेंसिक टीम और अपराध इकाई घटनास्थल से नमूने एकत्र करने के लिए मौके पर मौजूद है। एक पटाखे के कारण यह धमाका हो सकता है, लेकिन हम इस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रहे हैं। पुलिस ने बताया कि वे घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रहे हैं। पुलिस ने एक बयान में कहा कि उसे सुबह 7.47 बजे एक जोरदार धमाका होने की सूचना मिली थी। उसने बताया, धमाका होने से स्कूल की दीवार क्षतिग्रस्त पाई गई और वहां दुर्गंध आ रही थी।

प्रशांत विहार के थाना प्रभारी और अन्य कर्मी मौके पर मौजूद हैं। पास की दुकान और नजदीक खड़ी कार के शीशे क्षतिग्रस्त हो गए हैं।

करवा चौथ पर मधुबनी डिजाइन की मेहंदी पसंद कर रही दिल्ली की महिलाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली समेत देशभर में आज करवा चौथ का त्योहार मनाया जा रहा है। इस दिन महिलाएं अपने पति की लंबी आयु के लिए व्रत रखती हैं। वे दुल्हन की तरह सजती संवरती हैं। करवा चौथ पर सजने संवरने की शुरूआत सुहागिनों के हाथों की मेहंदी से होती है। करवा चौथ से एक या दो दिन पहले ही महिलाएं बाजारों में मेहंदी लगवाने पहुंचती हैं। हाथों पर लगी लाल सुर्ख मेहंदी महिलाओं के श्रृंगार में चार चांद लगा देती है। ऐसा कहा जाता है कि महिलाओं के हाथ पर लगी मेहंदी का रंग जितना गहरा होता है,पति उनसे उतना ही ज्यादा प्यार करता है। तिलक नगर मार्केट में मेहंदी लगवाने पहुंची महिलाएं: वेस्ट दिल्ली के तिलक नगर मार्केट में करवा चौथ के पहले महिलाएं मेहंदी लगवाने पहुंचती हैं। मोती नगर से मेहंदी लगवाने आई भावना ने बताया कि वह 28 साल से लगातार तिलक नगर में ही मेहंदी लगवा रही है, जब 2 साल की थी, तब उनकी मां उनको यहां मेहंदी लगाने लाया करती थी। इस बाजार में हमेशा ही लेटेस्ट डिजाइन की मेहंदी लगती है। इस बार उन्होंने अपने हाथों पर मधुबनी डिजाइन की मेहंदी लगवाई है। इसके अलावा उन्होंने पैरों पर भी मेहंदी

लगवाई है। मेहंदी वालों की हो रही अच्छी कमाई : करवा चौथ का पर्व विशेष होता है इसलिए अपने हाथ पर अपने पति का नाम भी लिखवाया जाता है। दोनों हाथों और पैरों पर मेहंदी लगाने का चार्ज 5000 रुपए पड़ा है। महिलाओं का मानना है कि साल भर में एक बार ही मेहंदी वालों के लिए यह कमाई का अवसर है, जब वह अच्छी आमदनी कर पाते हैं और उनको मेहंदी लगाने में काफी मेहनत भी लगती है। इसलिए मेहनत को देखते हुए 5000 रुपए ज्यादा नहीं है। मेहंदी के सुंदर डिजाइन की है सबसे ज्यादा डिमांड : पश्चिमी दिल्ली की रहने वाली महक ने बताया कि महिलाओं के लिए करवा चौथ में सबसे ज्यादा जरूरी होता है मेहंदी का सुंदर डिजाइन। इसलिए वह कई दिन पहले से मेहंदी आर्टिस्ट को ढूंढ रही थी। उनको तिलक नगर में एक ऐसे टैटू आर्टिस्ट मिले, जिन्होंने उनके पति के हाथ पर टैटू भी बनाया था और वह मेहंदी भी लगाते है। 2 दिन पहले तत्काल बुकिंग करके आज वह मेहंदी लगवाने पहुंची। उन्होंने इस बार अपने हाथ पर पोट्रेट मधुबनी मेहंदी लगवाई है इसके लिए उन्होंने 4000 रुपए पे किए हैं। मधुबनी मेंहदी की डिजाइन इस बार कर रही ट्रेंडः बाजार में मौजूद अमन मेहंदी वाले ने बताया कि वह 20 वर्षों से बाजार में मेंहदी लगा रहे हैं। इस बार महिलाओं ने सबसे ज्यादा मधुबनी मेहंदी की डिजाइन को पसंद किया है। अन्य मेहंदी डिजाइन की तुलना में मधुबनी मेंहदी की डिजाइन थोड़ी मोटी होती है, जो देखने में बेहद आकर्षक और सुंदर लगती है।

तिलक नगर मार्केट में 1000 के करीब मेहंदी आर्टिस्ट : तिलक नगर मार्केट फेडरशन के प्रेजिडेंट सुशील खत्री ने बताया कि दिल्ली का तिलक नगर मशहूर बाजारों में से एक हैं। मेहंदी और चूड़ियों के लिए तिलक नगर मार्किट पूरी दिल्ली में पहचानी जाती है। यहां करवा चौथ के समय 1000 के करीब मेहंदी आर्टिस्ट बैठते हैं।

जनकपुरी में डिलीवरी ब्वॉय के साथ लूटपाट

नई दिल्ली, एजेंसी। जनकपुरी इलाके में 18 अक्तूबर की देर रात तीन बदमाशों ने एक ऐप आधारित कंपनी के डिलीवरी ब्वॉय के साथ लूटपाट की वारदात को अंजाम दिया। पीड़ित ने विरोध किया तो आरोपियों ने उसकी जमकर पिटाई की और घायल कर दिया। वारदात के बाद आरोपी मौके से पीड़ित का बैग, मोबाइल लेकर भाग गए। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पीड़ित 21 वर्षीय आरुष अपने परिवार के साथ ओम विहार, उत्तम नगर इलाके में रहता है। पुलिस को दिए बयान में उसने बताया कि वह डिलीवरी ब्वॉय है। 18 अक्तूबर की देर रात करीब 1.30 बजे वह स्कूटी से ऑर्डर डिलीवरी के लिए जा रहा था। इसी दौरान जब वह डिस्ट्रिक्ट सेंटर के पास मौजूद पुलिस बूथ के नजदीक पहुंचा तो उसे जबरन तीन बदमाशों ने रोक लिया। आरोपियों ने पीड़ित के साथ लूटपाट शुरू कर दी। पीड़ित ने उनका विरोध किया तो आरोपियों ने उसकी जमकर पिटाई की। पिटाई के बाद आरोपी स्कूटी से वहां से फरार होने लगे तो उनकी स्कूटी फिसल गई और वह गिर गए। आरोपी अपनी स्कूटी मौके पर ही छोड़ कर फरार हो गए। पीड़ित ने राहगीरों से मदद लेकर पुलिस को सूचना दी।

भारतीय जनता पार्टी की लापरवाही से दिल्ली और हम सब लोग खतरे में हैं : मनीष सिसोदिया

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कानून व्यवस्था को लेकर भारतीय जनता पार्टी पर जमकर निशाना साधा। मनीष सिसोदिया ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की लापरवाही से आज दिल्ली और दिल्ली के लोग खतरे में हैं। शनिवार को वेलकम इलाके में 60 राउंड फायरिंग होती है और रविवार को रोहिणी इलाके में स्कूल के बाहर बम धमाका होता है। त्योहार से पहले इन घटनाओं से दिल्ली के लोग सहमे हुए हैं। दिल्ली में लॉ एंड ऑर्डर केंद्र की भाजपा सरकार के पास है ऐसे में मनीष सिसोदिया ने कहा कि यदि केंद्र सरकार दिल्ली का लॉ एंड ऑर्डर नहीं संभाल सकती तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए। पार्टी मुख्यालय पर रविवार को प्रेस वार्ता कर मनीष सिसोदिया ने कहा कि आज त्योहार से पहले दिल्ली के रोहिणी इलाके में स्कूल के बाहर बम धमाका होना बहुत ही चिंताजनक है। त्योहार के मौके पर जगह-जगह भीड़ हो रही है। विभिन्न सामाजिक आयोजन हो रहे हैं इस बीच बम धमाका होना बेहद चिंताजनक है। भाजपा की केंद्र सरकार हाथ पर हाथ रखे बैठी है। उनको दिल्ली की जनता की कोई चिंता नहीं है। आज का यह धमाका बताता है कि केंद्र सरकार पूरी तरीके से फेल हो चुकी है। केन्द्र सरकार दिल्ली के लोगों के प्रति लापरवाह है। बम धमाके से स्कूल की दीवार गिर गई। गनीमत रही कि आज छुट्टी के दिन यह हादसा हुआ। मेरे पास सुबह से ही लोगों के फोन आ रहे हैं और लोग कह रहे हैं कि भीड़ में या पदयात्रा में मत जाना अभी स्थिति बहुत खराब है। कहीं भी कुछ भी हो सकता है। भारतीय जनता पार्टी हाथ पैर हाथ रखे बैठी हुई है। कल शाम को भी दिल्ली के वेलकम में 60 राउंड फायरिंग हुई है। वहां 1 लड़की घायल भी हुई है। आए दिन गैंगस्टर फायरिंग कर वसूली कर रहे हैं। भाजपा को यह एहसास नहीं है कि दिल्ली की जनता ने उन्हें लॉ एंड ऑर्डर की जिम्मेदारी दी है। लेकिन भारतीय जनता पार्टी से लॉ एंड ऑर्डर नहीं संभाल रहा है। लॉ एंड आर्डर नहीं संभाल सकते तो इस्तीफा दे देना चाहिए।

एक नजर

प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने हिरासत में लिया

नई दिल्ली, एजेंसी। लद्दाख के पर्यावरण और लोकतांत्रिक अधिकारों की मांग को लेकर धरना दे रहे सोनम वांगचुक और उनके साथियों के समर्थन में रविवार को लद्दाख भवन के बाहर प्रदर्शनकारी जुटे। आइसा और एसएफआई से जुड़े छात्रों को पुलिस ने हिरासत में लिया। आइसा के एक प्रदर्शनकारी ने बताया कि जम्मू और कश्मीर राज्य के विभाजन के बाद लद्दाख को केंद्र शासित प्रदेश बनाए जाने के दौरान बड़े-बड़े वादे किए गए थे, लेकिन आज वे सभी वादे टूट चुके हैं। लद्दाख के लोगों की लोकतांत्रिक आकांक्षाओं से धोखा हुआ है। लद्दाख की वर्तमान स्थिति में उसकी पहले से भी कम प्रतिनिधित्व हो रहा है। एसएफआई ने दिल्ली पुलिस द्वारा प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिए जाने की निंदा की है। एसएफआई ने कहा कि भारतीय संविधान हर नागरिक को शांतिपूर्ण प्रदर्शन का अधिकार देता है और पुलिस की यह कार्रवाई मौलिक अधिकारों के खिलाफ है।

असिता पार्क में आगंतुकों के लिए टेंट कैफे की सुविधा

नई दिल्ली, एजेंसी। यमुना खादर में स्थित दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के असिता जैव-विविधता पार्क में आगंतुकों के लिए टेंट कैफे स्थापित किया गया है। सर्दी का मौसम शुरू होने पर कैफे को आगंतुकों के लिए खोल दिया जाएगा। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना की पहल पर डीडीए ने 60-70 लोगों की क्षमता वाले इस टेंट कैफे को तैयार किया है। इसकी पूरी संरचना अस्थायी है। कैफे के निर्माण में किसी ठोस सामग्री का इस्तेमाल नहीं किया गया है। डीडीए के अनुसार टेंट कैफे में आगंतुकों को पका भोजन और पेय पदार्थ परोसे जाएंगे। सर्दी के शुरू होने से पहले कैफे को आगंतुकों के लिए खोलने की तैयारी है। असिता पार्क में रोजाना काफी संख्या में लोग आते हैं। टेंट कैफे जल निकाय और नदी के घास के मैदान के नजदीक तैयार किया है। इस सर्दी में असिता पार्क ट्यूलिप सहित दो लाख से अधिक मौसमी फूलों से घिरा होगा।

दो दिन पासपोर्ट के लिए नहीं कर पाए आवेदन

नई दिल्ली, एजेंसी। वेबसाइट की मेंटिनेंस की वजह से पासपोर्ट के आवेदकों को दो दिन इंतजार करना पड़ा है। शनिवार और रविवार को पासपोर्ट विभाग की वेबसाइट बंद रही। दो दिन वेबसाइट बंद होने की वजह से करीब चार हजार लोग आवेदन नहीं कर पाए। अब सोमवार से आवेदन प्रक्रिया फिर से शुरू होगी। पासपोर्ट विभाग बीते कई सप्ताह से वेबसाइट को अपडेट करने का काम कर रहा है। इसकी वजह से अक्सर सप्ताह के अंतिम दो दिन वेबसाइट को बंद कर दिया जाता है। इस सप्ताह भी शनिवार और रविवार को पासपोर्ट विभाग की ओर से अपडेशन का काम किया गया और इसकी वजह से ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया बंद रही।

दो साल तक महिला पायलट से दुष्कर्म, डीजीसीए अधिकारी गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्वी दिल्ली में रहने वाली एक महिला पायलट को शादी का झांसा देकर दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोपी डीजीसीए का अधिकारी है। सफदरजंग एन्क्लेव पुलिस ने महिला की शिकायत पर मामला दर्ज कर अधिकारी सिराज फारुकी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पहले से विवाहित है। पुलिस को दी गई शिकायत में युवती ने बताया है कि जून 2022 में उसकी मुलाकात सिराज से हुई। उस समय वह एक विमानन कंपनी में नौकरी करता था। फिलहाल वह डीजीसीए में सीनियर फ्लाइट ऑपरेशन इंस्पेक्टर के पद पर कार्यरत है। वह पायलट लाइसेंस के लिए प्रशिक्षण ले रही थी। इस दौरान वह युवती के करीब आने लगा।

आरोपी ने उसे बताया कि पहली पत्नी से तलाक लेने के बाद उसने दूसरी शादी की थी, लेकिन वह अब दूसरी पत्नी से भी तलाक ले रहा है क्योंकि वह उससे शादी करना चाहता है। जुलाई 2022 में वह युवती को हैदराबाद स्थित एक नामी होटल में ले गया और वहां उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। युवती ने उसे कई बार तलाक की स्थिति के बारे में पूछा, लेकिन वास्तव में उसने दूसरी पत्नी से तलाक लेने के लिए आवेदन ही नहीं किया था। युवती ने पुलिस को बताया कि आरोपी शादी का झांसा देकर बीते दो वर्षों से उसके साथ दुष्कर्म कर रहा था। विरोध करने पर वह उसे धमकाता कि अगर उसने दूरियां बनाई तो विमानन क्षेत्र में वह उसे नौकरी नहीं करने देगा। युवती का दावा है कि कुछ माह पहले सिराज की पत्नी ने भी दोनों की शादी के लिए सहमति दे दी, लेकिन वास्तव में इस अपराध में वह अपने पति का साथ दे रही थी।

चोरी की दो स्कूटी समेत तीन वाहन चोर गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। शाहदरा पुलिस ने गत दो दिनों वाहनचोरों के खिलाफ अभियान चलाकर तीन वाहनचोरों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से दोपहिया वाहनों के साथ चोरी के दो मोबाइल फोन बरामद हुए हैं। इनपर चोरी के आधा दर्जन से ज्यादा मामले दर्ज मिले हैं। पुलिस उपायुक्त प्रशांत गौतम ने बताया कि सीमापुरी पुलिस ने बुधवार को वाहनचोर रवि यादव उर्फ विनय को गुप्त सूचना के आधार पर गिरफ्तार किया है। दरअसल, चोरी के एक मामले की जांच करते हुए सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की मदद से पुलिस ने आरोपी की पहचान की। इसके बाद स्थानीय सूत्रों व तकनीकि टीम की मदद से जांच करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। इसके पास से चोरी की एक स्कूटी के साथ ही दो मोबाइल फोन बरामद हुए। इसकी पहचान दिलशाद कॉलोनी निवासी रवि यादव के रूप में हुई। वहीं, आनंद विहार पुलिस को इलाके में दो वाहनचोरों के आने की सूचना मिली। सूचना के बाद पुलिस ने योजनाबद्ध तरीके से जाल बिछाया और दोनों वाहनचोरों को चोरी की स्कूटी के साथ गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की पहचान अर्जुन नगर, जगतपुरी निवासी विष्णु और गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश निवासी शिवम उर्फ शुभम के रूप में हुई है।

तिहाड़ में मालिश करवाने वाली बात पर आप नेता सत्येंद्र जैन का खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता सत्येंद्र जैन ने कहा कि उन पर तिहाड़ जेल में मालिश करवाने का झूठा आरोप लगाया गया, जबकि वह पैर में 'बहुत तेज' दर्द होने के कारण फिजियोथेरेपी करवा रहे थे। नवंबर 2022 में तिहाड़ जेल के सीसीटीवी कैमरे का फुटेज सामने आने के बाद विवाद खड़ा हो गया था, जिसमें जैन कथित तौर मालिश करवा रहे थे। जैन उस समय दिल्ली के कारागार विभाग के मंत्री थे। आप की ओर से जारी एक बयान में मंत्री जैन ने कहा कि वीडियो को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया है। दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा कि चिकित्सकों ने उन्हें 1 महीने तक बिस्तर पर आराम करने की सलाह दी थी और अस्पताल के डॉक्टरों ने उन्हें बेहतर सुविधाओं वाले कमरे में रहने का सुझाव दिया था। उन्होंने कहा कि वह न तो झुक सकते थे, न कुछ उठा सकते थे और न ही हिल-डुल सकते थे। आप नेता कहा कि, उस दौरान, मेरे पैरों में बहुत दर्द हो रहा था। स्थिति को देखते हुए सारी व्यवस्था की गई थी। क्या कभी कोई पूरे कपड़े पहनकर मालिश करवाता है? फिजियोथेरेपिस्ट बस अपना काम कर रहा था, फिर भी झूठा दावा किया कि मेरी मालिश की जा रही है।

क्या है पूरा मामला सत्येंद्र जैन को धनशोधन के एक मामले में दिल्ली की एक अदालत से जमानत मिलने के बाद शनिवार को तिहाड़ जेल से रिहा किया। उन्हें 18 महीने जेल में बिताने के बाद जमानत मिली। इस मामले में ईडी (एऊ) ने उन्हें मार्च 2022 में गिरफ्तार किया था। जैन ने भाजपा पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि न्यायपालिका न होती तो भाजपा मुझे फांसी पर लटका देती। जैन ने कहा, अगर भाजपा ये दावे कर रही है तो उन्होंने पहले वीडियो क्यों नहीं जारी किया। उन्होंने गुजरात चुनाव के दौरान ही इसे प्रसारित करना शुरू किया था।

किसानों की लड़ाई दिन प्रतिदिन मजबूत हो रही है : किसान सभा जिला अध्यक्ष

गौतम बुद्ध नगर। संयुक्त किसान मोर्चा के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट पर चल रहे महापडाव का आज सातवां दिन रहा आज धरने की अध्यक्षता शांति देवी ने की संचालन बृजेश भाटी ने की। धरने में सैकड़ो की संख्या में किसान एकता संघ के नेता और कार्यकर्ता पहुंचे किसान एकता संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सोरन प्रधान ने धरने पर किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि यह लड़ाई पूरे जनपद की है और किसान एकता संघ इस लड़ाई में कंधे से कंधा मिलाकर साथ है। किसान सभा के जिला अध्यक्ष ने किसान एकता संघ के संयुक्त किसान मोर्चा में शामिल होने पर उन्हें बधाई और धन्यवाद दिया आगे बोलते हुए कहा कि किसानों की लड़ाई दिन प्रतिदिन मजबूत हो रही है लड़ाई को सफल करने के लिए बडी ताकत की आवश्यकता है वह ताकत लगातार बढ़ती जा रही है संयुक्त किसान मोर्चा आंदोलन को सुनियोजित तरीके से लेकर आगे चल रहा है आंदोलन में दिन-रात किसानों का जमावड़ा है सैकड़ो की संख्या में महिला पुरुष किसान धरने पर जमे हुए हैं। किसान एकता संघ के प्रदेश अध्यक्ष प्रमोद शर्मा ने कहा कि हमारे लोग दिन-रात धरना स्थल पर

उपस्थित रहेंगे। किसान सभा के जिला महासचिव जगदीश नंबरदार ने कहा की लड़ाई हाई पावर कमेटी की सिफारिश को सार्वजनिक करने की है हाई पावर कमेटी की सिफारिश से सार्वजनिक होने पर सिफारिश की समीक्षा करके आंदोलन की आगे की रणनीति बनाई जाएगी। कृषक शक्ति के नेता जितेंद्र भाटी ने कहा कि हम आर पार की लड़ाई के मूड से कलेक्ट्रेट पर आए हैं जब तक लड़ाई सफल नहीं होगी तब तक यहां जमे रहेंगे। किसान सभा के संयोजक वीर सिंह नागर ने कहा कि 10% प्लाट एवं नए कानून का मुद्दा पूरे जनपद का मुद्दा है बल्कि नए कानून का मुद्दा पुरे उत्तर प्रदेश और देश का है जिसे आंदोलन है 10% प्लाट, आबादी, नई कानून को लागू करने भूमिहीनों को दुकानों में आरक्षण लागू करने की मांग को सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद ही आंदोलन खत्म होगा।निरंकार प्रधान, निशांत रावल सुधीर रावल भोजराज रावल शांति देवी गीता देवी अजब सिंह भाटी, मुकेश राणा जितेंद्र राणा करण राघव पंकज खारी नितिन राणा सतबीर यादव, गबरी यादव ओम दत्त पंडित जी, भीम सिंह, अजय पाल भाटी, पप्पू ठेकेदार मनोज प्रधान मनवीर खानपुर सूले यादव बुधपाल यादव सतबीर यादव, मास्टर राजवीर सिंह सतपाल खारी धर्मेंद्र भाटी अशोक भाटी प्रशांत भाटी गुरप्रीत एडवोकेट मोहित भाटी मोहित और अनूप राघव बाबा संतराम श्याम सिंह प्रधान संदीप भाटी शिशांत भाटी संजय नागर सरजीत नागर गोपाल शर्मा विक्रम भारती, जगत प्रधान संजय शर्मा जयवीर प्रधान सोनू पहलवान नीरज गुर्जर कंवरपाल देवेंद्र भाटी, कृष्णा भाटी, सोनू समानिया, राजू पल्ला, जोगेंद्री देवी रईसा बेगम तिलक देवी रीना भाटी संतोष सविता रीता गीता सुनीता महिला पुरुष शामिल रहे। भवदीय, डॉक्टर रुपेश वर्मा, अध्यक्ष, अखिल भारतीय किसान सभा, गौतम बुद्ध नगर। सरकारें जानबूझकर लागू करने से बच रही हैं किसानों की जमीन गौतम बुध नगर में कौड़ियों के भाव लूटी जा रही हैं और उन्हें हवाई अड्डों पूंजीपतियों को आवंटित कर जमीन की लूट मचाई जा रही है यह अब और चलने वाला नहीं है पूरे जिले का किसान एक हो चुका है यह तीसरी और अंतिम चरण का

बाल विवाह के विरोध में किशोरी ने छोड़ा घर

- मौसेरे भाई के साथ 60 हजार रुपये लेकर मौसी के घर औरैया पहुंची किशोरी
- घर पर सात वर्षीय बहन को छोड़कर 16 अक्तूबर की शाम हो गई थी लापता

नोएडा, एजेंसी। बाल विवाह के विरोध में 14 वर्षीय किशोरी ने अचानक घर छोड़ दिया। घर से 60 हजार रुपये लेकर मौसेरे भाई के साथ चली गई। तीन दिन तक इधर-उधर घूमने के बाद दोनों मौसी के घर पहुंच गए। चार दिन बाद थाना सेक्टर-58 पुलिस ने दोनों को खोज निकाला। पुलिस ने किशोरी को वन स्टॉप सेंटर में भेज दिया है। मूलरूप से जिला औरैया के रहने वाली एक महिला ने पुलिस को बताया कि वह परिवार के साथ गांव बिशनपुरा में किराए के घर में रहती हैं। परिवार में पति के अलावा 14 वर्षीय बेटी और सात वर्षीय बेटी हैं। पति-पत्नी दोनों एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी करते हैं। बड़ी बेटी कक्षा आठ में और छोटी कक्षा दो में पढ़ती है। सुबह दोनों काम पर निकल जाते हैं और शाम को घर लौटते हैं। पीड़िता ने बताया कि 16 अक्तूबर की शाम को घर लौटने पर पता चला कि बड़ी बेटी घर पर नहीं है। अलमारी को देखा तो उसमें से 60 हजार रुपये गायब थे। पीड़िता ने रिश्ते के एक किशोर पर बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने खोजबीन शुरू की। थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि किशोरी को खोजने के लिए तीन टीम गठित कीं। जांच में पता चला कि किशोरी गांव बहलोलपुर में रहने वाले 15 वर्षीय मौसेरे भाई के साथ गई है। दो-तीन दिन इधर-उधर घूमने के बाद दोनों औरैया पहुंच गए थे। पूछताछ में किशोरी ने बताया कि माता-पिता उसकी शादी देना चाहते हैं, जबकि वह अभी पढ़ना चाहती है। उसने नाबालिग होने की बात कहकर कई बार विरोध किया, लेकिन वह जल्दी शादी करने की तैयारी कर रहे हैं। पुलिस अब किशोरी के मजिस्ट्रेट के समक्ष बयान दर्ज कराने की तैयारी कर रही है। ताकि उसी के बाद आगे की कार्रवाई की जा सके।

ट्रक व उसमें भरे सामान का गबन करने वाला ट्रक चालक समेत दो काबू

गुरुग्राम, एजेंसी। उत्तर प्रदेश से सामान लोड करके ट्रक लेकर चले ड्राइवर व उसके साथी ने ट्रक से सामान गायब कर दिया। साथ ही ट्रक को लेकर फरार हो गए। पुलिस ने शिकायत मिलने पर केस दर्ज करके आरोपियों की तलाश शुरू की। अपराध शाखा फर्रूखनगर इंचार्ज उप-निरीक्षक मनोज कुमार की टीम ने दो आरोपियों को पुलिस ने ट्रक समेत काबू करने में सफलता हासिल की है। मनोज कुमार ने रविवार को बताया कि आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस के अनुसार 9 अक्टूबर 2024 को एक व्यक्ति ने थाना फर्रुखनगर में एक लिखित शिकायत दी थी। शिकायतकर्ता ने कहा गया था कि उसका ट्रक चालक उत्तर-प्रदेश से सामान लोड करके चला था।

उसके बाद 7 अक्टूबर 2024 को फर्रुखनगर से टोल पार करने के बाद उससे संपर्क नहीं हो पाया। आरोप है कि ट्रक चालक ने गाड़ी व उसमें भरे सामान का गबन कर लिया गया।

लॉ कोर्स की रिक्त सीटों पर आवेदन का अंतिम दिन आज

-जिले के कॉलेजों में एलएलबी और बीए एलएलबी की 1297 सीटों पर दाखिले का अंतिम मौका

-22 एवं 23 अक्तूबर को कॉलेजों में दाखिले

गाजियाबाद, एजेंसी। लॉ पाठ्यक्रमों में खाली सीटों के लिए आवेदन करने का आज अंतिम दिन है। जो छात्र कानून की पढ़ाई करना चाहते हैं और अभी तक किसी भी संस्थान में दाखिला नहीं लिया है उन छात्रों के लिए यह सुनहरा एवं आखिरी मौका है। बता दें कि जिले के कॉलेजों में एलएलबी की 12 फीसदी और बीए एलएलबी की 24.74 फीसदी सीटें रिक्त हैं। जिले के 55 से अधिक कॉलेजों में तकरीबन 1297 सीटें अभी रिक्त हैं। दो सामान्य और दो ओपन मेरिट के बाद भी सीटें नहीं भर पाईं। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय से संबद्ध जिले के कॉलेजों में दूसरी ओपन मेरिट की दाखिला प्रक्रिया बीते बुधवार को समाप्त हुई। लेकिन गई गुना आवेदन के बाद भी सीटें नहीं भर सकीं। विश्वविद्यालय ने रिक्त सीटों को भरने तथा दाखिले से वंचित छात्रों को एक और मौका देते हुए शनिवार से पंजीकरण शुरू किए और 21 अक्तूबर कॉलेजों में ऑफर लेटर जमा करने की अंतिम तिथि निर्धारित की थी। ऐसे में छात्रों के पास पंजीकरण कराते हुए ऑफर लेटर जमा करने का आज अंतिम अवसर बचा है। बता दें कि एलएलबी में 12 फीसदी सीटें अभी भी बची हुई हैं। जिले के 29 कॉलेजों में तीन वर्षीय एलएलबी पाठ्यक्रम की कुल 4,860 में से 577 सीटें शेष हैं। एमएमएच में तीन वर्षीय एलएलबी की एक सीट खाली है एवं सात कॉलेजों में सभी सीटें भर गई हैं। ऐसे में छात्रों के पास निजी कॉलेजों में ही दाखिले का विकल्प बचा है। बीए एलएलबी में 24.75 फीसदी सीट रिक्तः पांच वर्षीय बीए एलएलबी कोर्स में 24.75 फीसदी सीटों पर दाखिले का मौका है। जिले के 22 कॉलेजों में बीए एलएलबी की कुल 2909 सीटें हैं। इसमें से 720 सीटें अभी भी रिक्त हैं।

सिर्फ चार कॉलेज ऐसे हैं जहां 100 फीसदी दाखिले हुए हैं, जबकि चार कॉलेजों में 10 से कम सीटें बची हैं। इसके अलावा अन्य कॉलेजों में 20 से 40 फीसदी तक सीट शेष हैं। 22 और 23 अक्तूबर को होंगे दाखिलेः प्राप्त ऑफर लेटर के आधार पर कॉलेज की तरफ से कल यानी 22 अक्तूबर को मेरिट जारी की जाएगी। प्राप्त ऑफर लेटर के आधार पर कॉलेज मेरिट तैयार करेंगे और 22 से 23 अक्तूबर तक दाखिले होंगे। इसी दिन सभी दाखिले पोर्टल पर कन्फर्म भी करने होंगे। छात्र विश्वविद्यालय प्रवेश पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण करते हुए ब्लैंक ऑफर लेटर डाउनलोड कर लें और अपनी इच्छा से रिक्त सीटों वाले कॉलेज का नाम भरकर हर हाल में 21 अक्तूबर तक जमा करा दें। इसके बाद कोई मौका नहीं मिलेगा।

दिल्ली के रोहिणी में स्कूल के पास धमाका, दुकान और गाड़ियों के शीशे टूटे

ऋषि तिवारी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के रोहिणी में प्रशांत विहार के सीआरपीएफ स्कूल के पास जोरदार धमाका की आवाज से स्थानीय लोगों में हड़कंप मच गया है। बता दे कि धमाका इतना जोरदार था कि उसके चलते रोड पर धूल का गुबार दिखने लगा और जब तक लोग कुछ समझ पाते, इलाके में अफरा-तफरी मच गई थी। धमके की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंचकर मामले की पड़ताल में जुट गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार धमाका इतना जोरदार था कि उसकी वजह से आसपास खड़ी गाड़ियों के शीशे तक टूट गए और साथ ही कुछ दुकानों को भी नुकसान हुआ है। पुलिस ने धमाके का कारण पता लगाने के लिए एक्सपर्ट्स की टीम बुलाई है, जो इस घटना की विस्तृत जानकारी देने के लिए जांच करेगी। फिलहाल मौके पर दमकलकर्मी, दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल और एफएसएल टीम पहुंची हुई है और पूरे मामले की जांच की जा रही है,

ताकि यह स्पष्ट हो जाए कि यह कोई हमला है या हादसा। जानकारी के मुताबिक, पुलिस को घटना की सूचना रविवार सुबह 7:47 मिनट पर दी गई थी। घटनास्थल पर अन्य आला अधिकारी भी पहुंच गए हैं। राहत की बात यह है कि धमाके में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। मामले की गंभीरता को देखते हुए दिल्ली पुलिस ने इलाके को बैरिकेड लगाकर सील कर दिया है। रोहिणी जिले के डीसीपी अमित गोयल ने कहा कि धमाके की वजह जानने के लिए एक्सपर्ट्स को बुलाया गया है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि धमाका किस प्रकार का था। जल्द ही स्थिति स्पष्ट होगी।

सुबह दमकल विभाग को इस घटना की जानकारी मिली थी, जिसके बाद दो दमकल की गाड़ियों को तुरंत मौके पर भेजा गया था।

सिस्ट्रा कंपनी ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो के स्टेशन और रूट का डिजाइन तैयार करेगी

गुरुग्राम, एजेंसी। गुरुग्राम मेट्रो रेल लिमिटेड (जीएमआरएल) ने ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो के स्टेशन और रूट को डिजाइन करने के लिए विस्तृत सलाहकार कंपनी का चयन कर लिया है। काम सिस्ट्रा नामक कंपनी को सौंपा है। कंपनी को करीब 20 करोड़ रुपये दिए जाएंगे। इस कंपनी का चयन विधानसभा चुनाव के दौरान कर लिया था,आचार संहिता हटने के बाद इस कंपनी को डिजाइन तैयार करने का कार्य सौंप दिया है। इसके साथ ही अब ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो का निर्माण रफ्तार पकड़ेगा। 28.5 किलोमीटर लंबी ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो में 27 एलिवेटिड स्टेशन के डिजाइन के साथ-साथ यह कंपनी वायाडक्ट, विशेष स्पैन, फुटओवर ब्रिज (एफओबी), पुलिया का विस्तृत संरचनात्मक डिजाइन प्रदान करेगी। 16 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मेट्रो निर्माण की आधारशिला रखी थी। इसके निर्माण पर करीब 5452 करोड़ रुपये की लागत आएगी। मिलेनियम सिटी सेंटर मेट्रो स्टेशन से यह मेट्रो शुरू होगी, जो ओल्ड गुरुग्राम होते हुए साइबर सिटी में जाएगी। मेट्रो को 80 किलोमीटर प्रति घंटे के हिसाब से डिजाइन किया जाएगा। इसकी औसत गति 34 किलोमीटर प्रति घंटा रहेगी। निर्माण लागत में से 896.19 करोड़ रुपये केंद्र सरकार का हिस्सा होगा। हरियाणा सरकार 1432.49 करोड़ रुपये खर्च होगी। स्थानीय निकायों का योगदान 300 करोड़ रुपये होगा। आवास एवं शहरी मंत्रालय के अनुमान के मुताबिक मेट्रो की अनुमानित सवारियां 5.34 लाख होंगी। साल 2031 में यह बढ़कर 7.26 लाख हो जाएंगी। 2041 में 8.81 लाख, साल 2051 में 10.70 लाख होने का अनुमान है। मेट्रो योजना के तहत 13 किलोमीटर तक भू तकनीकी सर्वेक्षण पूरा हो चुका है। मिलेनियम सिटी सेंटर मेट्रो स्टेशन से लेकर सेक्टर-नौ तक हर 30 मीटर में यह सर्वेक्षण हुआ है। बचे हिस्से में भू तकनीकी सर्वेक्षण जल्द करवाया जाएगा। ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो के तहत सेक्टर-33 में मेट्रो डिपो का निर्माण किया जाएगा। सेक्टर-101 में मेट्रो डिपो बनाने की योजना थी, लेकिन यह क्षेत्र काफी नीचा है। बारिश के मौसम में यहां पानी भर जाता है। भूजलस्तर पर ऊपर है। इसके चलते मेट्रो डिपो के निर्माण की योजना में बदलाव हुआ है। हीरो होंडा चौक के समीप स्थित सेक्टर-33 की मार्बल मार्केट में डिपो बनाया जाएगा।

अभियान के तहत बड़ी संख्या में लोग भाजपा से जुड़ रहे

नोएडा, एजेंसी। भाजपा का सदस्यता अभियान लगातार जारी है। इस सदस्यता अभियान में नोएडा में बड़ी संख्या में लोग भाजपा के सदस्य बन रहे हैं। सदस्यता अभियान में प्रदेश में पहले नंबर पर चल रही नोएडा विधानसभा अब देश में पहले नंबर पर आने की तैयारी में जुटी है। महानगर अध्यक्ष का दावा है कि दीवाली तक वह नोएडा विधानसभा को देश में पहले नंबर पर लेकर आएंगे। नोएडा महानगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता ने बताया कि अभी तक दो लाख से अधिक पार्टी के सदस्य बनवाए जा चुके हैं। इस संख्या के साथ वह प्रदेश में सबसे अधिक सदस्य बनाकर नोएडा विधानसभा पहले नंबर पर है, देश में नोएडा विधानसभा का सातवां नंबर है। उनका प्रयास है कि दीवाली से पहले वह नोएडा विधानसभा को पहले नंबर पर लायें। इसके लिए लगातार कैंप लगा कर लोगों को भाजपा का सदस्य बनने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। नोएडा महानगर अध्यक्ष ने बताया कि सदस्यता अभियान के तहत संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकताओं की ओर से रोज 40 स्थानों पर कैंप लगाए जाते हैं। यह कैंप सेक्टर, सोसाइटियों, औद्योगिक क्षेत्र तथा मेट्रो स्टेशनों के बाहर लगते हैं। जहां पर लोगों को भाजपा की नीतियों और कार्यों के बारे में जानकारी देते हुए सदस्य बनने के लिए प्रेरित किया जाता है। इसके सार्थक परिणाम सामने आ रहे हैं। इन कैंपों में लोग भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर रहे हैं।

हरियाणा को नंबर वन राज्य बनाने का सरकार करेगी प्रयास : राजेश नागर

फरीदाबाद, एजेंसी। हरियाणा के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) राजेश नागर का आज रविवार को बदरपुर बॉर्डर पहुंचने पर भाजपा कार्यकताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। स्वागत रोड शो बदरपुर बॉर्डर से होते हुए सराय मार्किट, गांव एतमादपुर, वजीरपुर स्थितड्रीम लैंड 24 वैंक्वेट हाल, भतौला, फरीदपुर, सदपुरा और तिगांव पंहुचा जगह जगह आमजन द्वारा फूल मालाओं और पुष्प वर्षा द्वारा राज्य मंत्री राजेश नागर का स्वागत किया। राज्यमंत्री राजेश नागर ने प्रदेश वासियों का तीसरी बार भाजपा सरकार बनाने पर आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आमजन ने जो विशवास भाजपा सरकार में दिखाया है उस विश्वास पर मैं हमेशा खरा उतरूंगा। उन्होंने कहा कि जो भी विकास कार्य रह गए है उन पर जल्द से जल्द कार्य शुरू करवा दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों को अतिशीघ्र कराने के लिए अधिकारियों के साथ मीटिंग तय कर दी गयी है और जो भी अधिकारी समयानुसार कार्य नहीं करेगा उस पर सख्त कार्यवाही की जाएगी। राज्य मंत्री राजेश नागर ने कहा कि प्रदेश सरकार विकसित और मॉर्डन हरियाणा के विजन को लेकर एक रोडमैप तैयार करेगी। इसके लिए प्रदेश के हर नागरिक को साथ लेकर कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार पारदर्शिता और ईमानदारी तथा नेक नीति को लेकर हर वर्ग के लिए जनकल्याणकारी नीतियां लागू करेगी।

दो साल के बच्चे संग लापता हुई महिला प्रेमी के साथ बेंगलुरू में मिली

नोएडा, एजेंसी। गांव बिशनपुरा में पति के साथ किराए के घर में रहने वाली महिला दो वर्षीय बच्चे को लेकर एक सप्ताह पूर्व लापता हो गई। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर महिला को खोजना शुरू किया तो प्रेमी के साथ बेंगलुरू में मिली। महिला ने पति पर कई आरोप लगाए और पति के साथ न जाकर माता-पिता के साथ चली गई। थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि मूलरूप से बिहार के जिला दरभंगा के रहने वाले व्यक्ति ने एक सप्ताह पूर्व गुमशुदगी दर्ज कराई थी। उनका कहना है कि वह एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी करते हैं। 14 अक्तूबर की शाम घर लौटे तो पत्नी और दो वर्षीय बच्चा घर पर नहीं था। घर पर रखे जेवरात और रुपये भी नहीं थे। पुलिस ने खोजबीन शुरू की तो मोबाइल फोन की लोकेशन बेंगलुरू में मिली।

घरेलू सहायिका की मौत पर हंगामा, फ्लैट मालिक पर केस

नोएडा, एजेंसी। जेपी कॉसमॉस सोसाइटी में घरेलू सहायिका की मौत के मामले में रविवार सुबह जमकर हंगामा हुआ। फ्लैट मालिक की गिरफ्तारी की मांग को लेकर कई घरेलू सहायिकाएं सोसाइटी की गेट के बाहर जमा हो गईं। पुलिस ने समझा बुझाकर करीब तीन घंटे बाद उन्हें शांत किया। इस मामले में फ्लैट के मालिक के खिलाफ भी केस दर्ज किया गया है। पुलिस के मुताबिक बदायूं की स्वाति कुमारी सेक्टर-134 स्थित स्थित जेपी कॉसमॉस सोसाइटी में फ्लैट नंबर 1105 में शनिवार दोपहर काम कर रही थीं। इस दौरान 11वीं मंजिल बालकनी से नीचे गिरकर उनकी मौत हो गई। शुरू में पुलिस मामले को आत्महत्या की नजर से देख रही थी। जबकि, मृतका के परिजन उसे धक्का देकर गिराने का आरोप लगा रहे थे। रविवार सुबह आठ बजे फ्लैट मालिक की गिरफ्तारी की मांग को लेकर करीब 20 महिलाएं सोसाइटी की गेट पर पहुंचीं। आधे घंटे में घरेलू सहायिकाओं की संख्या सौ के करीब पहुंच गई। सभी महिलाएं एक्सप्रेसवे थानाक्षेत्र स्थित अलग-अलग सोसाइटी में काम करने वाली थीं। महिलाओं के परिवार के अन्य लोग भी मौके पर पहुंच गए। आरोपी के खिलाफ केस दर्ज करने और उसकी गिरफ्तारी की मांग को लेकर घरेलू सहायिकाओं ने हंगामा करना शुरू कर दिया। सोसाइटी के लोगों ने इसकी सूचना एक्सप्रेसवे थाने की पुलिस को दी। पुलिसकर्मी हंगामे को शांत कराने का प्रयास करने लगे, तभी कुछ घरेलू सहायिकाओं और उनके परिवार के लोगों ने पुलिसकर्मियों से बदसलूकी और धक्कामुक्की शुरू कर दी। आरोप है कि महिलाओं ने पथराव भी किया। हालांकि पुलिस ने किसी तरह मामले को शांत किया। करीब तीन घंटे बाद परिजन शव को बदायूं ले जाने के लिए राजी हुए। पुलिस ने इस मामले में सोसाइटी की 11वीं मंजिल स्थित एक फ्लैट के मालिक श्रेयांश कुमार के खिलाफ केस दर्ज किया है।

एक नजर

तेज रफ्तार कार की टक्कर से युवक घायल

नोएडा, एजेंसी। हिट एंड रन मामले में कार से टक्कर मारकर युवक को घायल करने वाली महिला चालक के खिलाफ सेक्टर-49 थाने में केस दर्ज हुआ है। घायल युवक का एक निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है। पुलिस को दी शिकायत में सेक्टर-45 निवासी अवधेश सिंह ने बताया कि बीते दिनों उनका बेटा नितेश कुमार डी ब्लॉक में सड़क के किनारे रात साढ़े 12 बजे के करीब खड़ा था। इसी दौरान पीछे से हरियाणा नंबर की एक तेज रफ्तार कार आई और नितेश को टक्कर मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया।

कार एक महिला चला रही थी। हादसे के बाद महिला ने पीछे मुड़कर भी नहीं देखा और कार समेत फरार हो गई। राहगीरों ने जब युवक को सड़क पर तड़पता देखा तो उसे उपचार के लिए नजदीक के अस्पताल में भर्ती कराया। युवक के पैर की हड्डी टूट गई है। सिर समेत शरीर के अन्य हिस्से में भी चोट आई है। उसका एक निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है। कार और महिला चालक की पहचान के लिए पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाल रही है।

फरीदाबाद में पराली जलाने पर प्रतिबंध, जलाने पर लगेगा जुमार्ना

फरीदाबाद, एजेंसी। दिल्ली एनसीआर में वातावरण की खराब गुणवत्ता के चलते सर्वोच्च न्यायालय, भारत के निर्देश पर माननीय उच्च न्यायालय, पंजाब और हरियाणा के द्वारा पराली जलाने पर रोक लगाई हुई है। जिसके चलते जिला फरीदाबाद में पराली जलाने पर पूर्णतया प्रतिबंध है। पुलिस प्रवक्ता ने रविवार को बताया कि पराली जलाने के मामले में पुलिस उपायुक्त यातायात ऊषा को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। वातावरण के प्रदूषण को देखते हुए मुख्य सचिव हरियाणा सरकार के निर्देश के अंतर्गत पराली जलाने पर पूर्णतयाः प्रतिबंध है। स्वास्थ विभाग के अनुसार प्रदूषण से सांस लेने में कठिनाई, ऑखों में जलन, बुखार, खाज, खुजली इत्यादी बीमारी होने की सम्भावना बढ़ जाती है। आमजन से अपील है कि पराली ना जलायें, स्वस्थ जीवन के लिए सहयोग करें, अगर कोई पराली जलता हुआ पाया जाता है तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

स्कूल के बाहर दो छात्राओं में मारपीट

नोएडा, एजेंसी। स्कूल के बाहर दो छात्राओं के बीच जमकर मारपीट हुई। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। यह वीडियो नोएडा के सेक्टर-11 स्थित एक प्राइवेट स्कूल के बाहर का है। वीडियो कब का है और छात्राओं में किस बात को लेकर मारपीट हुई, यह अभी स्पष्ट नहीं हुआ है। पुलिस वायरल वीडियो की जांच में जुटी है। वायरल हो रहे 30 सेकेंड के वीडियो में दो छात्राएं एक दूसरे को कसकर पड़े हुए हैं।

मौके पर 100 से अधिक छात्र और छात्राएं स्कूल बैग लिए हुए यूनिफॉर्म में दिखाई दे रहे हैं। एक छात्रा ने ऑरेंज कलर की और दूसरी ने येलो कलर की टीशर्ट पहन हुई है। दोनों छात्राओं के बीच हाथापाई शुरू हो जाती है। एक दूसरे पर घूंसे और थप्पड़ से बौछार करना शुरू कर देती हैं। तीन-चार छात्राएं दोनों के बीच हो रहे झगड़े को शांत करने का प्रयास करती हैं। हाथापाई करते हुए दोनों छात्राएं जमीन पर गिर पड़ती हैं और एक दूसरे के बाल पकड़कर घूंसे व थप्पड़ मारना शुरू कर देती हैं। इसी बीच कुछ लोग मोबाइल से दोनों के बीच हो रही मारपीट का वीडियो बना लेते हैं। एडीसीपी मनीष कुमार मिश्र का कहना है कि वीडियो कहां का है और कब का है, इसकी जांच कराई जा रही है। इस संबंध में पुलिस को कोई शिकायत नहीं मिली है।

यातायात नियम तोडे वालों 24000 से अधिक लोगों के काटे चालान

गुरुग्राम, एजेंसी। यातायात के नियम तोडे वाले वाहन चालकों पर गुरुग्राम यातायात पुलिस सख्त है। पुलिस लगातार ऐसे वाहन चालकों पर शिकंजा कस रही है। यातायात पुलिस ने यातायात के नियत तोडे वाले लोगों के एक महीने में 24000 से अधिक चालान काटे हैं। एक सितंबर से 30 सितंबर 2024 तक ये चालान काटे गए। एक महीने तक बिना हेलमेट और खतरनाक तरीके से ड्राइविंग नियमों की उल्लंघना करने वाले वाहन चालकों पर अंकुश लगाने के लिए गुरुग्राम पुलिस द्वारा स्पेशल अभियान चलाया गया। पुलिस द्वारा सितंबर महीने में कुल 24075 चलान किए। जिसमें बिना हेल्मेट के 23687 चालान किए गए। जिनकी जुमार्ना राशि 2 करोड़ 27 लाख 2000 रुपए है। खतरनाक ड्राइविंग के 388 चालान किए गए, जिनकी कुल जुमार्ना राशि 20 लाख 10 हजार रुपए हैं। इस दौरान कुल 24075 चालान किए गए । जिनकी कुल कीमत 2 करोड़ 47 लाख 12 हजार रुपए हैं। गुरुग्राम पुलिस का मकसद गुरुग्राम की सडकों को सुरक्षित बनाकर होने वाले सडक हादसों को रोकना है।

महाकुंभ 2025 के दौरान कोई भी श्रद्धालु नहीं सोएगा भूखा

मुफ्त राशन उपलब्ध कराएगी योगी सरकार

प्रयागराज, एजेंसी। प्रयागराज में होने जा रहे महाकुंभ 2025 के दौरान यहां आने वाला कोई भी श्रद्धालु, कल्पवासी भूखे पेट नहीं सोएगा। योगी सरकार की ओर से इसके लिए मेला क्षेत्र में व्यापक तैयारियां की गई हैं। पूरे मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं के लिए भंडारों का तो आयोजन किया ही जाएगा, साथ ही उन्हें मुफ्त राशन की सुविधा का भी लाभ मिलेगा। कई-कई दिनों तक महाकुंभ में रहने वाले कल्पवासियों और श्रद्धालुओं के राशन कार्ड बनाए जाएंगे और उन्हें राशन की सुविधा प्राप्त होगी। पहले से राशन कार्ड धारण करने वालों को भी राशन कार्ड दिखाने पर राशन प्रदान किया जाएगा।

इसके लिए खाद्य एवं रसद विभाग द्वारा पूरे मेला क्षेत्र के सभी सेक्टर्स में कुल 160 उचित दर वाली राशन की दुकानों की स्थापना की जाएगी, जहां से दो बार (जनवरी-फरवरी) में राशन प्रदान किया जाएगा। राशन के भंडारण के लिए 5 गोदाम भी स्थापित होंगे। इस पूरी परियोजना पर 43 करोड़ से ज्यादा की धनराशि खर्च की जाएगी।

एडीएम मेला, विवेक चतुवेर्दी के अनुसार महाकुंभ के दौरान कई ऐसे श्रद्धालु आते हैं, जो कई-कई दिनों तक मेला में प्रवास करते हैं। इन्हें कल्पवासी कहा जाता है। ये अपना भोजन स्वयं पकाते हैं। इनकी सुविधा के लिए खाद्य एवं रसद विभाग की ओर से पूरे मेला क्षेत्र के सभी सेक्टर्स में उचित दर वाली कुल 160 राशन की दुकानें स्थापित की जा रही हैं। जहां न सिर्फ इनका राशन कार्ड बनाया जाएगा, बल्कि इन्हें राशन की सुविधा भी प्रदान की जाएगी। जिनके पास पहले से ही राशन कार्ड है, उन्हें भी सुविधा प्राप्त होगी। यह सुविधा दो बार यानी जनवरी और फरवरी 2025 में उपलब्ध कराई जाएगी। राशन की कमी न हो, इसके लिए मेला क्षेत्र के अंदर ही 5 गोडाउन भी स्थापित किए जा रहे हैं।

परियोजना के अनुसार कल्पवासियों एवं श्रद्धालुओं को खाद्यान्न, चीनी एवं रसोई गैस उपलब्ध कराए जाएंगे। एलपीजी सिलेंडरों की बिक्री के लिए अलग से आउटलेट्स लगाए जाएंगे। 10 लाख स्थायी आबादी के अतिरिक्त अस्थायी आबादी के भोजन के लिए भंडारों का आयोजन किया जाएगा, जहां प्रतिदिन राशन की आपूर्ति की जाएगी। एक अनुमान के अनुसार, दो माह में तकरीबन 2 लाख राशन कार्ड की आवश्यकता होगी। खास बात ये भी होगी कि इस सुविधा का लाभ बड़े अखाड़ों और शिविरों में रहने वाले श्रद्धालुओं और कल्पवासियों को भी मिलेगा।

श्रद्धालुओं को मिल सकती है स्लीपिंग पॉड्स की सुविधा

प्रयागराज, एजेंसी। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार प्रयागराज महाकुंभ आने वाले श्रद्धालुओं के लिए विश्वस्तरीय सुविधाएं प्रदान कर रही है। शहर के अतिरिक्त कुंभ क्षेत्र में आगंतुकों के ठहरने के लिए टेंट सिटी का निर्माण किया जा रहा है।

टेंट सिटी के साथ ही पहली बार अत्याधुनिक स्लीपिंग पॉड्स की सुविधा प्रदान किए जाने पर विचार किया जा रहा है। पर्यटन विभाग ने इसके लिए रोड मैप तैयार कर लिया है। यदि सब कुछ सही रहता है तो इस बार श्रद्धालुओं को स्लीपिंग पॉड्स की सुविधा प्रदान की जा सकती है। प्रयागराज के जंक्शन रेलवे स्टेशन में स्लीपिंग पॉड की सुविधा प्रदान करने के बाद अब कुंभ क्षेत्र में भी श्रद्धालु और पर्यटक विश्वस्तरीय सुविधाओं वाले स्लीपिंग पॉड्स का आनंद उठा सकेंगे।

प्रयागराज की क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अपराजिता सिंह का कहना है कि कुंभ क्षेत्र में श्रद्धालुओं के लिए परेड ग्राउंड में परंपरागत टेंट सिटी का निर्माण किया जा रहा है। इसके अलावा अरैल और झूंसी में भी पीपीपी मोड पर लग्जरी सुविधाओं वाली दो टेंट सिटी बसाई जा रही हैं। टेंट सिटी को लेकर पर्यटकों और श्रद्धालुओं का अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है।

क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी के मुताबिक अरैल में 2,000 टेंट की क्षमता वाली टेंट सिटी में अभी 1,600 टेंट की बुकिंग हो चुकी है। इसमें झूंसी में प्रस्तावित दूसरी टेंट सिटी में 400 स्लीपिंग पॉड्स बनाने का रोड मैप तैयार कर लिया गया है। स्लीपिंग पॉड्स बनाने के लिए टेंडर प्रक्रियाधीन है।

उनका कहना है कि पीपीपी मोड पर इनका निर्माण कराने की योजना है। इसके लिए वेंडर्स के प्रस्ताव आए हैं। लेकिन, सेफ्टी के सभी मानकों को सुनिश्चित कराने के बाद ही इसे अंतिम रूप दिया जाएगा। त्रिवेणी के तट पर बनने वाले इन स्लीपिंग पॉड्स में सभी मानकों को पूरा करते हुए सभी लग्जरी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

स्लीपिंग पॉड्स एक कैप्सूल आकार के चैंबर होंगे, जो सभी आधुनिक सुविधाओं से युक्त होंगे। श्रद्धालुओं की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए पॉड तैयार किए जाते हैं। पॉड में यात्री के आराम से सोने के साथ ही अपने आवश्यक कार्यों को भी पूरा करने की सभी सुविधाएं होती हैं।

पूरी तरह वातानुकूलित इन पॉड में चार्जिंग और पेयजल की सुविधा भी होती है। पॉड की सुविधा लेने वाले यात्रियों को क्लॉक रूम, रिसेप्शन बूथ, वाशरूम या टॉयलेट और हाउस पेंट्री की सुविधा भी प्रदान की जाती है। इसके लिए ऑफलाइन और ऑनलाइन बुकिंग की सुविधा भी प्रदान की जा सकती है।

परियोजना के तहत राशन कार्ड धारक को 3 किलो प्रति व्यक्ति के हिसाब से गेहूं/आटा प्रदान किया जाता है, जबकि प्रति व्यक्ति 2 किलो चावल (फोर्टिफाइड) की आपूर्ति होगी। इसी तरह 2 किलो चीनी (प्रति व्यक्ति), 2 लीटर मिट्टी का तेल (प्रति राशन कार्ड) और एक घरेलू गैस कनेक्शन प्रदान किया जाता है। साथ ही, गैस कनेक्शन को एक बार रीफिल कराने की भी सुविधा मिल सकती है।

हत्या के मामले में दोषी ठहराए गए तीन सगे भाइयों समेत पांच को आजीवन कारावास

बलिया (उप्र), एजेंसी। बलिया जिले की एक अदालत ने चुनावी रंजिश के चलते एक व्यक्ति की हत्या के नौ वर्ष पुराने मामले में तीन सगे भाइयों समेत पांच लोगों को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

पुलिस अधीक्षक (एसपी) विक्रांत वीर ने रविवार को बताया कि अपर जिला जज राम कृपाल की अदालत ने शनिवार को मुकदमे की सुनवाई करते हुए दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद रमेश यादव, जनार्दन यादव और सुरेश यादव (तीनों सगे भाई) के साथ ही अनिल यादव और राम विलास को आजीवन कारावास और प्रत्येक को 18,500 रुपये के जुमार्ने की सजा सुनाई है।

अभियोजन पक्ष के अनुसार जिले के नरही थाना क्षेत्र के रामगढ़ गांव में 17 अक्टूबर 2015 को पंचायत चुनाव में एक प्रत्याशी के समर्थन करने को लेकर रामनाथ यादव और कान्ता यादव को गोली मारी गई, जिसमें रामनाथ यादव की मौत हो गई।

इसके अनुसार इस मामले में राजेश यादव की तहरीर पर रमेश यादव, जनार्दन यादव और सुरेश यादव के साथ-साथ अनिल यादव तथा रामविलास के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की हत्या समेत अन्य संबंधित धाराओं में नामजद मुकदमा दर्ज किया गया।

पुलिस ने जांच पूरी करने के बाद सभी आरोपियों के खिलाफ अदालत में आरोपपत्र दाखिल किया और अदालत ने सुनवाई पूरी करने के बाद शनिवार को फैसला सुनाया।

शादी के अगले ही दिन बेटी की हत्या करने के आरोपी पिता समेत पांच दोषियों को उम्रकैद की सजा

बरेली, (उप्र), एजेंसी। बरेली की एक विशेष अदालत ने एक युवती की शादी के अगले ही दिन उसकी हत्या करने के सालभर पुराने मामले में आरोपी उसके पिता और रिश्तेदारों समेत पांच लोगों को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई और 40-40 हजार रुपये जुमार्ना लगाया।

अपर जिला एवं शासकीय अधिवक्ता (एडीजीसी) हरेन्द्र सिंह राठौर ने बताया कि विशेष न्यायाधीश (त्वरित अदालत) अशोक कुमार यादव की अदालत ने अभियुक्त तोताराम, दिनेश, छेदालाल, पप्पू और खूबकरन उर्फ दोदी को दोषी करार देते हुए प्रत्येक को आजीवन कारावास व 40-40 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया गया। अर्थदंड अदा न करने पर छह-छह माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

पुलिस अधीक्षक नगर मानुष पारीक ने घटना के संदर्भ में बताया कि बरेली जिले के शाही थाना इलाके के दाडा निवासी तोताराम ने अपनी बेटी मुन्नी की शादी 22 अप्रैल 2023 को बरेली के ग्राम भगवानपुर निवासी देवेन्द्र (22) के साथ की थी, लेकिन वह इस शादी से राजी नहीं थी।

मुन्नी गांव के ही अजय सिंह नामक युवक से शादी करना चाहती थी जिसके कारण उसने अपनी शादी के अगले ही दिन ससुराल में झगड़ा किया।

शादी के दूसरे दिन ही ससुराल वालों की सूचना पर तोताराम अपनी लड़की मुन्नी को ससुराल से विदा कराकर अपने साथ घर लाए। इसके बाद उन्होंने अपने नातेदारों के साथ मिलकर उसके ऊपर तेजाब डालकर उसे मारने की कोशिश की। तेजाब फेंके जाने से युवती झुलस गई और ईलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गयी।

इस संबंध में थाना फतेहगंज पश्चिमी पर 25 अप्रैल 2023 को संबंधित धाराओं में तोताराम और उसके दो दामाद समेत पांच लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। पुलिस ने विवेचना पूरी कर अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया और सुनवाई पूरी कर शनिवार को अदालत ने सजा सुनाई।

उत्तर प्रदेश में सपा के सहारे चल रही है कांग्रेस : बृजभूषण शरण सिंह

गोंडा (उत्तर प्रदेश), एजेंसी। उत्तर प्रदेश में होने वाले उपचुनाव को लेकर सियासत तेज हो गई है। इस बीच भाजपा नेता बृजभूषण शरण सिंह ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी सिर्फ 'बैसाखी' के सहारे चल रही है।

बृजभूषण शरण सिंह ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के बीच उपचुनाव में सीट बंटवारे पर तंज कसा। उन्होंने कहा, 'उत्तर प्रदेश में कांग्रेस पार्टी पूरी तरह से बैसाखी पर खड़ी है। अखिलेश की बैसाखी अगर हट जाए तो कांग्रेस को पता चल जाएगा कि उनकी औकात क्या है। यहां तक की कांग्रेस को लोकसभा चुनाव में जो जीत मिली है, वह समाजवादी पार्टी के कारण

ही मिल पाई है। उत्तर प्रदेश में उसकी कोई हैसियत नहीं है, जिस दिन अलग होंगे तो उन्हें पता लग जाएगा कि उनकी हैसियत क्या है।'

भाजपा नेता ने राहुल गांधी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा, 'राहुल गांधी स्वयं नहीं चाहते हैं कि वह प्रधानमंत्री बनें, इसलिए वह कभी-कभार कुछ बयान दे देते हैं। उनको खुद नहीं पता है कि उन्हें किस रास्ते जाना है।'

ज्ञात हो कि उत्तर प्रदेश की नौ विधानसभा सीटों के लिए उपचुनावों की तारीखों का ऐलान हो चुका है। मतदान 13 नवंबर को है, जबकि 23 नवंबर को परिणाम आएंगे। नामांकन की प्रक्रिया 18 अक्टूबर को शुरू हो चुकी है और 25 अक्टूबर तक जारी रहेगी।

चुनाव आयोग ने उत्तर प्रदेश की 10 खाली विधानसभा सीटों में से नौ के लिए चुनावी कार्यक्रम तय किया है। मिल्कीपुर की सीट को लेकर हाई कोर्ट में याचिका लंबित होने की वजह से यहां के लिए चुनाव की तारीखें तय नहीं हुई हैं। बाकी सीटों पर 13 नवंबर को चुनाव होना है। सपा ने नौ अक्टूबर को ही मिल्कीपुर के साथ करहल, सीसामऊ, फूलपुर, कटेहरी और मझवां सीटों के लिए प्रत्याशी घोषित कर चुकी है।

अमेठी में मारुति वैन और ई-रिक्शा की टक्कर में युवक की मौत

अमेठी (उप्र), एजेंसी। अमेठी जिले के मुसाफिरखाना थाना क्षेत्र में मारुति वैन व ई-रिक्शा में आमने-सामने की टक्कर में एक युवक की मौत हो गयी। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, मुसाफिरखाना निवासी ई-रिक्शा चालक धर्मेंद्र कुमार (28) को सुलतानपुर-लखनऊ राजमार्ग पर चंदापुर गांव के पास सामने से आ रही मारुति वैन ने शनिवार की रात टक्कर मार दी। पुलिस ने बताया कि ई-रिक्शा चालक की मौके पर ही मौत हो गयी।

थाना मुसाफिरखाना के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) विवेक सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर विधिक कार्यवाही की जा रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस ने मारुति वैन को कब्जे में ले लिया है।

धर्म विशेष के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी से नाराज लोगों का प्रदर्शन, 700 के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

मुजफ्फरनगर (उप्र), एजेंसी। मुजफ्फरनगर जिले के बुढ़ाना कस्बे में सोशल मीडिया पर पोस्ट की गई एक धर्म विशेष के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी से नाराज लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया।

पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि मामले में करीब 500 से 700 लोगों के खिलाफ आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन और निषेधाज्ञा के उल्लंघन का मामला दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार शनिवार रात हंगामा उस समय शुरू हुआ जब एक युवक निखिल त्यागी द्वारा सोशल मीडिया पर एक धर्म विशेष (इस्लाम) के खिलाफ की गई टिप्पणी पर उसे गिरफ्तार किया गया, लेकिन इस बीच यह अफवाह फैल गयी कि पुलिस ने

उसे छोड़ दिया।

उन्होंने बताया कि बताया कि इस बात से गुस्साए लोग इकट्ठा हो गए और बुढ़ाना कस्बे में प्रदर्शन करते हुए कांधला मार्ग जाम कर दिया। पुलिस ने समझा-बुझा कर जाम समाप्त कराया।

पुलिस ने बुढ़ाना कस्बे में फ्लैग मार्च किया और इलाके में सुरक्षा कड़ी कर दी।

पुलिस ने बताया कि एहतियातन कस्बे में अतिरिक्त बल तैनात किया गया है।

पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) आदित्य बंसल ने संवाददाताओं से कहा कि पुलिस ने विशेष धर्म के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने संबंध में जमीयत उलमा ए हिंद के शहर अध्यक्ष मुफ्ती नाजेर अहमद की शिकायत पर आरोपी निखिल त्यागी के खिलाफ मामला दर्ज किया है और उसे गिरफ्तार कर लिया।

बंसल ने बताया कि आरोपी के छोड़ दिये जाने की अफवाह पर नाराज लोगों ने प्रदर्शन किया।

उन्होंने बताया कि अधिकारियों ने उन्हें बताया कि आरोपी गिरफ्त में है जिसके बाद प्रदर्शनकारियों को हटा दिया गया।

पुलिस और प्रशासनिक के वरिष्ठ अधिकारियों ने लोगों से शांति और सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखने की अपील की है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अभिषेक सिंह ने संवाददाताओं को बताया कि 500 से 700 प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दो मामले दर्ज किए हैं, जिन्होंने सड़क जाम कर आपत्तिजनक नारे लगाए, अफवाह फैलाई और गिरफ्तार आरोपी निखिल त्यागी की दुकान पर पथराव किया।

उन्होंने बताया कि पुलिस ने तीन मामले दर्ज किए हैं, जिनमें एक निखिल त्यागी के खिलाफ और दो प्रदर्शनकारियों के खिलाफ है।

उन्होंने यह भी कहा कि मीरापुर विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव के कारण आदर्श आचार संहिता लागू है और जिले में निषेधाज्ञा लागू है।

एक नजर

बलिया में बच्ची से दुष्कर्म के आरोप में दो नाबालिग सुधार गृह भेजे गए

बलिया (उप्र), एजेंसी। बलिया शहर कोतवाली क्षेत्र में पांच वर्षीय बच्ची से कथित दुष्कर्म के मामले में दो नाबालिग लड़कों को बाल सुधार गृह में भेज दिया गया, जबकि छह साल के एक अन्य आरोपी को रिहा कर दिया गया। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। बलिया कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) योगेंद्र बहादुर सिंह ने रविवार को बताया कि मामले में शनिवार को पुलिस ने 13 और 16 साल की उम्र के दो किशोर अपराधियों को बलिया की किशोर अदालत में पेश किया, जिसने उन्हें मऊ के बाल सुधार गृह भेज दिया। सिंह ने कहा कि छह वर्षीय किशोर आरोपी को पुलिस ने रिहा कर दिया है। पुलिस ने बच्ची की मां द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर बताया कि बलिया शहर के कोतवाली क्षेत्र के एक मोहल्ले में शिकायतकर्ता के मकान में रह रहे दो किरायेदारों के तीन लड़कों ने बुधवार की शाम बच्ची से सामूहिक दुष्कर्म किया।

अधीक्षक विक्रांत वीर ने बताया था कि आरोपियों की उम्र छह वर्ष, 13 वर्ष और 16 वर्ष है। कोतवाली प्रभारी योगेंद्र बहादुर सिंह ने शनिवार को बताया कि बच्ची की मां की तहरीर पर शुक्रवार रात आरोपियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत नामजद मुकदमा दर्ज किया गया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस अधीक्षक ने फॉरेंसिक टीम के साथ घटनास्थल का मुआयना किया।

बलिया में खेत में मृत मिला युवक

बलिया (उप्र), एजेंसी। बलिया जिले में रविवार सुबह पानी से भरे धान के एक खेत में एक युवक का शव बरामद किया गया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि घटना नगरा थाना क्षेत्र के श्रीरामपुर नहर के समीप की है जहां पानी से भरे धान के खेत में पवन कुमार (25) का शव मिला। उन्होंने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस क्षेत्राधिकारी मोहम्मद फहीम कुरैशी सहित पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस क्षेत्राधिकारी ने बताया कि फॉरेंसिक टीम के साथ घटनास्थल का मौका मुआयना और निरीक्षण किया गया तथा शव को कब्जे में लिया गया है। उन्होंने बताया कि पुलिस विधिक कार्रवाई कर रही है।

जमीन को लेकर बेटे ने कर दी पिता की हत्या

उन्नाव। उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में रिश्तों को शर्मसार करने वाली एक घटना प्रकाश में आयी है जहां जमीन को लेकर एक बेटे ने अपने पिता की हत्या कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार उन्नाव जिले के अजगैन कोतवाली क्षेत्र के भांडी गांव में एक बेटे द्वारा जमीन को लेकर अपने पिता की हत्या कर दी गई है। अपर पुलिस अधीक्षक प्रेम चंद्र ने बताया भांडी गांव निवासी 92 वर्षीय शिवनारायण दीक्षित, जिनके पांच बेटे हैं, को उनके छोटे बेटे संदीप ने अपने हिस्से की जमीन के विवाद के चलते ईंट से वार कर मार डाला। उन्होंने बताया घटना के बाद संदीप ने पुलिस को सूचित किया और बड़े भाई पर हत्या का आरोप लगाया था। बताया पुलिस के मौके पर पहुंचने पर जांच में खुलासा हुआ कि संदीप ही हत्यारा है, जो खुद के भाई पर झूठा आरोप लगा रहा था। उन्होंने बताया आरोपी बेटा नशे का आदी है और अक्सर अपने पिता से विवाद करता था। आरोपी संदीप के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है, और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है।

संदीप के बड़े भाई सुनील ने बताया कि संदीप शराब का आदी है, इसी के चलते उसकी पत्नी उसे छोड़कर चली गई है। अक्सर वह पिता से जमीन और पैसे को लेकर विवाद करता था।

पुलिस हिरासत में हुई मौत मामले की होगी मजिस्ट्रियल जांच

जौनपुर। उत्तरप्रदेश के जौनपुर जिले में शाहगंज कोतवाली के अन्दर पुलिस की हिरासत में हुई मटरू विन्द पुत्र स्व सहदेव विन्द की मौत के मामले में अब जिलाधिकारी डॉ दिनेश चंद्र ने मजिस्ट्रियल जांच का आदेश दिये हैं और उसकी बेटी की जिम्मेदारी उठाने का जिम्मा जिला प्रशासन ने लिया है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार मटरू बिन्द पुत्र स्वर्गीय सहदेव बिन्द उम्र 50 वर्ष ग्राम बढ़ौना के मामले में पुलिस प्रशासन ने घटना के कई घन्टे बाद पुलिस अधीक्षक डॉ अजयपाल शर्मा ने मीडिया सेल के जरिए वीडियो जारी कर जो बयान जारी किया उसके अनुसार थाना शाहगंज की पुलिस कल यानी 18 अक्टूबर 24 की शाम को जमिल अहमद के साथ 35 हजार रुपए की टप्पेबाजी की शिकायत पर मटरू विन्द को थाने पर लाया गया था। आज 19 अक्टूबर की सुबह थाने के शौचालय में उसने खिड़की के जंगले से फांसी लगाकर आत्म हत्या कर ली । घटना के बाद मृतक की पत्नी को पुलिस थाने पर ले आयी और दिन में लगभग डेढ़ बजे के आसपास उससे तहरीर लेकर अन्य विधिक कार्यवाई की गई। घटना के कई घन्टे तक थाना परिसर पुलिस की छावनी में तब्दील रहा मृतक की पत्नी किसी से न तो बात कर सकी न ही मीडिया का कोई भी अन्दर प्रवेश कर सका । घटना के पश्चात जिलाधिकारी डॉ.दिनेश चंद्र थाने पर पहुंच कर मृतक की पत्नी और परिजनों सहित ग्राम प्रधान से वार्ता करके तथ्यों को अवगत कराते हुए उनको घटना के समय की सीसीटीवी भी दिखाया। उन्होंने उक्त घटना की निष्पक्ष जांच मजिस्ट्रियल जांच कराए जाने का आश्वासन परिजनों को दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि मृतक की बिटिया की जिम्मेदारी जिला प्रशासन की है तथा परिवार के इस दुख की घड़ी में जिला प्रशासन उनके साथ है।

शिक्षक की पत्नी ने किडनी देकर बचायी पति की जान

कुशीनगर। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में सुकरौली ब्लॉक के कंपोजिट विद्यालय बंगरा देउर में तैनात एक शिक्षक की पत्नी ने अपने पति का जीवन सुरक्षित करने के लिए खुद की परवाह न करते हुए अपनी किड़नी पति को दे दी और इस तरह से सती सावित्री से भी एक कदम आगे जाते हुए अपने सुहाग की रक्षा की।

पत्नी से मिले जीवनदान के बदौलत शिक्षक परिषदीय विद्यालय के गरीब बच्चों का भविष्य संवार रहे हैं। एक-एक किडनी पर जीवन की नैया पार करने वाले दोनों पति-पत्नी दिनचर्या में बदलाव कर डॉक्टरों की सलाह पर जीवन को आगे बढ़ा रहे हैं। इलाके में इसकी मिसाल दी जाती है।

खोट्टा गांव निवासी महेंद्र कुमार की शादी वर्ष 1994 में सुनीता के साथ हुई। पढाई में होनहार महेंद्र ने शादी के बाद तैयारी करके बीटीसी भर्ती में सफल हुए और 1997 में जिले के बेसिक शिक्षा विभाग में तमकुही ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय बरवां पट्टी में शिक्षक के पद पर तैनात हुये। महेंद्र 2006 में सुकरौली ब्लॉक के कंपोजिट स्कूल बंगरा देउर में प्रमोशन मिलने पर प्रधानाध्यापक के पद पर तैनात हैं। दोनों से तीन बच्चे भी हुये, लेकिन इनके जीवन में उस समय भूचाल आ गया, जब महेंद्र की तबियत यकायक वर्ष 2010 में खराब हुई। डॉक्टरों की टीम ने उन्हें बताया कि उनकी दोनों किडनी खराब हो गई है। बीमार होने पर लगातार डायलसिस कराना पड़ता था।

इससे पूरा परिवार परेशान था। इस दौरान उनके दूसरे बेटे को चोट लगने के कारण पैर में गंभीर चोट लगी। उसका इलाज गोरखपुर चल रहा था कि उसकी भी तबीयत यकायक ज्यादा खराब हो गई। इलाज के दौरान शिक्षक के पिता ने अपनी एक किडनी बेटे को देने का निर्णय लिया, लेकिन जांच में उनका मैच न होने पर पत्नी संगीता, पति को जीवनदान के लिए आगे आयी। पत्नी ने अपनी एक किडनी पति को देकर सती सावित्री की भूमिका निभाई।

एक नजर

मुजफ्फरपुर में बाढ़ की विभीषिका देख पीड़ित महिला का छलका दर्द

मुजफ्फरपुर,संवाददाता। मुजफ्फरपुर के औराई प्रखंड में आई बाढ़ ने किसानों की कमर तोड़ दी है। हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें एक महिला बाढ़ से तबाह हुए अपने खेत को देखकर बेहद दुखी है। वीडियो में महिला रोते हुए कह रही है कि उसने कर्ज लेकर खेती की थी, लेकिन बाढ़ ने सब बर्बाद कर दिया। नेपाल से पानी छोड़े जाने के बाद औराई प्रखंड में बागमती और लखनदेई नदियों का जलस्तर बढ़ गया था, जिससे सैकड़ों एकड़ में लगी फसलें बर्बाद हो गईं। जिला प्रशासन बाढ़ से हुए नुकसान का आकलन कर किसानों को मुआवजा देने की बात कह रहा है। वायरल वीडियो में महिला अपने खेत में जाकर फसल को देखती है और रोने लगती है। वह कहती है कि घरवाले उसे खेत में जाने से मना करते थे, लेकिन वह अपने खेत को देखने नहीं रोक पाई। खेत में लगे पानी को देखकर वह निराश हो जाती है और कहती है कि वह मर जाएगी। वीडियो बाढ़ पीड़ित किसानों की पीड़ा को बयां करता है। बाढ़ से किसानों को भारी नुकसान हुआ है और वे आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं।

बिहार विधानसभा उपचुनावः महागठबंधन के उम्मीदवारों की हुई घोषणा

□तीन सीटों पर राजद प्रत्याशी

पटना,संवाददाता। बिहार के चार विधानसभा सीटों पर 13 नवंबर को उपचुनाव मतदान होना है। बिहार के तरारी, रामगढ़, बेलागंज, इमामगंज विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होना है। इन सीटों पर नामांकन प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। 25 अक्टूबर को नामांकन प्रक्रिया की आखिरी तिथि है। ऐसे में सभी पार्टियां अपने अपने उम्मीदवारों की घोषणा करने में जुटी हुई है। इसी कड़ी में उपचुनाव के लिए महागठबंधन के प्रत्याशियों के नाम की घोषणा हो गई है। दरअसल, रविवार(20 अक्टूबर) को राजद के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश सिंह औ? वीआई के नेताओं की मौजूदगी में महागठबंधन के प्रत्याशियों का ऐलान हो गया है। जानकारी अनुसार रामगढ़ विधानसभा सीट से राजद प्रत्याशी अजीत कुमार सिंह चुनाव लड़ेंगे तो वहीं बेलागंज से राजद प्रत्याशी विश्वनाथ कुमार चुनाव लड़ेंगे। इमामगंज से राजद प्रत्याशी रोशन कुमार मांझी उर्फ राजेश मांझी चुनावी मैदान में उतरेंगे तो वहीं तरारी से सीपीआई एमएल राजू यादव चुनावी मैदान में उतरेंगे। राजद ने आज प्रेस कॉफ्रेंस कर इन नामों की घोषणा की है। बता दें कि 13 नवंबर को इन चार सीटों पर मतदान होना है। वहीं 23 नवंबर को घोषित होगा।

सच्चाई छुपाने को अब सरकारी स्कूलों में मीडिया पर ताला!

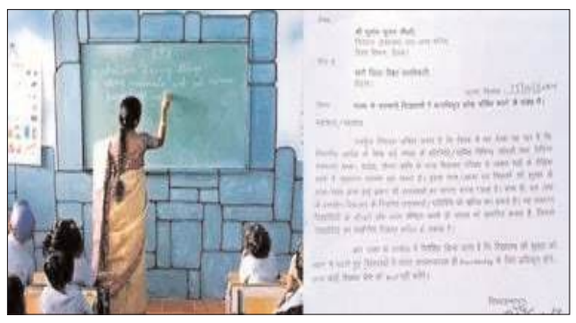

सीतामढ़ी,संवाददाता। शिक्षा विभाग ने फिर एक कथित विवादित आदेश जारी किया है। विभाग की ओर सरकारी स्कूलों में अनाधिकृत प्रवेश पर रोक लगा दिया है। इसकी खूब चर्चा होने लगी है। इस आशय से संबंधित विभागीय पत्र के आलोक में लोग तरह-तरह की टिप्पणी कर रहे है। विभाग निदेशक सुबोध कुमार चौधरी के स्तर से निर्गत निर्देश से डीईओ प्रमोद कुमार साहू ने सभी बीईओ और स्कूलों के प्रधान शिक्षकों को अवगत करा दिया है। यानी अब विशेष कर सोशल मीडिया से जुड़े पत्रकारों का स्कूलों में रिपोर्टिंग करना कठिन हो जायेगा। ध्यान रहे कि अक्सर सोशल मीडिया के रिपोर्टर विद्यालयों में पहुंच कर वहां की कमियों को उजगार करते रहे है। इस दौरान सवालों की बौछार से प्रधान शिक्षक और शिक्षक को कुछ बोलते नहीं बनती है। कई बार प्रधान और रिपोर्टर में विवाद भी हो जाता है। वहीं, विभाग को भी काफी असहज महसूस होना पड़ता है। लोगों का कहना है कि अपनी कमियों को छुपाने के लिए हर विभाग द्वारा तरह-तरह का कदम उठाया जाता है। शिक्षा विभाग ने कुछ इसी तरह का कदम उठाया है। इधर, विभागीय आदेश में मुख्य रूप से कहा है कि स्कूल के प्रधान शिक्षक ही किसी रिपोर्टर या व्यक्ति को कोई बयान-जानकारी देंगे। शिक्षकों के बयान देने पर सख्ती से रोक लगा दिया गया है। पत्र में निदेशक चौधरी ने कहा है कि हाल के महीनों में यह देखा गया है कि विभागीय आदेश के बिना कई संस्था के प्रतिनिधि-व्यक्ति विभिन्न उद्देश्यों से विभिन्न उपकरण- माइक-कैमरा के साथ विद्यालय परिसर में जाकर वहां के शैक्षिक कार्य में व्यवधान उत्पन्न कर देते हैं। इससे छात्र-छात्रा और शिक्षकों को सुरक्षा के साथ-साथ अन्य कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

साथ ही, इस तरह के हस्तक्षेप विद्यालय के नियमित पाठ्यचर्चा-गतिविधि को बाधित होने की सूचना मिलती है। यह व्यावधान विद्यार्थियों के सीखने और ध्यान केन्द्रित करने की क्षमता को प्रभावित करता है, जिससे बच्चों का सर्वांगीण विकास बाधित हो सकता है। निदेशक ने कहा है कि विद्यालय की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विद्यालयों में केवल प्रधान शिक्षक ही मीडिया को कोई जनजाति देने के लिए अधिकृत होंगे। कोई शिक्षक प्रेस को ब्रीफ नहीं करेंगे। डीईओ साहू ने कुछ माह पूर्व जारी आदेश में कहा था कि कतिपय मीडिया कर्मी-अन्य व्यक्ति सरकारी स्कूलों-शैक्षणिक संस्थानों में फोटो-वीडियो लेते रहते है। साथ ही स्कूल के कर्मियों से इंटरव्यू लेकर उसे सोशल मीडिया पर डालते है। तब विभाग को असहज महसूस होता है। बाद में जब फोटो-वीडियो के आधार पर जांच कराई जाती है, तो वस्तुस्थिति-वास्तविकता उक्त फोटो-वीडियो से भिन्न होती है। जारी पत्र में डीईओ ने यह भी लिखा था कि ऐसे मामले पर डीएम की ओर से अप्रसन्नता व्यक्त की गई थी। उन्होंने जिले के तमाम स्कूलों के प्रधान को पत्र भेजकर कहा था कि कोई भी मीडियाकर्मी-अन्य व्यक्ति बिना उनकी (डीईओ) अनुमति के किसी स्कूल में फोटो-वीडियो नहीं लेंगे और न ही किसी विद्यालय के बच्चों का साक्षात्कार लेंगे। अगर किसी प्रधान शिक्षक को फोटो-वीडियो लेने के संबंध शिकायत दर्ज करानी होगी, तो बीईओ-डीईओ से करेंगे, ताकि जांच के बाद अनुशासनिक कार्रवाई की जा सके। डीईओ का उक्त आदेश सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ था। हालांकि अगले दिन ही डीएम के आदेश पर डीईओ नेअपना उक्त आदेश वापस ले लिया गया था।

'टाइगर जिंदा है' से आरसीपी सिंह ने दिखाया जलवा

□नीतीश कुमार की बढ़ेंगी मुश्किलें? □बिहार में मिशन शुरू

पटना,दीपक कुमार तिवारी। आगामी बिहार विधान सभा चुनाव 2025 को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की परेशानियां बढ़ती ही जा रही हैं। वर्ष 2020 की 'जंग' में चुनावी परेशानी में डालने वाले लोजपा (आर) के अध्यक्ष चिराग पासवान भले उनके करीबी हो गए हैं, लेकिन वर्ष 2025 के चुनाव के लिए उनके राजनीतिक दुश्मन ने ताल ठोंक कर नई चुनौती दे डाली। नीतीश के ये राजनीतिक दुश्मन हैं पूर्व केंद्रीय मंत्री आर.सी.पी. सिंह, जिन्होंने अपनी नई पार्टी बनाने का ऐलान करके सबको चौंका दिया है। सबसे बड़ी परेशानी तो यह है कि आर.सी.पी. सिंह न केवल जनता दल यू के रणनीतिकार और संगठनकर्ता रहे हैं, साथ ही बिहार में जातीय राजनीति में प्रभावी जाति कुर्मी से भी आते हैं।

पूर्व केंद्रीय मंत्री आर.सी.पी. सिंह ने अपनी दहाड़ से राजनीतिक जगत को चौंका दिया। जाहिर है, यह चर्चा भी तेज थी कि उनकी राजनीतिक महत्वाकांक्षा अधूरी ही रह गई है। मगर इसकी पूर्ति के लिए पहले होम वर्क करेंगे। इनमें पहले चरण में करीबियों की सलाह लेंगे और फिर जनता के बीच जाएंगे। पहले चरण में आर.सी.पी. सिंह ने अपने लोगों से संपर्क किया। फिर गहरे मंथन के बाद इस महीने तीन दिवसीय बैठक में पार्टी बना कर चुनावी जंग में शामिल होने पर मुहर लगा दी। हालांकि इन पोस्टरों के साथ एक सवाल यह भी राजनीतिक गलियारों में गूंजने लगा है कि आखिर टाइगर जिंदा क्यों है? क्या कोई मिशन अधूरा रह गया? वैसे तो नीतीश कुमार की नाराजगी आर.सी.पी. सिंह की लेकर तभी से बढ़ गई थी, जब वे मोदी सरकार में मंत्री बन गए थे। लेकिन, उसका प्रकटीकरण तब हुआ, जब जदयू नेतृत्व ने आर.सी.पी. सिंह को पुनः राज्यसभा भेजने को लेकर हरी झंड़ी नहीं दिखाई। नाराज आर.सी.पी. सिंह ने अंततः जदयू से नाता तोड़ लिया और फिर कुछ दिन आत्ममंथन किया और फिर 11 मई 2023 को बीजेपी में शामिल हो गए थे। लेकिन, बीजेपी ने उन्हें कोई जिम्मेदारी नहीं दी। काफी इंतजार भी किया।

राजनीतिक गलियारों की बात करें तो आधिकारिक हनक रखने वाले आर.सी.पी. सिंह इस उपेक्षा को सह नहीं सके। हालांकि वे स्वयं कहते हैं कि बीजेपी में हमारी उपेक्षा नहीं हो रही है। भाजपा के शीर्ष नेता से अभी भी संबंध काफी अच्छे हैं। आरसीपी सिंह को 14 साल का सांगठनिक अनुभव है। मिली जानकारी के अनुसार, कितनी सीटों पर और कहां से लड़ेंगे, आरसीपी सिंह यह बिहार भ्रमण के बाद तय करेंगे। पर पिछले दिनों अपने आवास पर तीन दिवसीय बैठक में चुनाव लड़ने के इच्छुक 138 उम्मीदवारों से बातचीत की गई। उन्हें पहले अपने क्षेत्र में पंचायत स्तर तक संगठन खड़ा करने की जिम्मेदारी दी गई है। चुनाव से पहले वे राज्य के 243 विधान सभा सीटों का अध्ययन करेंगे और फिर उम्मीदवारी तय करेंगे। जेडीयू सांसद कौशलेंद्र ने आर.सी.पी. सिंह के पार्टी खड़ा करने पर प्रतिक्रिया देते कहा कि पार्टी बनाने का अधिकार सभी को है। पर आरसीपी सिंह कभी भी नीतीश कुमार नहीं बन सकते हैं। मुख्यमंत्री ने संघर्ष का रास्ता चुना और इन्हें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अधिकारी से राजनेता बनाया। आगामी विधानसभा चुनाव में इन्हें पता चल जाएगा कि बिहार में इनकी कितनी पहुंच है।

मुजफ्फरपुर में फेसबुक पर आपत्तिजनक पोस्ट के बाद जमकर हुआ बवाल

□मौके पर पुलिस के साथ लोगों ने किया नोंक-झोंक

मुजफ्फरपुर,संवाददाता। मुजफ्फरपुर में सड़क अवरुद्ध करने के बाद हुए बवाल को शांत करने पहुंचे पुलिसकर्मी के साथ स्थानीय लोगों के द्वारा नोक झोंक हुई है जिसके बाद मौके पर हड़कंप मच गया। मामले की सूचना प्राप्त होते ही मनियारी थाना प्रभारी मौके पर पहुंच मामले को शांत कराया। साथ ही कहा की पुलिस अधिकारी के साथ अभद्रता करने वाले किसी कीमत पर बक्शे नहीं जाएंगे। बता दे कि पूरा मामला मुजफ्फरपुर जिले के मनियारी थाना क्षेत्र के माधोपुर सुस्ता पंचायत के वार्ड संख्या एक का है। जहाँ बीते दिनों एक ही समुदाय के दो जाति के द्वारा फेसबुक पर आपत्तिजनक पोस्ट किया जा रहा था। जिसके बाद आज एक जातियों के द्वारा सड़क को अवरुद्ध कर दिया गया। जिससे नाराज होकर दूसरे जाति के लोगों के द्वारा हंगामा शुरू कर दिया गया।

इस बीच स्थानीय प्रतिनिधियों के द्वारा मामले को शांत करने की कोशिश की गई। लेकिन मामला शांत नहीं हुआ। जिसके बाद पूरे मामले की सूचना मनियारी थाने के पुलिस को दी गई। हंगामा की सूचना मिलते ही मनियारी थाने के एक महिला सब इंस्पेक्टर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची और मामले की जांच कर रही थी। इसी दौरान कुछ लोगों के द्वारा महिला पुलिस कर्मी के साथ नोक झोंक की गई। इसी बीच पूरे मामले की सूचना स्थानीय लोगों के द्वारा मनियारी थाना प्रभारी को दिया गया। मामले की सूचना प्राप्त होते ही तत्काल पुलिस बल के साथ थाना प्रभारी देवव्रत कुमार मौके पर पहुंच मामले की जांच की। जिसके बाद दोनों जातियों के लोगों को बैठ कर मामले को फिलहाल सुलझा लिया गया है और सड़क को खाली कर दिया गया है। इस मौके पर थाना अध्यक्ष ने बताया कि सड़क अवरुद्ध किए जाने की सूचना पर मनियारी थाना की पुलिस पहुंची थी और दोनो पक्षों के लोगों को बैठा कर आपसी सहमति से रास्ते को खाली कर लिया गया है। वहीं पुलिस के साथ हुए नोक झोंक के मामले को लेकर उन्होंने कहा कि मामले की जांच की जा रही है। मामले में जो दोषी होंगे वो फिर बक्शे नहीं जाएंगे।

ई-रिक्शा चलाते नाबालिग दिखे तो खैर नहीं

पटना,संवाददाता। बिना लाइसेंस गाड़ी चलाने वाले नाबालिगों पर परिवहन विभाग ने शिकंजा कस दिया है। पिछले तीन दिनों में 224 नाबालिगों को गाड़ी चलाते हुए पकड़ा गया है, जिनसे 14 लाख 98 हजार रुपये का जुमार्ना वसूला गया है। यह कार्रवाई ई-रिक्शा, मोटरसाइकिल और ऑटो जैसे वाहनों पर की गई है। परिवहन विभाग ने यह कदम सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिए उठाया है, क्योंकि 2022 में बिहार में 750 नाबालिग सड़क दुर्घटनाओं में अपनी जान गंवा चुके हैं। परिवहन विभाग का यह अभियान पिछले तीन दिनों से पूरे जिले में चल रहा है, जिसके तहत सघन वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य नाबालिगों को बिना लाइसेंस के गाड़ी चलाने से रोकना और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाना है।

जिला परिवहन कार्यालय के एडिशनल डीटीओ पिंकू कुमार ने बताया कि यह अभियान इस सप्ताह तक चलेगा और भविष्य में भी नाबालिग चालकों पर नजर रखी जाएगी। उन्होंने बताया कि जिले में ऑटो, ई-रिक्शा और अन्य मोटर वाहनों का परिचालन नाबालिग और बिना लाइसेंस वाले लोग धड़ल्ले से कर रहे हैं, जो सड़क दुर्घटनाओं का एक मुख्य कारण है। परिवहन विभाग के अनुसार, राजधानी पटना समेत पूरे बिहार में बड़ी संख्या में नाबालिग बिना लाइसेंस के वाहन चला रहे हैं, खासकर ई-रिक्शा और ऑटो। पिंकू कुमार ने कहा कि जिला परिवहन कार्यालय की माने तो ई रिक्शा और ऑटो का परिचालन करने में नाबालिग चालक की बड़ी संख्या है। खास कर ई रिक्शा चलाने में नाबालिग काफी संख्या में है। इस समस्या से निपटने के लिए परिवहन विभाग ने ई-रिक्शा एजेंसियों को भी नोटिस जारी किया है और उन्हें निर्देश दिया है कि वे नाबालिगों को ई-रिक्शा न बेचें। ऐसा न मानने पर एजेंसियों पर भी कार्रवाई की जाएगी। परिवहन विभाग ने सभी जिलों को ई-रिक्शा और ऑटो चलाने वाले नाबालिगों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा, बिना हेलमेट बाइक चलाने वालों के खिलाफ भी अभियान चलाया जा रहा है। बिहार में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और लोगों को सुरक्षित रखने के लिए यह अभियान बेहद महत्वपूर्ण है। परिवहन विभाग का कहना है कि वह भविष्य में भी इस तरह के अभियान चलाता रहेगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

परिवहन विभाग ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन करें और अपने बच्चों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करें। सुरक्षा नियमों का पालन करके ही हम सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगा सकते हैं और अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकते हैं।

भागलपुरः राम जानकी मंदिर में मूर्तियों को खंडित करने पर हंगामा

भागलपुर,संवाददाता। झारखंड बॉर्डर से सटे बिहार के भागलपुर जिले के सन्हौला बाजार स्थित राम जानकी मंदिर में मूर्तियों को खंडित करने की खबर सामने आई है। इस घटना के विरोध में लोग सड़क पर उतर आए। हालांकि पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार, सन्हौला बाजार के राम जानकी मंदिर में कुछ असामाजिक तत्वों ने मूर्तियों को नुकसान पहुंचाया, जिसके बाद स्थानीय निवासियों में आक्रोश फैल गया। लोग बड़ी संख्या में एकत्रित हुए और पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। हंगामा इतना बढ़ गया कि इलाके की सड़कें जाम हो गईं, जिससे यातायात प्रभावित हुआ। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश की। पुलिस ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की। स्थानीय लोगों ने घटना में शामिल दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। इस पूरे मामले में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। भागलपुर वरीय पुलिस अधीक्षक कार्यालय की ओर से एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा गया है, 'सन्हौला थाना अंतर्गत तालाब के पास स्थित मंदिर में दुर्गा जी, राम जी, लक्ष्मण जी, सीता जी और राधा-कृष्ण जी की मूर्ति का एक-एक हाथ अज्ञात व्यक्ति के द्वारा खंडित कर दिया गया है। इस मामले में सुसंगत धाराओं में केस दर्ज कर मूर्ति खंडित करने वाले व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया है। प्रेस विज्ञप्ति में आगे कहा गया, 'शांति समिति एवं गणमान्य व्यक्तियों के सदस्यों के साथ बैठक की गई है तथा फ्लैग मार्च की जा रही है। स्थिति नियंत्रण में है और वर्तमान में विधि-व्यवस्था की स्थिति सामान्य है।' इसके साथ ही भागलपुर पुलिस ने लोगों से भ्रामक खबर और अफवाह न फैलाने की अपील करते हुए कहा है कि ऐसा करने पर आपके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पिता ने दी पुतले को मुखग्नि, मृतक की पत्नी ने पूछा सवाल तो भड़क गए थानेदार

पूर्णिया,संवाददाता। एक पिता के लिए कितना पीड़ादायक रहा होगा, जब अपने जवान बेटे की मौत पर उसे मुखाग्नि भी नहीं दे पाया। घास-फूंस के पुतले का उन्होंने अंतिम सस्कार किया। ये सबकुछ दो थानों की पुलिस की लापरवाही का नतीजा रहा। 5ऋ और 6ऋ के जमाने सबकुछ रहने के बावजूद दो थानों में तैनात किसी पुलिसवाले ने एक कॉल करना भी मुनासिब नहीं समझा। लावारिश मानकर डेड बॉडी को डिस्पोज करा दिया। जब थानेदार से परिजनों ने पूछा तो वो भड़क गए।पूरा मामला जानेंगे तो बिहार के डीजीपी आलोक राज भी माथा पकड़ लेंगे।

दरअसल, पूर्णिया पुलिस की लापरवाही का एक मामला सामने आया है। दुर्घटना के बाद बाइक चालक की मौत के चार दिन बाद सदर थाना द्वारा परिजनों को फोन किया गया। जब घर वाले थाना पहुंचे और जानकारी हासिल की तो पता चला कि चार दिन पहले ही लाश को पुलिस ने पोस्टमार्टम करने के बाद डिस्पोज कर दिया। सहायक खजांची थाना क्षेत्र के रेडियो स्टेशन चौक स्थित नवरतन हटा के नवीन कुमार रजक रहने वाले थे। 13 अक्टूबर को सड़क हादसे में उनकी मौत हो गई। सदर थाना क्षेत्र के बेलौरी के पास ट्रैक्टर के ठोकर से वो गंभीर रूप से घायल हो गए थे। सूचना के बाद सदर थाने की पुलिस ने घायल को इलाज के लिए राजकीय मेडिकल कॉलेज अस्पताल में पहुंचाई, जहां आधे घंटे बाद ही उन्होंने दम तोड़ दिया। इधर, पुलिस ने मृतक की बाइक और ट्रैक्टर को जब्त कर थाने लाई। पति के लापता हो जाने के बाद मृतक की पत्नी शर्मिला देवी ने पति के गुमशुदगी का आवेदन सहायक खजांची थाने में दिया। उसका पति घटना से एक दिन पहले लापता हो गया था। परिजनों के अनुसार नवीन कुमार रजक 13 अक्टूबर की सुबह 10:15 बजे सड़क हादसे का शिकार हुए थे। पुलिस ने सुबह 10:30 बजे अस्पताल पहुंचाया, लेकिन बाइक के कागजात की जांच पड़ताल के बाद घरवालों को घटना की सूचना 17 अक्टूबर की शाम 4:30 बजे दी गई। सूचना के बाद परिजन थाना पहुंचे, जहां ये कहा गया कि बाइक से दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति अस्पताल में इलाजरत है। अस्पताल में नवीन कुमार रजक नहीं मिलने पर पुनः वो सदर थाने पहुंचे, जहां से उन्हें सहायक खजांची थाना भेज दिया गया। सहायक खजांची थाने में जब परिजन पहुंचे तो वहां से उन्हें के. हाट थाना भेजा गया। के. हाट थाने से पता चला कि कोई दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति आया था, इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई थी।

थाना से जानकारी लेकर जब परिजन अस्पताल पहुंचे तो पता चला कि दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति की इलाज के दौरान आधे घंटे में मौत हो गई थी। इसके बाद के. हाट थाना पहुंचने पर पता चला कि शव का पोस्टमार्टम कराया गया और अज्ञात समझ पुलिस ने उसे डिस्पोज भी कर दिया। जबकि, सदर थाने में मृतक की तस्वीर भी मिली जो पुलिस ने मोबाइल से लिया था। परिजन कह रहे हैं कि बाइक के कागजात में सभी जानकारी थी, सहायक खजांची थाने में गुमशुदगी का आवेदन दिया गया था, तो आखिर क्यों मौत के चार दिन बाद घर वालों को सूचना दी गई? सूचना भी ये दी गई कि एक दुर्घटनाग्रस्त बाइक सदर थाना में है, थाना पहुंचकर पहचान करें। थक हारकर मृतक की पत्नी ने एसपी को आवेदन दिया। जिसमें कहा गया है कि 17 अक्टूबर को दुर्घटनाग्रस्त बाइक मलिक को सदर थाने की पुलिस द्वारा उसके मोबाइल पर मैसेज भेज कर मामले की सूचना दी गई। कहा गया कि 13 अक्टूबर को बेलौरी में ट्रैक्टर से दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

थाने में पहुंचने के बाद थानेदार ने बताया कि इसी ट्रैक्टर से दुर्घटना हुई है, जिसमें बाइक चालक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। थानेदार से कहा गया कि घटना के चार दिन बाद सूचना दी जा रही है, तो वे गुस्सा हो गए। एसपी को दिए गए आवेदन में कहा गया है कि घर वालों को बगैर सूचना दिए कैसे शव डिस्पोज किया गया। मामले की प्राथमिक भी दर्ज नहीं की गई। पीड़िता ने एसपी से न्याय की गुहार लगाते हुए मामले की प्राथमिक दर्ज करने का अनुरोध किया है।

प्रेमिका को लेकर फरार हुआ प्रेमी, परिजन बन गए तालिबानी

□यह है पूरा मामला□'इश्क में तो हर चीज मिट जाती है'

मुजफ्फरपुर,संवाददाता। रात के अंधेरे में धुंधली दिखती तस्वीर। पेड़ से बंधा एक युवक। वहां खड़ा एक दूसरा युवक डंडे से लगातार पेड़ में बंधे युवक की पिटाई कर रहा है। चीख निकल रही है। वो छोड़ देने की गुहार लगा रहा है। वहां मौजूद लोग खिलखिला रहे हैं। कोई उस पर तरस नहीं खा रहा है। पैर को पेड़ से बांध दिया गया है।

हाथ को पीछे कर पेड़ से लपेट दिया गया है। जी हां, ये परिवार वालों के तालिबानी बनने की कहानी है। घटना मुजफ्फरपुर की है। जहां प्रेमी जोड़े को सजा देने के लिए परिजनों ने कानून को हाथों में ले लिया। मामला इश्क में प्रेमिका के साथ फरार होने का है। मामला मुजफ्फरपुर जिले के मुसहरी थाना क्षेत्र का है। प्रेमी पर अपनी प्रेमिका को भगा ले जाने का आरोप था। मुसहरी के भतौलिया गांव निवासी 18 वर्षीय डब्ल्यू कुमार विगत कुछ दिन पहले एक लड़की को लेकर फरार हो गया था। जानकारी मिलते ही लड़की के परिजनों ने युवक का पीछा किया। जिसके बाद उन दोनों को सकरा थाना क्षेत्र के लोहारगामा गांव से पकड़ लिया गया। लड़की के परिजन प्रेमी को मुशहरी के नरौली स्थित अपने घर लाए। जहां देर रात तक लड़की के परिजनों ने प्रेमी की बेरहमी से पिटाई की।

पिटाई करते वक्त उसका वीडियो बनाया और सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। पिटाई का आरोप लड़की के भाई साहिल और उसके पांच साथियों पर लगा है। पिटाई के बाद प्रेमी की स्थिति बिगड़ गई। उसके बाद उसमें से कुछ युवकों ने डायल 112 को इसकी सूचना दी। पुलिस ने इसमें रुचि नहीं दिखाई। बाद में मामले को लेकर पंचायत हुई। गांव के कुछ लोग लड़की के घर पहुंचे। दोनों गांव के लोगों ने बैठक कर मौखिक माफीनामे के आधार पर मामले को खत्म करने की बात कही। उसके बाद प्रेमी को तालिबानी परिवार वालों ने छोड़ा। युवक की स्थिति गंभीर बनी हुई है। पूरे मामले को लेकर ग्रामीण एसपी विद्यासागर ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है। वायरल वीडियो की जांच की जा रही है। उसके बाद उचित कार्रवाई की जाएगी।

चरण सिंह

विचार

राजनीतिक दलों के इस्तेमाल होने से बचिए!

हम लोग सरकार और पुलिस की गलती निकालने में आगे रहते हैं पर यह नहीं देखते कि हम क्या कर रहे हैं। हम अपनी कितनी जिम्मेदारी निभा रही रहे हैं। रोड रेंज के मामले चिंतित करने वाले हैं। हॉर्न, गाड़ी में खरोच और ओवरटेक करने को लेकर आए दिन रोड रेज के माले सामने आते हैं। मारपीट के मामले तो आम हैं मर्डर तक हो जाते हैं। रविवार की वजह से रोहिणी के एक स्कूल में जो विस्फोट हुआ को जान की कोई हानि नहीं हो पाई। जरा सोचिए इस तरह के विस्फोट यदि चलती क्लास में हो जाएं तो क्या कोहराम मचेगा। किसी के साथ मारपीट हो। हिंसा हो या फिर किसी को कोई यातनाएं दे तो हम अनदेखी कर देते हैं। वीडियो बनाने लगते हैं पर इतनी जहमत नहीं उठाते कि अपराध हो ही न। दूसरा का घर जल रहा है तो कोई चिंता नहीं। भले ही उसकी लपटें आपके मकान को भी चपेट में ले ले। राजनीतिक दलों के उकसावे पर एक दूसरे के दुश्मन बन जा रहे हैं पर यह समझने को तैयार नहीं कि ये राजनीतिक दल तो सत्ता के लिए जाति और धर्म के आधार पर नफरत के बीज बोते हैं। हम इनके बरगलाने में आते ही क्यों हैं। बहराइच में किसका क्या बिगड़ा। रामगोपाल मिश्रा तो चला गया न। उनके परिवार को जो क्षति हुई उसकी भरपाई हो सकती है क्या । या फिर जिस मुसलमान ने धर्म के झंडे के लिए रामगोपाल के गोली मारी। उसकी हत्या की उसे कौन सा धर्म छुड़ाने आएगा। घर और परिवार तो उसका बर्बाद हुआ न। कुल मिलाकर राजनीतिक दल हमें कठपुतली बनाते जा रहे हैं और हम उनके लिए इस्तेमाल हो रहे हैं। जरा विवेक से काम लो। इसमें देश और समाज का क्या भला हो रहा है। यही रहा तो नई पीढ़ी को मानसिक रोगी बनने से कोई नहीं रोक सकता है। इसलिए जरा विवेक से काम लेकर अपने परिवार, देश और समाज के लिए कुछ काम करो। जरा सोचो। किसी जाति और धर्म के कार्यक्रम में इन नेताओं के बेटे या बेटियां क्यों नहीं दिखाई देते हैं। हम जैसे लोगों का जब ये लोग बेवकूफ बना लेते हैं तो फिर इन्हें किसी को बुलाने की क्या चिंता है।

जम्मू-कश्मीर में महका लोकतंत्र: सरकार से बड़ी उम्मीदें

-ललित गर्ग-

उमर अब्दुल्ला पहले भी एक बार मुख्यमंत्री रह चुके हैं, लेकिन उनकी यह पारी हर तरह से खास है। नई सरकार के मुखिया के तौर पर उमर अब्दुल्ला के सामने आम लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरने की कठिन चुनौती भी है। जनता ने विकास और शांति की आकांक्षा के साथ दिल खोलकर मतदान किया और अपनी उम्मीदों की सरकार चुनी है।

आखिरकार जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र की धूप खिल ही गयी, पांच साल बाद केन्द्र शासित जम्मू-कश्मीर को निर्वाचित सरकार मिल गयी और नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली है। 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त किये जाने के बाद केन्द्र शासित प्रदेश में यह पहली चुनी हुई सरकार है, जो नई उम्मीदों के नये दौर का आगाज है। उमर अब्दुल्ला पहले भी एक बार मुख्यमंत्री रह चुके हैं, लेकिन उनकी यह पारी हर तरह से खास है। नई सरकार के मुखिया के तौर पर उमर अब्दुल्ला के सामने आम लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरने की कठिन चुनौती भी है। जनता ने विकास और शांति की आकांक्षा के साथ दिल खोलकर मतदान किया और अपनी उम्मीदों की सरकार चुनी है। घाटी में दशकों तक अब्दुल्ला परिवार के शासन के अनुभव के मद्देनजर घाटी के लोगों ने नेशनल कॉन्फ्रेंस पर भरोसा जताया। तमाम ऊहापोह, सुरक्षा चुनौतियों तथा विदेशी दखल की तमाम आशंकाओं को निर्मूल करते हुए जम्मू-कश्मीर के जनमानस ने स्पष्ट सरकार बनाने का जनादेश दिया है। इस भूमिका तक पहुंचाने में भारतीय जनता पार्टी एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयास महत्वपूर्ण रहे हैं। कश्मीर में विकास, पर्यटन में भारी वृद्धि, शांति एवं सौहार्द का वातावरण बनना ऐसे ही प्रयासों की सार्थक निष्पत्ति है। नई सरकार को विकास की चल रही योजनाओं को आगे बढ़ाते हुए आतंकमुक्त कश्मीर के संकल्प को मंजिल तक पहुंचाना होगा।

जम्मू एवं कश्मीर में लोकतांत्रिक सरकार का गठन अनेक दृष्टियों से न केवल राजनीतिक दशा-दिशा स्पष्ट करेगा बल्कि राज्य के उद्योग, पर्यटन, रोजगार, व्यापार, रक्षा, शांति आदि नीतियों तथा राज्य की पूरी जीवन शैली व भाईचारे की संस्कृति को प्रभावित करेगा। बहरहाल, ऐसे में नवनिर्वाचित सरकार और केंद्र का दायित्व है कि घाटी के लोगों ने जिस मजबूत लोकतंत्र की आकांक्षा जतायी है, उसे पूरा करने में भरपूर सहयोग करें। एक समय राज्य में मतदाता डर कर मतदान करने हेतु नहीं निकलते थे। मतदान का प्रतिशत बेहद कम रहता था। इस बार मतदाता निर्भीकता के साथ मतदान करने निकले। जनता ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने के संकल्प को सकारात्मक समर्थन दिया है। यद्यपि लोकसभा चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस को कामयाबी नहीं मिल पायी थी, लेकिन जनता ने उन्हें राज्य में सरकार चलाने का स्पष्ट जनादेश दिया है। वहीं दूसरी ओर, इस भारी मतदान व स्पष्ट बहुमत का एक निष्कर्ष यह भी है कि लोग घाटी में शांति और सुकून, अमन एवं विकास, सौहार्द एवं सद्भावना चाहते हैं। जम्मू-कश्मीर सरकार और केंद्र सरकार को मिलकर प्रयास करना होगा कि इस क्षेत्र में शांति कायम होने के साथ विकास की नई बयार चले। जिसमें आम नागरिक खुद को सुरक्षित अनुभव करते हुए राष्ट्रीय विकास की धारा के साथ-साथ कदमताल कर सके।

निश्चित ही उमर के सामने चुनौतियां बड़ी हैं, आम लोगों को भी उनकी कठिनाइयों का अंदाजा है, वहीं खुद उमर ने भी व्यावहारिक नजरिया अपनाने का संकेत दिया है। चुनाव के दौरान अनुच्छेद 370 की वापसी की मांग पर कड़ा रुख अपनाने वाले उमर ने चुनाव नतीजे आने के बाद इस मसले पर अपना रुख नरम कर लिया। उन्होंने कहा कि मौजूदा हालात ऐसे नहीं हैं, जिनमें इस मुद्दे पर जोर देने का किसी को कुछ फायदा होगा। उम्मीद बढ़ाने वाली बात यह भी है कि चुनावी कड़वाहट को पीछे छोड़ते हुए सभी पक्षों ने सहयोग का रुख अपनाने का संकेत दिया है। न केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने नई सरकार के साथ मिलकर काम करने का संकेत दिया है बल्कि खुद उमर ने भी उपराज्यपाल से टकराव की बजाय आपसी समझ एवं सकारात्मकता से शासन करने की मंशा जतायी है, जो जहां जम्मू-कश्मीर की जनता के हित में है वही उमर की राजनीतिक सूझबूझ, परिपक्वता एवं विवेक का परिचायक है। चाहे उपमुख्यमंत्री पद जम्मू संभाग से चुने गए विधायक सुरिंदर चौधरी को स्थान देने की बात हो या कांग्रेस के लिए कैबिनेट में स्थान खाली रखने की, उमर अब्दुल्ला यह संकेत दे रहे हैं कि वह सबको साथ लेकर चलना चाहते हैं। कांग्रेस ने फिलहाल सरकार को बाहर से समर्थन देने की बात कही है, लेकिन इसका कारण राज्य का दर्जा न मिलने को बताया है। उमर को हर कदम सावधानी से उठाने होंगे ताकि कोई भी स्थिति मंत्री पदों की संख्या का या इंडिया गठबंधन के घटक दलों में मतभेद एवं टकराव का न बन जाए। उमर के एक-एक फैसले पर कैबिनेट और उपराज्यपाल के अधिकार क्षेत्र का मसला सामने आ सकता है। ऐसे में देखना होगा कि इन सबके बीच जम्मू-कश्मीर की नई सरकार उमर के नेतृत्व में कितने सधे कदमों से आगे बढ़ती है। क्योंकि सरकार को अपना दायित्व इस बात को ध्यान में रखकर निभाना होगा कि केंद्रशासित प्रदेश में उपराज्यपाल के पास व्यापक अधिकार हैं।

केंद्र शासित प्रदेश में एक दशक बाद हुए विधानसभा चुनाव में मतदाताओं का खासा उत्साह लोकतंत्र की बुनियाद को मजबूती दे रहा है। कहीं न कहीं जनता ने स्पष्ट संदेश भी दिया कि वे हिंसा, अस्थिरता, आतंकवाद व अलगाववाद से छुटकारा चाहते हैं।

जाहिरा तौर पर नई सरकार के सामने व्यापक जनाकांक्षाओं को पूर्ण करने की चुनौती होगी। इसलिये जम्मू-कश्मीर में नई सरकार को व्यापक जनाकांक्षाओं को पूर्ण करते हुए बदली हुई शासन व्यवस्था के साथ भी साम्य स्थापित करना है। इस बात का अहसास उमर अब्दुल्ला को भी है कि शासन चलाने में अब पहले जैसी स्वतंत्रता नहीं होगी। विश्वास किया जाना चाहिए कि कम से कम सीमावर्ती घाटी की संवेदनशीलता को देखते हुए इस केंद्रशासित प्रदेश में वैसा टकराव देखने को नहीं मिलेगा, जैसा कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार और एलजी के बीच देखने को मिलता रहा है। विश्वास करें कि नई सरकार को प्रशासनिक मामलों में नौकरशाही का पर्याप्त सहयोग मिलता रहेगा। नीति-नियंताओं को ध्यान रखना होगा कि सरकार चलाने में किसी भी तरह का अनावश्यक व्यवधान कालांतर अशांति का वाहक बनेगा। उम्मीद करें कि यथाशीघ्र पूर्ण राज्य का दर्जा मिलने के बाद जम्मू-कश्मीर में प्रशासन की विसंगतियां दूर की जा सकेंगी।

स्वर्णऋण के प्रति बढ़ता भारतीयों का रुझान

-प्रह्लाद सबनानी-

किसी भी देश के आर्थिक विकास को गति देने हेतु पूंजी की आवश्यकता रहती है। तेज आर्थिक विकास के चलते यदि किसी देश में वित्तीय बचत की दर कम हो तो उसकी पूर्ति ऋण में बढ़ौतरी से की जा सकती है। भारत में ऋण : सकल घरेलू अनुपात अन्य विकसित एवं कुछ विकासशील देशों की तुलना में अभी बहुत कम है। परंतु, हाल ही के समय में भारत का सामान्य नागरिक ऋण के महत्व को समझने लगा है एवं भौतिक संपति के निर्माण में अपनी बचत के साथ साथ ऋण का भी अधिक उपयोग करने लगा है। कुछ बैंक सामान्यजन को ऋण प्रदान करने हेतु प्रतिभूति की मांग करते है। भारत में सामान्यजन के पास स्वर्ण के रूप प्रतिभूति उपलब्ध रहती है अतः स्वर्ण ऋण बहुत अधिक चलन में आ रहा है। विशेष रूप से गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों द्वारा ऋण की प्रतिभूति के विरुद्ध स्वर्ण ऋण आसानी से उपलब्ध कराया जा रहा है। भारत में तेजी से बढ़ रहे स्वर्ण ऋण के कारणों एवं कारकों का वर्णन इस लेख में किया गया है।

भारत में वित्तीय वर्ष 2022-23 की प्रथम तिमाही में विभिन्न गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों द्वारा 39, 687 करोड़ रुपए के स्वर्ण ऋण स्वीकृत किए गए थे, स्वीकृत की जाने वाली यह राशि वित्तीय वर्ष 2023-24 की प्रथम तिमाही में बढ़कर 62, 835 करोड़ रुपए हो गई एवं वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम तिमाही में और आगे बढ़कर 79, 218 करोड़ रुपए हो गई। गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम तिमाही में स्वर्ण ऋण के मामले में 26 प्रतिशत की आकर्षक वृद्धि दर हासिल की है जबकि अन्य प्रकार के ऋणों में इसी अवधि के दौरान औसत वृद्धि दर 12 प्रतिशत की रही है। भारतीय नागरिक स्वर्ण ऋण के प्रति बहुत अधिक आकर्षित हो रहे हैं। आज भारत के विभिन्न गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों एवं विभिन्न बैंकों द्वारा भारी मात्रा में स्वर्ण ऋण स्वीकृत किए जा रहे हैं। अगस्त 2024 माह में बैंकों एवं गैर बैकिंग वित्तीय कम्पनियों ने मिलकर 41 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल करते हुए 1.4 लाख करोड़ रुपए के स्वर्ण ऋण स्वीकृत किए हैं। आज गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों के कुल ऋण में स्वर्ण ऋण का प्रतिशत में हिस्सा सबसे अधिक है, दूसरे स्थान पर स्कूटर एवं चार पहिया वाहनों के लिए प्रदान किए गए ऋणों का ऋण हैं, इसके बाद तीसरे स्थान पर व्यक्तिगत ऋण 14 प्रतिशत के भाग के साथ है एवं इसके बाद जाकर गृह ऋण का नम्बर आता है जो कुल ऋण का 10 प्रतिशत भाग है। बैकों एवं गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों द्वारा प्रदान किए जाने वाले स्वर्ण ऋण पर पूंजी पर्याप्तता सम्बंधी शिथिल नियमों का पालन करना होता है। अन्य प्रकार के ऋणों की तुलना में स्वर्ण ऋण पर जोखिम का भार (रिस्क वेट) तुलनात्मक रूप से कम रहता है। इससे बैंक एवं गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियां भी स्वर्ण ऋण प्रदान करने की ओर आकर्षित होते हैं।

यहां स्वाभाविक रूप से प्रशन्न उभरता है कि पिछले लगभग 3 वर्षों के दौरान भारत के नागरिकों में स्वर्ण ऋण के प्रति इतना रुझान क्यों बढ़ा है? भारतीय रिजर्व बैंक के पास स्वर्ण के भंडार बढ़कर 822 मेट्रिक टन से भी अधिक हो गए हैं परंतु विश्व स्वर्ण काउन्सिल के एक अनुमान के अनुसार, भारतीय नागरिकों के पास स्वर्ण के भंडार बढ़कर 25000 टन से भी अधिक के हो गए हैं, जिनकी बाजार कीमत वर्ष 2020 में 109 लाख करोड़ रुपए की थी। भारत में नागरिकों के पास स्वर्ण भंडार विश्व के कुल स्वर्ण भंडार का 11 प्रतिशत है। भारत में प्रतिवर्ष 750 से 800 टन स्वर्ण का आयात होता है और पिछले 25 वर्षों के दौरान भारत में 17, 500 टन स्वर्ण का आयात हुआ है और मार्च 2019 से मार्च 2024 के दौरान भारत में स्वर्ण भंडार 40 प्रतिशत से बढ़ गए हैं। दरअसल, भारत में दीपावली (धन तेरस) के शुभ अवसर पर स्वर्ण की खरीद को शुभ माना जाता है एवं मध्यमवर्गीय परिवार भी धन तेरस के दिन स्वर्ण की खरीद प्रति वर्ष करते हैं। इससे भारत के करोड़ों परिवारों के पास स्वर्ण का स्टॉक उपलब्ध रहता है। पिछले कुछ वर्षों के दौरान भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंकों द्वारा स्वर्ण ऋण प्रदान करने के सम्बंध में नियमों को बहुत सरल बनाया है एवं अब भारतीय नागरिकों को स्वर्ण के स्टॉक के विरुद्ध ऋण बहुत ही आसान शर्तों पर उपलब्ध होने लगा है। भारत में प्रचिलित परम्पराओं के अनुसार मध्यमवर्गीय परिवारों द्वारा स्वर्ण को बेचना शुभ नहीं माना जाता है जबकि स्वर्ण की खरीद को शुभ माना जाता है। अतः स्वर्ण को बाजार में बेचने के स्थान पर स्वर्ण को बैंक में गिरवी रखकर उसके विरुद्ध बैंक से आसानी से स्वर्ण ऋण प्राप्त करना ज्यादा उचित माना जाता है।

और फिर, हाल ही के वर्षों में भारतीय शेयर बाजार बहुत ही तेज गति से आगे बढ़ रहा है और विभिन्न कम्पनियों के शेयरों में किए गए निवेश पर 12 प्रतिशत से 20 प्रतिशत तक की आय प्रतिवर्ष होने लगी है। इससे बहुत बड़ी मात्रा में भारतीय नागरिक (खुदरा निवेशक) शेयर बाजार में निवेश करने हेतु आकर्षित हुए हैं। चूंकि स्वर्ण ऋण बहुत ही आसानी से उपलब्ध होने लगे हैं अतः मध्यमवर्गीय परिवार स्वर्ण ऋण लेकर पूंजी बाजार में निवेश अथवा चार पहिया वाहन खरीदने एवं गृहों का निर्माण करने लगे हैं।

डाकुओं और डॉन में जमीन -आसमान का फर्क

-राकेश अचल-

मै एक जमाने में दुर्दांत डकैतों के लिए बदनाम चंबल इलाके से आता हूँ। मैंने अपने पत्रकारिता के कार्यकाल में डाकुओं की जितनी कहानियां बनाई और बेचीं उतनी शायद मुंबई के डॉन की कहानियां भी नहीं बिकी होंगीं। चंबल के डाकू दो दशक पहले हमेशा -हमेशा के लिए समाप्त हो गये। लेकिन मुंबई के डॉन आज भी जिंदा हैं। मुंबई के डॉन और चंबल के डाकुओं में बहुत फर्क है। डाकू कभी किसी की हत्या के लिए सुपारी नहीं लेते थे, लेकिन डॉन सुपारी लेते भी हैं और देते भी हैं।

डाकू हों या डॉन मीडिया के लिए हमेशा हाट केक की तरह बिकने वाले कथानक रहे है। आजकल मुंबई में ही नहीं पूरे देश में डाकुओं से ज्यादा डॉन की चर्चा हैं। डॉन लारेंस विश्नोई द्वारा हाल ही में दिल्ली और मुंबई में सुपारी देकर कराई गयी हत्याओं के बाद सुर्खियों में हैं। भ्रष्ट नेताओं से ज्यादा खूखार डॉन सुर्खियों में है। विश्नोईयों के बारे में धारणा है कि वे न केवल पर्यावरण प्रेमी होते हैं बल्कि काले हिरणों के सबसे बड़े संरक्षक भी होते हैं, लेकिन इस विश्नोई समाज से यदि लारेंस डॉन बनकर निकला है तो हैरानी होती है। पता नहीं लारेंस का राजस्थान के विश्नोई समाज से कोई वास्ता है भी या नहीं।

मैंने अपने पत्रकारिता के जीवन में देश के इस सदी के सबसे कुख्यात और रॉबिनहुड रहे डकैत देखे है। उनसे मिला हूँ। माधौ सिंह, मोहर सिंह, तहसीलदार सिंह, पान सिंह, निर्भय गूजर से लेकर फूलन देवी तक को मै खूब जानता था, लेकिन कोई इतना नृशंस नहीं था, जितना कि आजकल के डॉन हैं। डाकुओं ने हत्याएं कीं, अपहरण किये, गांव के गांव जलाये लेकिन उनकी करतूतों के पीछे की कहानियां कुछ और हुआ करतीं थीं। उनके मन में हिंसा के साथ दया-माया भी थी। वे रॉबिन हुड की तरह गरीबों की मदद भी करते थे और आततायियों को सबक भी सिखाते थे। डाकुओं ने कभी प्रदेश में बैठकर अपने गिरोह नहीं चलाये लेकिन मोदीकाल के डाकू अमेरिका में बैठकर अपने गिरोह चला रहे है। बीहड़ों के बजाय वातानुकूलित जेलों में रहकर गिरोह चला रहे है।

बात नए -नए डॉन लारेंस विश्नोई की हो रही थी। लारेंस विश्नोई हाल ही में एनसीपी [अजित गुट] के नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद सुर्खियों में है। उसके निशाने पर एक लोकप्रिय अभिनेता सलमान खान के अलावा अनेक खान हैं। ये महज संयोग है या कोई नियोजित अभियान की लारेंस और सत्तारूढ़ दल के लक्ष्य एक जैसे ही है। कभी -कभी लगता है कि लारेंस ने या तो संघ और भाजपा का एजेंडा चुरा लिया है या वो इन संगठनों और दलों का अंधभक्त बन गया है। दोनों के निशाने पर अल्पसंख्यक ज्यादा हैं, दुसरे लोग भी हैं लेकिन अल्पसंख्यक सबसे ऊपर है। कहने को तो बाबा सिद्दीकी जैसे लोग संजय दत्त के भी खैरख्वाह थे।

दरअसल मै अपने नयी पीढ़ी के पाठकों को डॉन और डाकुओं में फर्क बताने की कोशिश कर रहा था। डाकू विषम परिस्थितियों में बीहड़ का रास्ता पकड़ते थे और डॉन सुनियोजित तरीके से मुंबई का रुख करते हैं। डॉन और डाकू पहले छोटी वारदात करते हैं, बाद में किसी स्थापित गिरोह में शामिल होते हैं लेकिन बाद में अनुभव हासिल होते ही डॉन अपने स्वतंत्र गिरोह बना लेते हैं। जाति डॉन की भी होती है और डाकू की भी। हाजी मस्तान से लारेंस तक और मान सिंह से लेकर जगजीवन परिहार तक कहानियां एक जैसी हैं। दोनों कि जीवन पर फिल्में भी खूब बनतीं और चलतीं हैं। लेकिन डाकू दिलेर होते हैं और डॉन कायर। डाकू पुलिस से सीधे मुठभेड़ करते हुए मारे जाते हैं, लेकिन डॉन कभी पुलिस से सीधे मोर्चा नहीं लेते। डाकुओं के गुर्गे नहीं होते लेकिन डॉन के होते हैं। डॉन विलासता का जीवन जीते हैं, बड़े शहरों और बड़े देशों में रहते हैं किन्तु डाकू बीहड़ों में विषम परिस्थितयों में रहते हैं और उनके जीवन में विलासता भी बड़े ही निम्न स्तर को होती थी।

डॉन और डाकूओं में महिलाओं का प्रतिशत बहुत कम रहा है। गुजरात की लेडी डॉन की तरह एक जमाने में चंबल की महिला डाकू पुतली बाई एक किवदंती बन गयी थी। फूलन तो डाकू जीवन से मुक्त होकर संसद तक पहुंची। एक डाकू सरगना मलखान सिंह भी फूलन का अनुशरण करते हुए विधानसभा में पहुँचने के लिए बार-बार चुनाव लड़ा लेकिन कामयाब नहीं हुआ। डॉन भी किवदंती बने हैं, लेकिन शायद ही कोई डॉन हो जो संसद तक पहुंचा हो, हालाँकि हाजी मस्तान ने डॉन बनने के बाद गाँधी टोपी पहनकर नेतागीरी की थी लारेंस को भविष्य में कोई हिंदूवादी पार्टी लोकसभा या विधानसभा चुनाव में टिकिट दे दे तो मै जानता नहीं। हाँ डाकुओं कि मंदिर हैं लेकिन डॉन कि नहीं।

लोकतंत्र के लिए डाकू और डॉन समान रुप से उपयोगी रहे है। मै ऐसे तमाम नेताओं को जानता हूँ जो एक जमाने में चुनावों के वक्त चंबल में डाकुओं के प्रभाव का, आतंक का इस्तेमाल खुलेआम करते थे। चंबल की ये कहानी मै महाराष्ट्र, गुजरात और देश के हर हिस्से में दुहराते हुए देख रहा हू। अब हर राज्य में कोई न कोई डॉन किसी न किसी नेता को चुनाव जितने के लिए अपने प्रभाव और आतंक का इस्तेमाल करता है। डॉन और डाकू आतंक के कारण ही समाज में जिंदा हैं। अब डॉन और डाकुओं ने अपनी वर्दी बदल ली है। वे खादी से लेकर हुडी तक पहनने लगे हैं।

डाकुओं के समर्पण के लिए विनोबा भावे और जयप्रकाश नारायण से लेकर अर्जुन सिंह तक ने अथक प्रयास किये थे लेकिन डॉन को समाज की मुख्यधारा में लाने का काम किसी नेता ने किये हो तो मुझे मालूम नहीं। डॉन आज भी सुपारी ले और दे रहा है। हत्याएं करा रहा है। चौथ वसूली कर रहा है। डाकू ये सब छोड़ चुके हैं। वे या तो खेती कर रहे हैं या राजनीति या समाजसेवा। दुर्भाग्य कहूँ या सौभाग्य कि मुझे आजतक किसी डॉन से मिलने का सौभाग्य नहीं मिला, हालाँकि हमारे पूर्वज कहें या अग्रज स्वर्गीय वेद प्रताप वैदिक सीमा पर जाकर पाकिस्तान के डॉन हाफिज सईद से मिल आये थे। उनका और हाफिज जी का इंटरव्यू ठीक उसी तरह से सुर्खियां बना था जैसा की एक जमाने में फूलन और निर्भय के इंटरव्यू। बहरहाल डाकुओं की कहानी तो लगभग समाप्त हो चुकीहै किन्तु डॉन की फिल्म खत्म होने का नाम नहीं ले रही। डॉन की कहानी ने सीक्वल का रुप ले लिया है।

मजदूर आंदोलन में सोशलिस्ट तहरीक की भूमिका

प्रो राजकुमार जैन

(भाग--4)

प्रोफेसर राजकुमार जैन के इस लेख के पहले तीन भागों में आप पढ़ चुके हैं कि किस प्रकार कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी के स्थापना सम्मेलन में कांग्रेस के एजेंडा पर मजदूरों और किसानों के हितों के सर्वोपरि रखने के प्रयास शुरू हो गए थे और फिर आपने पढ़ा कि कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी के प्रथम सम्मेलन में मजदूरों से संबंधित प्रस्ताव में किस तरह से बहुत से प्रगतिशील कदमों की सिफारिश की गई। इससे पिछली किश्त में डॉ लोहिया और जे पी की मजदूरों और कामगारों के लिए प्रतिबद्धता की बानगी देखने को मिली। इस किश्त में आप पढ़ेंगे की कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी कांग्रेस से अलग हो गई और इधर 1948 में सोशलिस्टों के प्रभाव तले काम कर रहे इंडियन लेबर फेडरेशन और हिंद मजदूर पंचायत को मिलाकर एक नया मजदूर संगठन बनाया गया और इसका नाम 'हिंद मजदूर सभा' रखा गया। क्या उद्देश्य थे इसके और ऐसी ही अन्य तफसील जानने के लिए आइये पढ़ते है।

विदेशी दासता से आजादी मिलने के बाद ह्लकांग्रेस सोशलिस्ट पार्टीह्व का राष्ट्रीय सम्मेलन कानपुर में आयोजित हुआ' जिसमें पार्टी के नाम से कांग्रेस शब्द हटा दिया गया और पार्टी का नया नाम 'सोशलिस्ट पार्टी' रखा गया' सम्मेलन में पार्टी का पॉलिसी स्टेटमैंट प्रारूप प्रतिनिधियों के सामने रखा गया। पार्टी का मकसद लोकतंत्रात्मक समाजवादी (ऊे्न१ङ्र रङ्क्२े) समाज की स्थापना करना था, जिसमें हर व्यक्ति श्रमजीवी है, सभी व्यक्ति, स्त्रियों समेत समान है, जहां सभी के लिए समान अवसर है, जहां पारिश्रमिक में इतना अंतर नहीं है कि वर्ग

भेद पैदा हो। जहां सारी संपत्ति समाज की है, जहां विकास योजनाबद्ध है। सोशलिस्ट पार्टी की श्रमिक संबंधी नीति, स्वतंत्र और समान जीवन के आधार पर नयी सामाजिक व्यवस्था के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, ट्रेड यूनियनो, सहकारिता, लेबर कॉलेजो और श्रमिकों के समितियां के माध्यम से उनका समर्थन प्राप्त करने की है।

मजदूरों से संबंधित प्रस्ताव में लिखा गया कि देश के बिखरे छोटे-छोटे मजदूर संगठनों के स्थान पर अखिल भारतीय स्तर पर मजदूर संगठन बनाने की आवश्यकता और इसका महत्व समझकर राष्ट्रव्यापी ऐसे औद्योगिक मजदूर संघ के निर्माण पर बल दिया जो आंतरिक लोकतंत्र और संगठन स्वायत्तता के लिए प्रतिबद्ध हो। मेहनतकश लोगों को लोकतांत्रिक समाजवाद के सिद्धांतों से अवगत कराया जाये जिससे उनमें ऐसी वर्गीय एकता और उसके प्रति आस्था विकसित हो जो पुराने संकुचित और धार्मिक आस्था से अलग हो। पार्टी के पालिसी स्टेटमेंट में यह भी स्पष्ट किया गया कि मजदूर संघ और सहकारिता देश की मेहनतकश जनता के लिए लोकतंत्र के प्रशिक्षण के माध्यम है। प्रशिक्षण द्वारा ही श्रमिक वर्गो में राजनीतिक और आर्थिक क्षेत्रो में उत्तरदायित्व उठाने की क्षमता आ सकती है। समाजवादी व्यवस्था की स्थापना में श्रमिक वर्ग की बढ़ती हुई भागीदारी और उत्तरदायित्व पूर्ण भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।, इसलिए पार्टी की श्रमिक नीति पार्टी के पालिसी स्टेटमेंट का सार भाग है,'कांग्रेस से हटने के बाद मुल्क में तीन प्रमुख मजदूर संगठन थे। ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस, इंडियन फेडरेशन ऑफ लेबर तथा ऑल इंडिया नेशनल ट्रेड यूनियन कांग्रेस।

सोशलिस्ट पहले ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस मे कार्यरत थे, जहां कम्युनिस्ट भी शामिल थे। परंतु सोशलिस्ट अब अपना ट्रेड यूनियन बनाना चाहते थे। इसके अतिरिक्त ऑल इंडिया रेलवे मेंस फेडरेशन भी अस्तित्व में था।

कांग्रेस से अलग होने से पहले ही सोशलिस्ट मजदूरों के बीच में कार्यरत थे। 29 दिसंबर 1947 को सोशलिस्टों की मुंबई शाखा ने मजदूरों की एक सांकेतिक हड़ताल कराई जो बहुत ही कामयाब रही। दिसंबर 1948 में कोलकाता में समान विचार वाले कार्यरत मजदूर संघो के कार्यकताओं और नेताओं का एक सम्मेल आयोजित हुआ। पंजाब में पहले से ही सोशलिस्टों के प्रभाव में हिंद मजदूर पंचायत के नाम से एक श्रमिक संगठन था। इंडियन लेबर फेडरेशन और हिंद मजदूर पंचायत को मिलाकर एक नया मजदूर संगठन बनाया गया और इसका नाम 'हिंद मजदूर सभा' रखा गया। इसी सम्मेलन में हिंद मजदूर सभा के संविधान का एक प्रारूप भी पास किया गया, जिसके अनुसार हिंद मजदूर सभा के निम्नलिखित उद्देश्य थे।

1 देश के श्रमिक वर्ग के आर्थिक, राजनीतिक, और सांस्कृतिक हितों को प्रोन्नत करना।

2 हिंद मजदूर सभा से ,सम्बद्ध संगठनों को दिशा निर्देश, संयोजन और सहायता देना।

श्रमिकों की सेवा से सम्बंधित उनके अधिकार, सहूलियतों और अन्य हितों को सुरक्षा देना। एक ही उद्योग और व्यवसाय के श्रमिक संगठनों का फेडरेशन निर्माण करना। एक ही उधोग और व्यवसाय में कार्यरत श्रमिकों द्वारा राष्ट्रीय श्रमिक संघो का गठन।

4. श्रमिकों की स्वतंत्रता, सुरक्षा और उनका सम्प्रेषण ।

5. संगठन बनाने की स्वतंत्रता, सभा करने की स्वतंत्रता, भाषण की स्वतंत्रता, समाचार पत्रों की स्वतंत्रता, रोजगार या सम्प्रेषण का अधिकार, सामाजिक सुरक्षा का अधिकार, हड़ताल करने का अधिकार,

6 देश में लोकतांत्रिक समाजवादी समाज की स्थापना के लिए श्रमिको को संगठित करना।

7 श्रमिकों के लिए सहकारिता समितियों और शिक्षा को प्रोन्नत देना।

8 देश और विदेश के समान उद्देश्य वाले संगठनों के साथ सहयोग करना।

औपचारिक एवं वैधानिक नजरिए से हिन्द मजदूर सभा एक स्वतंत्र संगठन थी। परंतु इसको सोशलिस्ट पार्टी के नेताओं द्वारा ही बनाया गया था। इसकी कमेटी में अधिकतर सोशलिस्ट ही थे। मजदूरों के सम्बन्ध में लिखा गया कि देश के बिखरे छोटे-छोटे मजदूर संगठनों के स्थान पर अखिल भारतीय स्तर पर मजदूर संगठन बनाने की आवश्यकता और महत्व समझकर राष्ट्रव्यापी ऐसे औद्योगिक मजदूर संघ के निर्माण पर बल दिया जो आंतरिक लोकतंत्र और संगठन स्वायत्तता के लिए प्रतिबद्ध हो। मेहनतकश लोगों को लोकतांत्रिक समाजवाद के सिद्धांतों से अवगत कराया जाये। जिससे उनमें ऐसी वर्गीय एकता और उसके प्रति आस्था विकसित हो जो पुराने संकुचित और धार्मिक आस्था से अलग हो, पार्टी के पालिसी स्टेटमेंट में यह भी स्पष्ट किया गया कि मजदूर संघ और सहकारिता देश की मेहनतकश जनता के लिए लोकतंत्र 6के प्रशिक्षण के माध्यम है।

जारी है------

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, **विक्रम राज** द्वारा हाऊस नं. आर-132 ब्लॉक-ए नियर मेन नसीरपुर रोड डाबरी पालम गांव न्यू दिल्ली-110045 से प्रकाशित एवं आर.डी. प्रिंटर्स पब्लिसर प्राइवेट लिमिटेड ए-41 सेक्टर-8 नोएडा-201301 उत्तर प्रदेश से मुद्रित। **सम्पादक : विक्रम राज**
समाचारों के चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदारी। समाचार पत्र में लेखकों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। न्यायलय संबंधी सभी मामले दिल्ली न्यायालय में ही निपटाए जाएंगे। RNI NO.- DELHIN/2023/86360. Telephone No.-011-49385179

एक नजर

पंजाब पुलिस ने बंबीहा-कौशल गैंग के पांच सदस्य पकड़े, नौ हथियार बरामद

चंडीगढ़। जालंधर कमिश्नरेट पुलिस ने बंबीहा-कौशल गिरोह के पांच मुख्य सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से कुल 9 हथियार, जिनमें आठ पिस्तौल और एक रिवॉल्वर शामिल है। साथ ही 15 जिंदा कारतूस भी बरामद किए हैं। पंजाब पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने रविवार को बताया कि पकड़े गए बदमाशों की पहचान जालंधर के गांव बोपाराय कलां निवासी जसप्रीत सिंह उर्फ जस्सा, होशियारपुर के गांव गराज महिदूद के हर्षदीप सिंह, तरनतारन के गांव मुरादपुर निवासी शेखर, न्यू मॉडल हाउस, जालंधर के गगनदीप सिंह उर्फ गिन्नी बाजवा और जालंधर के गांव बंबियांवाल के अमित सहोता के रूप में हुई है। आरोपित पंजाब के कई जिलों में फिरौती, हत्या और हथियारों की तस्करी सहित कई गंभीर अपराधों में शामिल थे। उन्होंने बताया कि इन आरोपितों के खिलाफ पहले भी कई मामले दर्ज हैं। डीजीपी ने बताया कि गिरोह को पूरी तरह खत्म करने के लिए उनके व्यापक नेटवर्क का पदार्फाश करने और उनके संपर्कों की जांच के लिए आगे की जांच जारी है। ऑपरेशन के संबंध में विवरण साझा करते हुए जालंधर के पुलिस कमिश्नर (सीपी) स्वप्न शर्मा ने बताया कि विश्वसनीय सूत्रों से पुख्ता जानकारी मिली थी कि बंबीहा-कौशल गिरोह के सदस्य राज्य में बड़ी आपराधिक गतिविधि की योजना बना रहे हैं। इस पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीमों ने बीएसएफ चौक में नाका लगाया और तीन आरोपितों जसप्रीत जस्सा, हर्षदीप और शेखर को 6 हथियारों सहित गिरफ्तार कर लिया। बाद में इस गिरोह के दो और सदस्य गगनदीप गिन्नी और अमित सहोता को तीन हथियारों सहित भारगो कैंप के पास से गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने कहा कि आगे पूछताछ जारी है तथा और गिरफ्तारियां होने की उम्मीद है।

करवा चौथ के मद्देनजर पुलिस ने सुरक्षा बढ़ाई

जालंधर। करवा चौथ के मद्देनजर पुलिस आयुक्त श्री स्वप्न शर्मा के नेतृत्व में जालंधर कमिश्नरेट पुलिस ने शहर भर में सार्वजनिक सुरक्षा और सुचारू यातायात प्रवाह सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा व्यवस्था को कड़ा कर दिया है। पुलिस आयुक्त ने कहा कि शहर भर में सार्वजनिक सुरक्षा और सुचारू यातायात प्रवाह सुनिश्चित करने के लिए एक व्यापक ड्यूटी प्लान लागू किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सभी राजपत्रित अधिकारियों (जीओ), स्टेशन हाउस अधिकारियों (एसएचओ) और पुलिस चौकी प्रभारियों की देखरेख में तैनाती की गई है। श्री स्वप्न शर्मा ने कहा कि शहर भर में विभिन्न प्रमुख बिंदुओं पर कुल 26 ईआरएस (आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली) टीमें तैनात की गई हैं। उन्होंने कहा कि कानून और व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए उच्च यातायात वाले क्षेत्रों और प्रमुख स्थानों पर शाम 06:00 बजे से रात 11:00 बजे तक नाकाबंदी अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जहां सभी राजपत्रित अधिकारी (जीओ) परिचालन की देखरेख कर रहे हैं और यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन किया जाए, वहीं सभी स्टेशन हाउस ऑफिसर (एसएचओ) और पुलिस पोस्ट प्रभारी सीधे नाकाबंदी बिंदुओं की निगरानी कर रहे हैं और गश्त कर रहे हैं। श्री स्वपन शर्मा ने कहा कि नाकाबंदी के अलावा, सभी पुलिस इकाइयों द्वारा गश्त तेज कर दी गई है, खासकर व्यस्त बाजार क्षेत्रों और आवासीय क्षेत्रों में जहां करवा चौथ उत्सव केंद्रित हैं। पुलिस आयुक्त ने कहा कि बाजारों, मंदिरों और अन्य भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों के पास यातायात की भीड़ को प्रबंधित करने पर विशेष ध्यान दिया गया। उन्होंने कहा कि पुलिस टीमों ने पूरे उत्सव के दौरान सार्वजनिक सुरक्षा बनाए रखते हुए यातायात के सुचारू प्रवाह को सुनिश्चित किया।

शंभू, खनौरी सीमाएं हरियाणा की भाजपा सरकार ने बंद की हुई हैं : किसान मजदूर मोर्चा

चंडीगढ़। किसान मजदूर मोर्चा ने रविवार को कहा है कि हरियाणा-पंजाब सीमाएं शंभू एवं खनौरी सीमाएं किसानों ने नहीं हरियाणा की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने बंद की हुई हैं। मोर्चा ने सोशल मीडिया मंच "एक्स" पर जारी एक वीडियो संदेश में कहा कि सीमाओं पर हरियाणा सरकार ने कान्क्रीट ब्लॉक लगाकर बंद किया हुआ है और आरोप लगाया कि भाजपा का आईटी सेल इस आशय की झूठी खबर फैला रहा है कि किसानों ने राजमार्ग बंद कर रखा है। उल्लेखनीय है कि न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी का कानून बनाने व कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन समाप्त करते समय किसानों से किए गया समझौते को पूरा करने की मांगों को लेकर फरवरी में किसानों ने दिल्ली कूच आंदोलन का आह्वान किया था। हरियाणा सरकार ने पंजाब के किसानों को दिल्ली जाने से रोकने के लिए सीमाओं पर कान्क्रीट ब्लॉक लगाकर सीमाएं बंद कर दी थीं। जिसके बाद किसान दस महीनों से सीमाओं पर ही पंजाब की तरफ बैठे हुए हैं।

पराली के फाने जलाने पर नोडल अधिकारियों के खिलाफ होगी कार्रवाई

चंडीगढ़। हरियाणा में पिछले वर्षों के मुकाबले इस साल जहां धान के अवशेष जलाने की घटनाओं में भारी वृद्धि हुई है वहीं अब धान के अवशेषों में आग लगाने वाले किसानों के साथ निगरानी के लिए तैनात किए गए नोडल अफसरों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट में पेश होने से पहले हरियाणा के मुख्य सचिव मजबूत दलीलें तैयार करने में जुटे हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने 23 अक्टूबर को हरियाणा के मुख्य सचिव को तलब किया है। बहरहाल, सरकार ने रेड जोन के जिलों को चिन्हित करने की कवायद शुरू कर दी है। यही नहीं फानों में आग न लगाने की सूचना देने वाले नोडल अफसरों पर अब गाज गिरनी शुरू होगी। सरकार ने नोडल अफसरों को निलंबित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। मुख्य सचिव टीवीएसएन प्रसाद की अध्यक्षता में प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक हुई, जिसमें जिला उपायुक्त वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये जुड़े। मुख्य सचिव ने जिलावार धान के अवशेषों में आग लगाने के मामलों की समीक्षा की। जीटी बेल्ट पर कुरुक्षेत्र, करनाल, अंबाला और कैथल की रिपोर्ट संतोषजनक नहीं मिली। मुख्य सचिव ने जिला उपायुक्तों को कड़ी हिदायत दी कि धान के फानों में आग लगाने के लिए निगरानी को तैनात किए गए नोडल अफसरों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई की जाएगी। यही नहीं मुख्य सचिव ने जिला उपायुक्तों को फटकार लगाते हुए हिदायत दी कि सभी नोडल अफसरों को कारण बताओ नोटिस जारी कर उन्हें जवाब मांगा जाए। अभी तक सबसे ज्यादा कैथल में 123 फाने जलाने के मामले सामने आए हैं। इसके साथ ही अंबाला में 73, कुरुक्षेत्र में 90 और करनाल में 68 जगहों पर फानों में आग लगाने के मामले सामने आए हैं। इनकी पुष्टि हरसैक की सेटेलाइट तस्वीरों से हुआ है।

कार्यकर्ताओं ने प्रकट किया हार का दर्द, बोले अब किसको सुनाएं अपनी समस्याएं

कार्यकर्ताओं को दी हैलमेट नहीं पहनने की सलाह, बोले जो रोके मेरी बात करवा देना

झज्जर। विधानसभा चुनाव में बहादुरगढ़ से भाजपा प्रत्याशी रहे दिनेश कौशिक ने कहा कि वह चुनाव भले ही हार गए लेकिन अब भी भारतीय भाजपा की नीतियों के मुताबिक बहादुरगढ़ विधानसभा क्षेत्र में भाजपा के प्रतिनिधि के तौर पर ही काम करेंगे। वह सेक्टर 2 स्थित अपने कार्यालय में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में बोल रहे थे। कौशिक ने कार्यकर्ताओं का जमकर हौसला बढ़ाया। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की समस्या कार्यकर्ताओं को आए तो उनसे सीधे संपर्क करें। दिनेश कौशिक ने कहा, मेरे कार्यकर्ता का चालान काटा तो मेवात में होगा तबादला। रविवार को बुलाए कार्यकर्ता सम्मेलन में दिनेश कौशिक ने कार्यकर्ताओं को आश्वासन देते हुए कहा कि मेरा वजन 60 किलो सै। पर यो 60 किलो का सब पर भारी पड़ ज्यागा। जै चुनाव जीत जाता तो मैं खतरनाक विधायक साबित होता। दिनेश कौशिक बोले कि भाईयों अपने व्हकीलों के पूरे कागज राख्या करो। अर रही बात हेलमेट की तो कोई बात नहीं। थाम कह दिया करो। मेरी बात करा दिया करो। कोई चालान काटे तो थम बात करा दिया करो।

कोई बात न करे तो उसके कान पर फोन लगाकर मेरी बात करा दियो। अर फेर भी चालान कट ज्या तै उसका नंबर नोट कर लेना। उसको बहादुरगढ़ नहीं छोड़ूंगा। उसका नंबर ऊपर दे दयूंगा। वो मेवात म्ह पावेगा, याड़े बहादुरगढ़ नहीं छोड़ूंगा। सम्मेलन में पार्टी कार्यकताओं ने दिनेश कौशिक और पार्टी की हार पर मंथन किया। साथ ही बिना नाम लिए पार्टी के कई नेताओं पर निशाना भी साधा। सम्मेलन में कार्यकताओं ने कहा कि चुनाव में गद्दारी हुई है। जो लोग साथ घूमते थे, उन्होंने वोट कहीं और दिलवाया है। कुछ नेताओं ने तो अपना ईमान बेच रखा था।

सम्मेलन में कार्यकताओं ने एक-एक कर हार का दर्द सुनाया। पूर्व पार्षद हरिमोहन धाकरे तो हार पर बोलते हुए भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि हम अब किसकी मां को मौसी कहें। रोये तो कहां रोये। आखिर किसको अपना दुखड़ा सुनाए। किसको अपनी समस्याएं सुनाए। कौन हमारी समस्याएं सुनेगा और कौन उनका हल करेगा। इस पर दिनेश कौशिक ने कहा कि कार्यकताओं को निराश होने की जरूरत नहीं है। मेरे दरवाजे 24 घंटे खुले रहेंगे। क्या हुआ मैं चुनाव नहीं जीत सका लेकिन पार्टी के हर एक कार्यकर्ता का पूरा मान-सम्मान रखूंगा। सरकारी हमारी है। सीएम नायब सैनी और प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ोली की जोड़ी प्रदेश में समान विकास करवाएगी। ऐसे में किसी भी कार्यकर्ता को सरकार से कोई भी काम होगा तो मैं उसके लिए सरकार के प्रतिनिधि की तरह जिम्मेदारी निभाऊंगा। हलके का चहुंमुखी विकास कराया जाएगा। दिनेश कौशिक ने कहा कि बहादुरगढ़ विधानसभा का चुनाव परिणाम भले ही हमारे पक्ष में नहीं आया, मगर हमें इससे निराश नहीं होना, बल्कि इससे दोगुणी मेहनत के साथ पार्टी के लिए कार्य करना है। पार्टी संगठन को मजबूत बनाना है, ताकि पांच साल बाद इस हार को जीत में बदला जा सके। सम्मेलन में दिनेश कौशिक के अलावा कैबिनेट मंत्री अरविंद शर्मा के प्रतिनिधि सुनील लाकड़ा सहित पार्षदों, सरपंचों, ब्लाक समिति चेयरमैन व पार्टी के पदाधिकारियों ने अपने अपने विचार रखते हुए एकजुट होकर पार्टी के लिए काम करने की बात कही। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए सुनील लाकड़ा ने कहा कि कौन कहता है कि हमारे दिनेश जी हारे हैं, ये डा. अरविंद शर्मा ही तो हैं जो आपके बीच बैठे हैं। कौन कहता है कि हमारे 36 बिरादरी के लोग हमारे कार्यकर्ता हारे हैं आप ही तो डा. अरविंद शर्मा हो जिन्होंने उन्हें इतनी शक्ति की उन्हें गोहाना से जिताया। प्रत्येक समाज ने गोहाना में जाकर डा. अरविंद शर्मा की मदद की और उन्हें जिताया। हमारी तरफ से विधायक दिनेश हैं। हमारे से भी बहुत सारी गलतियां हुई हैं। विकास के कार्य में, कार्यकताओं की अनदेखी हुई है, लेकिन आज वो काम नहीं होगा, क्योंकि मुख्यमंत्री नायब सैनी के द्वार 24 घंटे कार्यकताओं व आमजन के लिए खुले हुए हैं।

पंजाब उपचुनाव: आम आदमी पार्टी ने चारों विधानसभा सीटों पर उम्मीदवारों का किया ऐलान

चंडीगढ़। आम आदमी पार्टी ने पंजाब की चार विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव को लेकर उम्मीदवारों का ऐलान कर दिया है। पार्टी ने एक पुराने उम्मीदवार को चुनाव मैदान में उतारा है जबकि तीन अन्य सीटों पर नए चेहरों पर दांव लगाया गया है। पंजाब की इन चारों सीटों के विधायक अब सांसद बन गए हैं। उन्होंने विधानसभा से इस्तीफा भी दे दिया है। बरनाला से विधायक रहे गुरमीत सिंह मीत हेयर अब संगरूर से सांसद हैं। वहीं, गिद्दड़बाहा से विधायक रहे अमरिंदर सिंह राजा वडिंग अब लुधियाना से सांसद हैं। राजकुमार चब्बेवाल चब्बेवाल विधानसभा से विधायक थे। अब वह होशियारपुर से सांसद चुन लिए गए हैं। वहीं, डेरा बाबा नानक से विधायक रहे सुखजिंदर सिंह रंधावा अब गुरदासपुर से सांसद बन गए हैं।

रविवार को जारी की गई सूची के अनुसार मुक्तसर जिले की गिद्दड़बाहा सीट से हरदीप सिंह डिंपी ढिल्लो को टिकट दिया गया है। ढिल्लो पहले अकाली दल में थे और सुखबीर बादल के करीबियों में से एक थे। उपचुनाव में टिकट कटने की संभावना देख उन्होंने आम आदमी पार्टी जॉइन कर ली थी। होशियारपुर की चब्बेवाल सीट से इशान चब्बेवाल को टिकट दिया गया है। इशान के पिता डॉ. राजकुमार चब्बेवाल होशियारपुर लोकसभा सीट से सांसद हैं। 2022 में चब्बेवाल ने ही यहां से विधानसभा चुनाव जीता था। वह कांग्रेस विधायक दल के उपनेता भी रहे। लोकसभा चुनाव से पहले उन्होंने पार्टी बदल ली और आम आदमी पार्टी में चले गए। बरनाला से हरिंदर सिंह धालीवाल को टिकट दिया गया है। 2022 में इस सीट पर आम आदमी पार्टी के गुरमीत मीत हेयर जीते थे। मीत हेयर के सांसद बनने से यह सीट खाली हुई है। हरिंदर बरनाला जिले के गांव छीनीवाल से हैं। वह किसान परिवार से हैं। उनके पिता पशु चिकित्सा विभाग से सेवानिवृत्त कर्मचारी हैं। मीत हेयर और हरिंदर सिंह स्कूल के समय से दोस्त हैं। डेरा बाबा नानक से गुरदीप सिंह रंधावा को दोबारा टिकट दी गई है। 2022 के चुनाव में यहां से कांग्रेस के उम्मीदवार सुखजिंदर रंधावा से महज 466 वोटों से हारे थे। सुखजिंदर रंधावा ने 2024 में गुरदासपुर सीट से लोकसभा चुनाव लड़ा। जिस वजह से यह सीट खाली हो गई।

सीएजी दिल्ली ने सीआरपीएफ दिल्ली को 2-1 से हराया

जालंधर। 41वें इंडियन ऑयल सर्वो सुरजीत हॉकी टूर्नामेंट के लीग राउंड में सीएजी दिल्ली ने रविवार को सीआरपीएफ दिल्ली को 2-1 के अंतर से हराकर तीन अंक हासिल किए। जालंधर के ओलंपियन सुरजीत हॉकी स्टेडियम में चल रहे टूर्नामेंट के दूसरे दिन के दूसरे मैच में पंजाब एंड सिंध बैंक दिल्ली और इंडियन नेवी की टीमें 1-1 से बराबरी पर रहीं।

पार्ट डी के मैच में पंजाब एंड सिंध बैंक दिल्ली को भारतीय नौसेना ने कड़ी टक्कर दी। पहले तीन क्वार्टर में कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी. खेल के 47वें मिनट में इंडियन नेवी के आकिब रहीम ने पेनाल्टी कॉर्नर पर गोल कर स्कोर 1-0 कर दिया. खेल के 57वें मिनट में पंजाब एंड सिंध बैंक के सांता सिंह ने पेनाल्टी स्ट्रोक को गोल में बदल कर स्कोर 1-1 कर दिया. मैच टाई होने पर दोनों टीमों को 1-1 अंक मिले. इसका 27 मिनट का खेल कल शाम खेला गया जबकि बाकी मैच आज खेला गया। पूल सी में सीएजी दिल्ली और सीआरपीएफ दिल्ली के बीच कड़ा मुकाबला हुआ। खेल के 17वें मिनट में सीएजी दिल्ली के दीपक मलिक ने फील्ड गोल कर स्कोर 1-0 कर दिया। खेल के दूसरे क्वार्टर के 28वें मिनट में सीआरपीएफ के शरणजीत सिंह ने गोल कर स्कोर 1-1 कर दिया. खेल के 36वें मिनट में सीएजी दिल्ली के हरीश मुटागर ने फील्ड गोल कर स्कोर 2-1 कर दिया और मैच जीतकर तीन अंक अर्जित किये। पूल बी में पंजाब पुलिस और रेल कोच फैक्ट्री कपूरथला की टीमों के बीच मैच खेला गया।

पंजाब पुलिस की ओर से ओलंपियन रूपिंदर पाल सिंह, ओलंपियन आकाशदीप सिंह, ओलंपियन गुरबाज सिंह, ओलंपियन धर्मवीर सिंह, ओलंपियन गुरजंत सिंह ने अपने खेल का प्रदर्शन किया। इस मैच के दौरान रेल कोच फैक्ट्री ने पंजाब पुलिस को कड़ी टक्कर दी। खेल के पहले क्वार्टर में दोनों टीमें बिना कोई गोल किये बराबरी पर थीं. दूसरे क्वार्टर के 29वें मिनट में रेल कोच फैक्ट्री के कप्तान गुरप्रीत सिंह ने पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदल कर स्कोर 1-0 कर दिया. हाफ टाइम तक रेल कोच फैक्ट्री 1-0 से आगे थी। फ्लड लाइट की तकनीकी खराबी के कारण मैच के बाकी दो क्वार्टर सोमवार को दोपहर 1-30 बजे के बाद खेले जाएंगे।

हरियाणा के पंचायती राज मंत्री श्री रणबीर गंगवा जी को युवा लेखक दंपति डॉ सत्यवान सौरभ और प्रियंका सौरभ ने भेंट की अपनी चर्चित पुस्तकें 'तितली है खामोश' एवं 'दीमक लगे गुलाब'

(हरियाणा के नये कैबिनेट मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने इसे एक अनुपम भेंट बताते हुए कहा कि दोनों पुस्तकें वाकई में एक अनमोल पूंजी है जो आमजन और वर्तमान दौर को केंद्र में रखकर लिखी गयी है।)

हिसार। गाव बड़वा में जन्में और वर्तमान में हिसार शहर में रह रहें लेखक युगल डॉ सत्यवान 'सौरभ' एवं प्रियंका 'सौरभ' ने अपनी चर्चित पुस्तकें 'तितली है खामोश' एवं 'दीमक लगे गुलाब' हरियाणा के नये पंचायती राज मंत्री रणबीर गंगवा को उनके निवास पर मुलाकात के दौरान भेंट की। वर्तमान युग की समस्याओं को सौरभ दम्पति ने अपनी इन पुस्तकों में काव्य के जरिये बखूबी वर्णन किया है। श्री रणबीर गंगवा ने इसे एक अनुपम भेंट बताते हुए कहा कि दोनों पुस्तकें वाकई में एक अनमोल पूंजी है जो आमजन और वर्तमान दौर को केंद्र में रखकर लिखी गयी है। इसके लिए उन्होंने विशेष रूप से लेखक सत्यवान सौरभ एवं प्रियंका सौरभ का धन्यवाद किया। उल्लेखनीय है कि डॉ सत्यवान 'सौरभ' एवं प्रियंका 'सौरभ' वर्तमान दौर के चर्चित सम्पादकीय लेखक है जो हजारों पत्र-पत्रिकाओं के लिए नियमित लेखन करते है। हाल ही में इनकी छह पुस्तकें प्रकाशित हुई जो ऑनलाइन और ऑफलाइन उपलब्ध है। इनका दोहा संग्रह 'तितली है खामोश' देश भर में चर्चित हुआ है और अमेजन पर टॉप सेलर में रहा है।

दोनों लेखकों के नव प्रकशित संग्रह 'तितली है खामोश' और दीमक लगे गुलाब सत्य का प्रमाण है। दोहा-लेखन में सत्यवान 'सौरभ' को विशेष सफलता मिली है तो काव्य में प्रियंका 'सौरभ' ने समाज के लिए पथ प्रदर्शक का कार्य किया है। इनकी रचनाओं की विषय-वस्तु सहज

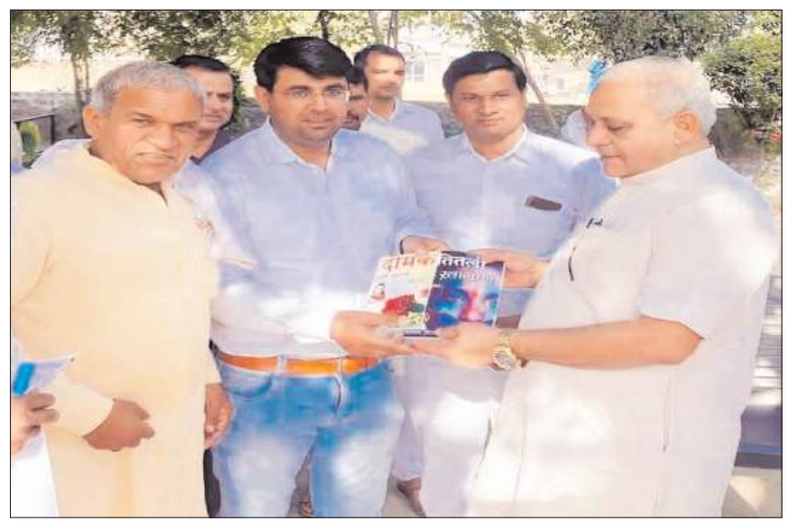

ही दृष्टिगोचर होती है। इन्होंने बचपन, माता-पिता, घर-परिवार, रिश्ते, पारिवारिक विघटन, बदलते परिवेश और पर्यावरण-प्रदूषण से लेकर सांस्कृतिक प्रदूषण तक सभी विषयों पर लिखा है। विकास की अंधी दौड़ ने बच्चों का बचपन, परिवार की सुख-शांति और गांव-देहात का भाईचारा छीन लिया है। इस अवसर पर उपस्थित पूर्व मार्केट प्रधान रमेश सिंहमार, इंस्पेक्टर राजेश वर्मा, इंस्पेक्टर जितेंदर वर्मा। सुमित उब्बा, जगबीर वर्मा एवं लालसिंह लालू ने भी इसे एक शानदार भेंट बताया व लेखक दम्पति के प्रयासों की सराहना की।

हिसार: पतंजलि योग समिति के सप्ताह भर चले योग विज्ञान शिविर का समापन

हिसार। पतंजलि योग समिति एवं भारत स्वाभिमान की ओर से चौधरी सूरजमल एंक्लेव रेजिडेंट वेलफेयर सोसायटी के सौजन्य से आयोजित आठ दिवसीय निःशुल्क योग विज्ञान शिविर का रविवार को समापन हो गया। समापन समारोह का आयोजन हवन यज्ञ के साथ संपन्न हुआ। पतंजलि योग समिति एवं भारत स्वाभिमान हिसार के प्रेस प्रवक्ता सुरेंद्र हिंदुस्तानी ने सभी उपस्थित योग साधकों को योग, प्राणायाम, और ध्यान करवाते हुए उनकी बारीकियों से अवगत करवाते हुए योग के नियमित अभ्यास में आने वाली सावधानियों पर भी प्रकाश डाला और जीवनशैली सुधारने के महत्व पर जोर दिया और खान-पान के स्वस्थ विकल्पों की सही दिनचर्या अपनाने पर विस्तृत से चर्चा की गई। योग शिविर में 21 कुंडीय हवन यज्ञ विशेष आकर्षण का केन्द्र रहा, जिसे मांगेराम कारेल ने विधिवत संपन्न करवाया।

पतंजलि समिति के प्रभारी वीरेंद्र बडाला ने उपस्थित साधकों को जोगिंग और विभिन्न योग अभ्यास करवाए, जिससे सभी को ऊर्जा और उत्साह की अनुभूति हुई। भारत स्वाभिमान, हिसार के प्रभारी डॉ. मुकेश कुमार ने भजनों का सुमधुर गायन किया जिससे उपस्थित सभी योग साधक मंत्रमुग्ध हो गए। भारत स्वाभिमान के प्रांतीय प्रभारी ईश आर्य का मार्गदर्शन भी सभी को प्राप्त हुआ। योग शिविर ने लोगों को स्वस्थ जीवन

शैली अपनाने और योग के महत्व को समझाने में विशेष महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर पतंजलि योग समिति के सुनील कक्कड़, सतवीर सिंह, विशाल, कृष्णा व घनश्याम मौजूद रहे। सूरजमल एनक्लेव योग कक्षा के संचालक राजेश सिंगल व महिला योग कक्षा संचालक अंजू समली सहित समिति के प्रधान विकास हुड्डा उप प्रधान दीपक कुमार, रवि जागलान, रामनिवास श्योकंद, जयवीर गुलिया, युद्धवीर पानू, रामदास, युधीर ग्यार, सुरेश, रामनिवास पूनिया, सुरेंद्र कुंडू, शमशेर पूनिया, सरोज दहिया, वजीर मोर, राज कपूर, दिनेश मोर, सज्जन, सुभाष चन्द्र, नफे सिंह आदि सदस्यों का योग शिविर को सफल करने में विशेष योगदान रहा।

जनता ने तीसरी बार जनादेश देकर जताया भाजपा में विश्वास : अशोक सैनी

हिसार। प्रदेश में तीसरी बार भारी बहुमत से सरकार बनने उपरांत भाजपा जिला कार्यालय में जिले की विभिन्न विधानसभा सीटों से चुनाव जीतने वाले नवनियुक्त विधायकों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। रविवार को हुएं इस कार्यक्रम में बरवाला से नवनिर्वाचित विधायक एवं कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा, हांसी से विधायक विनोद भ्याणा व नलवा से रणधीर पनिहार का सम्मान किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिला अध्यक्ष अशोक सैनी ने कहा कि हर कार्यकर्ता के लिए गर्व व हर्ष का विषय है कि प्रदेश की जनता ने तीसरी बार भाजपा को जनादेश दिया है। देश व प्रदेश की जनता भाजपा सरकारों की नीतियों व कार्यक्रमों से खुश है और इसका प्रमाण जनता ने पहले केन्द्र में और अब हरियाणा में तीसरी बार सरकार बनाकर दिया है। उन्होंने कहा कि तीसरी बार सरकार बनने के बाद पदाधिकारियों व कार्यकताओं की जिम्मेवारी और बढ़ जाती है और वे पहले से दोगुनी ताकत के साथ पार्टी की नीतियों व योजनाओं का प्रचार-प्रसार करें ताकि हर पात्र को इनका लाभ मिल सकें। सम्मान समारोह में कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि उनकी व अन्य साथी विधायकों की जीत पार्टी कार्यकताओं की मेहनत व जनता के सहयोग का परिणाम हैं। वे पार्टी की नीतियों पर चलते हुए कार्यकर्ता व मंत्री के तौर पर हर पात्र को योजनाओं व नीतियों का लाभ दिलवाने का पूरा प्रयास करेंगे। हांसी के विधायक विनोद भयाणा ने कहा कि जनता ने तीसरी बार जनादेश देकर हमारी जिम्मेवारी और बढ़ाई है। हमें जनता की आशाओं व पार्टी की नीतियों पर खरा उतरने का प्रयास करना है। नलवा के विधायक रणधीर पनिहार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में भाजपा सरकारों की जनकल्याणकारी नीतियों के चलते उन्हें जीत मिली है। वे भाजपा के अंत्योदय के सिद्धांत के तहत हर पात्र को उसका लाभ दिलवाने व सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों को जनता तक पहुंचाने का पूरा प्रयास करेंगे। भाजपा विधानसभा चुनाव मीडिया इंचार्ज राजेन्द्र सपड़ा ने बताया कि कार्यक्रम में तीनों नवनिर्वाचित विधायकों व वरिष्ठ नेताओं का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री डॉ. कमल गुप्ता, अनूप धानक, पूर्व सांसद डॉ. डीपी वत्स, जिला परिषद चेयरमैन सोनू डाटा, माटी कला बोर्ड के चेयरमैन ईश्वर मालवाल, वरिष्ठ नेता श्रीनिवास गोयल ने भी आए हुए पदाधिकारियों व कार्यकताओं को संबोधित किया। उपरोक्त के अलावा कार्यक्रम में जिला महामंत्री आशीष जोशी, जिला उपाध्यक्ष एडवोकेट धर्मबीर रतेरिया, संजीव रेवड़ी, रणधीर धीरू, राजेन्द्र सपड़ा, सरोज सिहाग, रतन सैनी, प्रवीण सैनी, रविन्द्र रॉकी व मनदीप मलिक, सहित अनेक पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एक नजर

सऊदी से लौटे कारोबारी की घर से बुलाकर हत्या

गोपालगंज,संवाददाता। हत्याओं का दौर थामने का नाम नहीं ले रहा है। बेखौफ अपराधियों ने कारपेंटर ठेकेदार को सरेआम गोली मार दी। गोली लगने से ठेकेदार की मौके पर ही मौत हो गई। मौत के बाद लोग आक्रोशित हो गए। वहीं, हत्या की वारदात के बाद से इलाके में सनसनी फैल गई है। थावे थाना क्षेत्र के पठानपट्टी गांव के नाम चाइटोला की घटना है। मृतक का नाम छोटे आलम है। वो पठानपट्टी के ही पश्चिम टोला गांव का रहने वाला था। बताया जाता है कि 28 वर्षीय युवक छोटे आलम कुछ माह पहले तक सऊदी में रहता था। वहां से वो अपने गांव वापस लौट आया था। अपने गांव में रहकर ही कारपेंटर ठेकेदारी का काम करता था। जानकारी के मुताबिक शनिवार की देर रात करीब 10 बजे अपने घर पर था। इसी दौरान पठानपट्टी के एक युवक ने उसे फोन कर घर से बाहर बुलाया। फिर उसको नजदीक से गोली मार दी। गोली लगने से छोटे आलम की मौके पर ही मौत हो गई। गोपालगंज सदर एसडीपीओ प्रांजल त्रिपाठी ने बताया कि पठान पट्टी गांव में युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई हैं। उन्होंने कहा कि परिजनों के बयान पर पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। इस मामले में एसआईटी का गठन किया गया है। बहरहाल, गोपालगंज जिले में इसके पूर्व भी राजमिस्त्री की हत्या की गई थी। महज दो दिन पहले ही शुक्रवार को अपराधियों ने कोर्ट परिसर में कुख्यात अपराधी विशाल सिंह और एक अन्य को गोली मारी थी। गोली मारने वाले अपराधी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। लेकिन उसी दिन रात को पुलिस कस्टडी में ही अपराधी पर फायरिंग की गई। गोपालगंज में हाल के दिनों में लगातार आपराधिक घटनाओं का दौर शुरू हो गया है। जो पुलिस के लिए एक बड़ी चुनौती है।

भोजपुर डीटीओ ऑफिस में साहब की ड्यूटी पर नींद भारी

आरा,संवाददाता। भोजपुर के जिला परिवहन पदाधिकारी कार्यालय में एक अजीबोगरीब नजारा देखने को मिला। यहां के एक क्लर्क संजय कुमार ठाकुर काम के दौरान अपनी कुर्सी पर गहरी नींद में सोते हुए पाए गए। यह घटना कैमरे में कैद हो गई और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। भोजपुर के जिला परिवहन कार्यालय से आईं तस्वीरों में साफ दिख रहा है कि कैसे एक कर्मचारी अपने कर्तव्यों को भूलकर कुर्सी पर आराम फरमा रहे हैं। इतना ही नहीं, वह गहरी नींद में सो रहे हैं और उन्हें इस बात की जरा भी परवाह नहीं है कि लोग उन्हें इस हालत में देख रहे हैं। तस्वीरों में साफ तौर पर दिख रहा है कि कैसे कार्यालय में काम करने की बजाय एक कर्मचारी कुर्सी पर नींद फरमा रहे हैं। ये सब तब हो रहा है जब लोग अपने काम के लिए कार्यालय आ रहे हैं और परेशान हो रहे हैं। इस घटना के बाद कई तरह के सवाल उठ रहे हैं। लोग परिवहन विभाग पर सवाल उठाने लगे हैं। इस मामले में एनबीटी ऑनलाइन ने भोजपुर के जिला परिवहन पदाधिकारी राजीव रंजन से संपर्क करने की कोशिश की गई लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया। वायरल वीडियो में जिस क्लर्क को सोते हुए दिखाया जा रहा है, उनका नाम संजय कुमार ठाकुर है। तस्वीरों में दिख रहा है कि वो दोपहर के समय काम करने के बजाय आराम फरमा रहे हैं। यहां लोग आकर काम के लिए परेशान रहते हैं और लिपिक महोदय कुर्सी पर बड़े आराम से नींद का मजा ले रहे हैं।इस घटना ने सरकारी कार्यालयों में कर्मचारियों की कार्यशैली पर एक बार फिर से सवाल खड़े कर दिए हैं। ये घटना इस बात का उदाहरण है कि कैसे कुछ कर्मचारी अपने कर्तव्यों को भूलकर लापरवाही बरतते हैं।

तीसरी बार रंगदारी नहीं दी तो 'ठोक दिया कट्टा कपार' में

सीतामढ़ी,संवाददाता। बिहार के सीतामढ़ी जिले में अपराधियों के तांडव से हर कोई परेशान है। यहां तक कि अब यहां के विधायक भी रंगदारों से नहीं बच सके है। यहां के दो विधायकों से भी रंगदारी मांगी जा चुकी है। आम लोग और कारोबारी तो बराबर यह सब झेलते रहते है। ताजा मामला गैस एजेंसी के एक संचालक से रंगदारी मांगे जाने का है। अपराधियों का मनोबल कितना बढ़ा हुआ है, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि रंगदारी नहीं देने पर अपराधियों ने गैस एजेंसी के संचालक को गोली मार दी। बताया गया है कि जिले के सोनबरसा थाना क्षेत्र के भलुआहा गांव के दीप नारायण महतो और राजेंद्र प्रसाद दोनों की संयुक्त रसोईगैस (छढक्ष) की एजेंसी है। ये एजेंसी भलुआहा और हनुमान नगर गांव के बीच है। रविवार की सुबह करीब सात बजे संचालक महतो घर से टहलते हुए एजेंसी पर पहुंचे। तभी पहले से घात लगा कर बैठे अपराधियों ने महतो को गोली मार दी। उन्हें एक ही गोली लगी थी कि हल्ला हो गया और पकड़े जाने के भय से अपराधी फरार हो गए। जख्मी एजेंसी संचालक महतो को सीतामढ़ी शहर के एक निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया है। महतो की कनपटी में गोली लगी है। बताया गया है कि दो अपराधी थे और दोनों एक ही बाइक से थे। महतो ने इलाज के दौरान मीडिया को बताया कि दोनों अपराधी उनके गांव के ही हैं। खबर है कि एजेंसी संचालक से उनसे कुछ दिन पहले पांच लाख रुपए की रंगदारी की मांग की गई थी। पैसा नहीं देने पर गोली मारी गई है। बताया गया है कि इससे पहले भी महतो से दो बार रंगदारी की मांग की जा चुकी है। इधर, डीएसपी - 2 आशीष आनंद ने नर्सिंग होम में पहुंच कर जख्मी संचालक से घटना और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली।

आईएएस संजीव हंस बेऊर जेल में मनाएंगे दिवाली !

☐करवट बदलते कट रही रात ☐जेल प्रशासन से कमोड की मांग

पटना,संवाददाता। जस करनी तस भोगहु ताता, नरक जात पुनि क्या पछताता। जी हां, आईएएस अधिकारी संजीव हंस पर यह पंक्तियां लागू होती हैं। आईएएस अधिकारी संजीव हंस को मनी लॉन्ड्रिंग और भ्रष्टाचार के मामले में गिरफ्तारी के बाद ईडी ने बेऊर जेल भेज दिया है। संजीव हंस जब शुक्रवार को बेऊर जेल पहुंचे, तो उन्हें सबसे पहले आमद वार्ड में रखा गया। जेल से जुड़े सूत्रों की मानें, तो देर रात तक उन्होंने उस दिन खाना नहीं खाया। पूरी रात भ्रष्टाचार की यादों में खोए रहे। करवट बदलते हुए पूरी रात काट डाली।

सुबह होते ही लग्जरी लाइफ की याद आई। घुटनों में दर्द की बात कहकर जेल प्रशासन से कमोड वाले वॉशरूम की मांग कर दी। उसके बाद उन्होंने खुद की तबीयत को खराब बताया। आईएएस अधिकारी को तत्काल बेऊर जेल के अस्पताल में शिफ्ट किया गया। जांच के दौरान उनकी बीपी थोड़ी बढ़ी हुई मिली। तत्काल उन्हें दवाई दे दी गई। शनिवार को ठीक सुबह उनकी पत्नी बेऊर जेल मिलने पहुंची। संजीव हंस ने एक और मांग रख दी। जेल प्रशासन ने उसे मानने से इनकार कर दिया। संजीव हंस ने घर से खाना मंगाने की इजाजत मांगी। जेल प्रशासन ने बाकी कैदियों का हवाला देते हुए और एक सामान ट्रीटमेंट की बात कहते हुए घर का खाना अंदर जाने से मना कर दिया। वहीं दूसरी ओर इसी दिन यानी शनिवार रात को ईडी के अधिकारी बेऊर जेल पहुंचे। सवा नौ बजे के आस- पास आरजेडी के पूर्व विधायक गुलाब यादव के जेल पहुंचने के बाद उन्हें आमद वार्ड में रखा गया। ध्यान रहे कि ईडी ने शुक्रवार को की गई ताजा छापेमारी के बाद संजीव हंस और गुलाब यादव को गिरफ्तार किया था।

शुक्रवार को हुई तलाशी के दौरान ईडी को बिहार ऊर्जा विभाग में टेंडर घोटाले में हंस की संलिप्तता का पता चला, उस समय वह विभाग में प्रधान सचिव थे। मामले से परिचित ईडी अधिकारी ने मीडिया को बताया कि हंस को पटना में विशेष पीएमएलए अदालत में पेश किया गया और 29 अक्टूबर तक बेऊर सेंट्रल जेल भेज दिया गया। संभवतः दिवाली भी जेल में ही कटने वाली है।

एजेंसी द्वारा मनी लॉन्ड्रिंग का मामला बिहार की विशेष सतर्कता इकाई (एसवीयू) द्वारा हंस की पत्नी, पिता, साले, ससुर और एसपी सिंगला कंस्ट्रक्शन कंपनी सहित 13 लोगों के खिलाफ दर्ज की गई प्राथमिकी (एफआईआर) पर आधारित है। यह मामला ईडी के निर्देश पर दर्ज किया गया था, जिसने पहले उनसे जुड़े कई स्थानों पर तलाशी ली थी। हंस और यादव पर इलाहाबाद उच्च न्यायालय की एक वकील को सरकारी पैनल में पद दिलाने में मदद करने के बहाने उसका यौन शोषण करने का भी आरोप लगाया गया था, लेकिन अगस्त में पटना उच्च न्यायालय ने मामला खारिज कर दिया था। जांच के दौरान ईडी को पता चला कि हंस और यादव की पत्नियों के पास पुणे में एक सीएनजी पेट्रोल पंप और एक टायर फैक्ट्री है। संजीव का परिवार दिल्ली में बिहार के ठेकेदार प्रवीण चौधरी के फ्लैट में रहता है।

अधिकारी ने यह भी खुलासा किया कि हंस ने कथित तौर पर अपने विभागीय मंत्री और वरिष्ठ नौकरशाहों के नाम पर धन एकत्र किया था। पंजाब के मूल निवासी हंस राज्य ऊर्जा विभाग के प्रधान सचिव थे, लेकिन इस मामले में ईडी द्वारा पहले दौर की छापेमारी के बाद अगस्त में उन्हें सामान्य प्रशासन विभाग में स्थानांतरित कर दिया गया था। मामले से परिचित अधिकारियों ने बताया कि झंझारपुर से राजद के पूर्व विधायक गुलाब यादव हंस के करीबी सहयोगी थे।

पिछले महीने ईडी ने आईएएस हंस के सहयोगियों के परिसरों पर और तलाशी ली, जिनके साथ उनके वित्तीय लेन-देन थे। 10 सितंबर से 12 सितंबर के बीच दिल्ली, मुंबई और कोलकाता में पांच स्थानों पर तलाशी ली गई। तलाशी अभियान के दौरान 87 लाख रुपये की अघोषित नकदी , लगभग 11 लाख रुपये मूल्य की 13 किलोग्राम चांदी और 1.5 करोड़ रुपये मूल्य के 2 किलोग्राम सोने के सिक्के और आभूषण जब्त किए गए। उपरोक्त के अतिरिक्त, हवाला लेनदेन या बैंकिंग लेनदेन के विवरण वाले विभिन्न आपत्तिजनक साक्ष्य (भौतिक/डिजिटल) भी बरामद किए गए।

जामुड़िया में तृणमूल कांग्रेस का विजया मिलन समारोह आयोजित, कर्मियों को किया गया सम्मानित

जामुड़िया। जामुड़िया विधानसभा अंतर्गत चिचुड़िया ग्राम पंचायत के आरएन कॉलोनी स्थित सामुदायिक भवन में रविवार को तृणमूल कांग्रेस द्वारा विजया मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान जामुड़िया ब्लॉक दो के सभी पंचायत तथा अंचल के तृणमूल कांग्रेस कर्मियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान जामुड़िया विधायक हरेराम सिंह ने कहा कि सभी तृणमूल कांग्रेस कर्मियों को एकजुट करने के उद्देश्य से विजया मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

उन्होंने कहा कि जामुड़िया ब्लॉक के सभी आठों अंचल के नए पुराने तृणमूल कांग्रेस कमियों को सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा कि तृणमूल कांग्रेस एक परिवार है जिसमें नए पुराने सभी कर्मियों का दल में सामान अधिकार है। वही आपसी एकजुटा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विजया मिलन समारोह का आयोजन किया गया। विजया मिलन समारोह के दौरान जामुड़िया विधायक हरेराम सिंह, तृणमूल छात्र परिषद के जिला अधक्ष्य अभिनव मुखर्जी, जामुड़िया ब्लॉक दो तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष सिद्धार्थ राना, जामुड़िया ब्लॉक एक अध्यक्ष सुब्रतो अधिकारी, महिला ब्लॉक अधक्ष्य पुतुल बनर्जी, महिला नेत्री लतीफा काजी,युवा तृणमूल कांग्रेस नेता प्रेमपाल सिंह,तृणमूल कांग्रेस नेता दिनेश चक्रवर्ती, लालटू काजी,असित मंडल, उदीप सिंह, संदीप सिन्हा,तापस चक्रवर्ती,बुधन रुइदास, संदीप बनर्जी, आदित्य लाहा,ज्वेल काजी आदि प्रमुख रूप से मौजूद थे।

हाथ में नोट देखते ही खिल उठा मैडम का चेहरा

☐हाथ में नोट देखते ही खिल उठा मैडम का चेहरा
☐ओके के साथ मिली बुजुर्ग को गारंटी

कटिहार,संवाददाता। बिना पैसा लिए मैडम सिर्फ पन्ना पलटते जा रही थीं, जैसे ही पैसा मिला 'ओके' का भरोसा मिल गया। मतलब, ये हुआ कि आपका बिल पास हो जाएगा। मैडम के इन हरकतों पर किसी की नजर थी और उसने चुपके से इसका वीडियो बना लिया। वरना, किसी को क्या पता चलता कि बिना पैसा लिए मैडम एक भी बिल पास नहीं करती हैं। कटिहार जिले के बारसोई बाल विकास कार्यालय में महिला पर्यवेक्षिका किरण कुमारी का रिश्वत लेते हुए वीडियो सामने आया है। वीडियो में किरण कुमारी एक आंगनबाड़ी सेविका से वाउचर पास करने के नाम पर पैसे लेती दिख रही हैं। मामला सामने आने के बाद जिलाधिकारी ने जांच के आदेश दिए हैं। जानकारी के मुताबिक किरण कुमारी बारसोई प्रखंड में महिला पर्यवेक्षिका के रूप में पोस्टेड हैं। रोजाना की तरह गुरुवार को भी ऑफिस आई थी। सामने टेबल पर कागजों का अंबार है। दरअसल, ये कागज ही नोटों के अंबार हैं। वीडियो में साफ दिख रहा है कि किरण कुमारी अपने कार्यालय में बैठी हैं और एक महिला उनसे बात कर रही है। महिला के हाथ में कुछ पैसे हैं जो वह किरण कुमारी को देती दिख रही है। वीडियो आने के बाद ऑफिस में हड़कंप मच गया।

इस संबंध में जब किरण कुमारी से बात करने की कोशिश की गई तो उन्होंने कुछ भी कहने से इनकार कर दिया। वहीं, जेडीयू नेता रोशन अग्रवाल ने इस मामले की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि इस तरह खुलेआम रिश्वत लेना निंदनीय है। उन्होंने मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। रोशन अग्रवाल ने कहा कि मैंने खुद वीडियो देखा है जिसमें महिला पर्यवेक्षिका सेविका से रिश्वत ले रही हैं। यह बहुत ही शर्मनाक है। उन्होंने आगे कहा कि वह इस मामले को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सामने भी उठाएंगे। इस मामले में कटिहार के जिला अधिकारी मनेश कुमार मीणा ने कहा है कि मामले की जांच की जाएगी। अगर इस तरह का कोई मामला सामने आया है तो निश्चित तौर पर कार्रवाई होगी। भ्रष्टाचार के खिलाफ उनकी जीरो टॉलरेंस की नीति है और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। जिलाधिकारी ने बताया कि इस तरह के मामलों में पहले भी कार्रवाई की गई है और कई अधिकारियों को निलंबित भी किया जा चुका है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि अगर उन्हें भ्रष्टाचार का कोई भी मामला दिखता है तो उसकी शिकायत करें।

सियासत : बिहार उपचुनाव में जन सुराज पार्टी का लिटमस टेस्ट

पटना,दीपक कुमार तिवारी। 2025 के आगामी विधानसभा चुनाव से पहले बिहार की राजनीति में एक नई हवा चलाने का दावा करने वाले जन सुराज पार्टी के नायक, प्रशांत किशोर (पीके), ने विधान सभा उपचुनाव के लिए तीन ऐसे उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है, जो पारंपरिक राजनीति से हटकर समाज को नई दिशा देने का वादा करते हैं। ये उम्मीदवार शिक्षक, डॉक्टर, और सेनानी की भूमिका निभाते हुए जनता के बीच अपनी पहचान बना चुके हैं। प्रशांत किशोर ने बेलागंज विधानसभा सीट से प्रोफेसर खिलाफत हुसैन को उम्मीदवार बनाकर मुस्लिम समुदाय के साथ किए गए वादों को पूरा करने की दिशा में कदम बढ़ाया है। हुसैन, गणित के प्रोफेसर रहे हैं, जिन्होंने समाज को शिक्षा का योगदान दिया है। उनके चुनावी सफर में सबसे बड़ा सवाल यह है कि जनता उन्हें एक शिक्षाविद् के रूप में स्वीकार करेगी या जातीय समीकरण का खेल चलेगा। इमामगंज विधानसभा क्षेत्र से जन सुराज ने एक शिशु रोग विशेषज्ञ को उतारा है, जिन्होंने कम फीस में गरीबों का इलाज कर अपनी पहचान बनाई है। कोविड-19 के दौरान उनकी निःशुल्क सेवाओं ने उन्हें जनता के बीच एक मसीहा की छवि दी।

तरारी विधान सभा से पीके ने एक ऐसे पूर्व सेनानी को चुना है, जिनका जीवन देश की सुरक्षा में बीता है। अब वे बदलाव की उम्मीद के साथ जनता के बीच आए हैं, और देश के लिए जागकर सेवा करने वाले अब जनता के लिए नई राजनीति का विकल्प पेश कर रहे हैं। जन सुराज के कार्यकारी अध्यक्ष मनोज भारती का कहना है, "हम मजबूत नहीं, सही लोगों को चुनते हैं। हमारा उम्मीदवार जनता के बीच से आता है, और उसकी छवि साफ-सुथरी होती है। यह जनता पर निर्भर करता है कि वे इस नए ट्रेंड के साथ चलते हैं या पारंपरिक धनबल, बाहुबल और जातिवाद की राजनीति का हिस्सा बने रहते हैं। जनता के इस चुनावी लिटमस टेस्ट में अब देखना होगा कि वे किसे चुनती है–समाज को देने वाले उम्मीदवारों को या फिर पुरानी धारणाओं को।

रानीगंज में प्रयास फाउंडेशन और नारी बंधन द्वारा निशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं रक्तदान शिविर का आयोजन

रानीगंज। रानीगंज की प्रमुख सामाजिक संस्था प्रयास फाउंडेशन एवं नारी बंधन के द्वारा रानीगंज के पीएन मालिया रोड स्थित सियारसोल राज हाई स्कूल में एक निशुल्क स्वास्थ्य जांच और रक्तदान शिविर का आयोजन किया। इस शिविर में लगभग 50 यूनिट रक्त संग्रह किया गया और 100 से अधिक लोगों की स्वास्थ्य जांच की गई। इस शिविर में रोनाई क्षेत्र के विनय चौधरी मेमोरियल हॉस्पिटल के डॉक्टरों की टीम ने लोगों की जांच की। डॉक्टरों ने ईसीजी, गाइनोकोलॉजी,ऑथोपेडिक सहित कई अन्य विभागों में विशेषज्ञ सेवाएं प्रदान कीं। इस कार्यक्रम में पश्चिम बर्धमान जिले में रक्तदान आंदोलन के अग्रणी प्रवीर धर रानीगंज चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष रोहित खेतान, चेयरमैन अरुण भरतीया,अभिमन्यु भगत, विनय चौधरी मेमोरियल हॉस्पिटल के जनरल मैनेजर दीपेंद्र कुमार सिंह,और प्रयास फाउंडेशन के संस्थापक पिंटू कुमार गुप्ता समेत सदस्यगण मौजूद थे। इस दौरान पिंटू कुमार गुप्ता ने बताया कि उनकी संस्था समाज सेवा के विभिन्न कार्यों में सक्रिय रूप से योगदान देती है। उन्होंने कहा की हाल ही में दुर्गा पूजा के दौरान रक्तदान शिविरों की संख्या में कमी आई थी,जबकि थैलेसीमिया जैसे गंभीर बीमारियों से जूझ रहे बच्चों को नियमित रक्त की आवश्यकता होती है। इसी वजह से इस शिविर का आयोजन किया गया है। इस शिविर ने न केवल रक्तदान को प्रोत्साहित किया, बल्कि लोगों को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक भी किया।

भारत में दलित पिछड़ा और अल्पसंख्यकों पर अत्याचार दंगा और संविधान पर हमले के लिए नीतीश और नायडू दोषी है–नंद बिहारी यादव

आसनसोल। मान्यवर काशीराम जी बसपा के संस्थापक की पुण्यतिथि बसपा पश्चिम बर्दवान जिला कमेटी के द्वारा निंघा मोड पर बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के आदमकद मूर्ति के समक्ष आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि राष्ट्रीय जनता दल राष्ट्रीय परिषद के सदस्य एवं शिल्पांचल के जाने-माने वरिष्ठ अधिवक्ता समाजवादी नेता नंद बिहारी यादव उपस्थित थे। उन्होंने इस पुण्यतिथि समारोह को संबोधित करते हुए कहा की मान्यवर काशीराम की पुण्यतिथि उनके आदर्श उनके मिशन और उनके संघर्ष के स्मृति के पद पर चलना है उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी श्री यादव ने कहा कि वर्तमान समय में मान्यवर काशीराम के जो चेतना और सामाजिक राजनीतिक कार्य थे वह प्रासंगिक है कि आज गणतंत्र भारत खतरे में है।

भारत के लोकतंत्र और संविधान पूरी तरह से गुलामी के जंजीर में पड़ चुका है और कभी भी किसी भी समय दिल्ली में बैठी हुई संघ और मनुवाद की सरकार भारत के संविधान को खत्म कर देगा श्री यादव ने वर्तमान स्थिति को सामाजिक रूप से बहुत खतरनाक बताते हुए कहा कि आज संघ के राजनीतिक मुखौटा पॉलिटिकल फ्रंट भाजपा है जो मोदी सरकार के रूप में भारत के संविधान को धीरे-धीरे खत्म कर रहा है। उन्होंने कहा कि देश की 50% आबादी के बहुजन समाज की है वह आज उसके आर्थिक सामाजिक राजनीतिक और सांस्कृतिक और उनके पूर्वजों का इतिहास पूरी तरह से एक संयंत्र की तरह खत्म किया जा रहा है श्री यादव ने कहा कि आज देश में संघ और भाजपा नंगा नाच कर रहा है पूरे देश को दंगा में धकेलना के लिए मोदी सरकार बहुत साजिश के तहत देश में दलित पिछड़े और अल्पसंख्यक पर जो अन्याय अत्याचार और जुल्म किया जा रहा है और संविधान की शपथ लेकर संविधान को ही खत्म कर रहा है इसे समझने की जरूरत है और इसके विरुद्ध खड़ा होने की जरूरत है दिल्ली में बैठी सरकार जो आज जहां-जहां भाजपा की सरकार है वहां पर दंगा अत्याचार गरीब दलित पिछड़ा अल्पसंख्यको पर जुल्म कर रही है और खुलेआम दंगा कर रही है यह इसका उदाहरण उत्तर प्रदेश के बहराइच कांड से किया श्री यादव ने कहा कि किस तरह से बहराइच में उत्तर प्रदेश की सरकार पुलिस प्रशासन के सामने अल्पसंख्यक समाज के मकान पर चलकर उनके आस्था और धार्मिक झंडे को उखाड़ कर फेंक दिया और वहां सैकड़ो घरों में आग लगा दी गई घर लूट लिए गए इस तरह से दंगा का नंगा नाच भाजपा सरकार करवाई लेकिन दंगाइयों के ऊपर कोई कार्रवाई नहीं की बल्कि जिनके घर तोड़ी गई जिनके घरों पर से झंडा उखाड़ गया उनके खिलाफ वहां की सरकार कोई कामिनी कार्रवाई न करके जिनके घर के झंडे उखाड़ दिए गए रेलिंग छोड़ दी गई जिनके घरों में आग लगा दी गई उन्हें गिरफ्तार करके ले गई और उनका एनकाउंटर करने का प्रयास किया आज स्थित अंग्रेजों के शासनकाल मैं जो नहीं हुआ वह इस सरकार में हो रहा है श्री यादव ने कहा कि आज जो भी देश में दलित पिछड़े अल्पसंख्यको पर अत्याचार हो रहा है उसके लिए पूर्ण रूप से मोदी से भी ज्यादा बिहार के बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू दोषी है क्योंकि यही दोनों दिल्ली में मोदी सरकार चला रहे हैं और पूरे देश में अराजकता दलित पिछड़ों पर अत्याचार अन्याय और अल्पसंख्यकों के घर में लूटपाट एवं पर जुल्म हुआ है उसके लिए बिहार बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एवं तमिलनाडु के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू दोषी है क्योंकि यही दोनों दिल्ली में मोदी सरकार को चला रहे हैं और मोदी सरकार देश में संविधान पर लगातार हमला कर रही है और भारतीय लोकतंत्र के जो भी संवैधानिक संस्थान है वह पूरी तरह से मोदी सरकार कब्जे में कर लिया है और आज देश में नागरिक सुरक्षित नहीं है संवैधानिक संस्था सुरक्षित नहीं है और न्यायपालिका पर भी उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि आज न्यायपालिका में बैठे जज भी स्वसंज्ञान नहीं लेते हैं जिससे आज देश की संवैधानिक व्यवस्था पूरी तरह से खतरे में है उन्होंने उपस्थित नागरिकों और बहुजन समाज के नेताओं से मान्यवर काशीराम जी के सामाजिक परिवर्तन और बहुजन समाज के लिए किए गए कार्यों का अनुकरण करने का बहुजन समाज के नेताओं एवं उपस्थित लोगों से आह्वान किया।

सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के सीएसआर खर्च में पीएम इंटर्नशिप योजना शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने चालू वित्त वर्ष के लिए केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों (सीपीएसई) के लिए कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) दिशानिदेर्शों में संशोधन किया है। अब सीपीएसई के सीएसआर में सामान्य विषय या थीम के रूप में प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना को शामिल किया गया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

वर्तमान में केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम अपने कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व कोष का उपयोग करने में थीम या विषय-आधारित दृष्टिकोण का अनुपालन करते हैं। सीपीएसई को अपने सीएसआर कोष का 60 प्रतिशत किसी विशेष वर्ष के लिए निर्धारित 'थीम' पर खर्च करना होता है।

एक अधिकारी ने पीटीआई-भाषा को बताया, 'हमने 2024-25 के लिए सीपीएसई द्वारा सीएसआर गतिविधियों के लिए सामान्य विषय के रूप में 'स्वास्थ्य और पोषण' में प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना को जोड़ा है। सीपीएसई इस वित्त वर्ष में अपने सीएसआर कोष का 60 प्रतिशत 'स्वास्थ्य और पोषण' और प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना पर खर्च करेंगे।'

कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय ने इस महीने की शुरूआत में प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के तहत कंपनियों के साथ-साथ इंटर्न का भी नामांकन शुरू किया है। पांच साल में इस योजना के तहत एक करोड़ युवाओं को इंटर्नशिप प्रदान करने की परिकल्पना की गई है। पायलट परियोजना के तहत 12 महीने की इंटर्नशिप दो दिसंबर से शुरू होगी। इसपर 800 करोड़ रुपये की लागत आने का अनुमान है। मार्च, 2025 को समाप्त होने वाले चालू वित्त वर्ष में 1.25 लाख युवाओं को इसके तहत लाने का लक्ष्य है।

पीएम इंटर्नशिप योजना की घोषणा वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने 2024-25 के बजट में की थी। इस योजना के तहत शीर्ष 500 कंपनियां 21-24 वर्ष की आयु के युवाओं को इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करेंगी और साथ ही जीवन बीमा सुरक्षा भी प्रदान करेंगी। एक वर्ष के लिए 5,000 रुपये की मासिक वित्तीय सहायता के अलावा, इंटर्न के लिए 6,000 रुपये का एकमुश्त अनुदान दिया जाएगा। मासिक सहायता में सरकार द्वारा 4,500 रुपये और कंपनी द्वारा अपने सीएसआर कोष से 500 रुपये दिए जाएंगे।

अधिकारी ने आगे कहा कि जैसे-जैसे निजी क्षेत्र इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करने में आगे बढ़ेगा, सीपीएसई को भी इस योजना में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। योजना के तहत 25 अक्टूबर तक पोर्टल पर पंजीकरण कराया जा सकता है और 26 अक्टूबर को आवेदकों का नाम छांटा जाएगा। इसके बाद 27 अक्टूबर से सात नवंबर तक कंपनियों द्वारा उम्मीदवारों का चयन किया जाएगा। इसके बाद चयनित उम्मीदवारों के पास पेशकश (ऑफर) स्वीकार करने के लिए आठ से 15 नवंबर तक का समय होगा। एक उम्मीदवार को अधिकतम तीन पेशकश दी जाएंगी।

सीमित दायरे में रहेगा बाजार

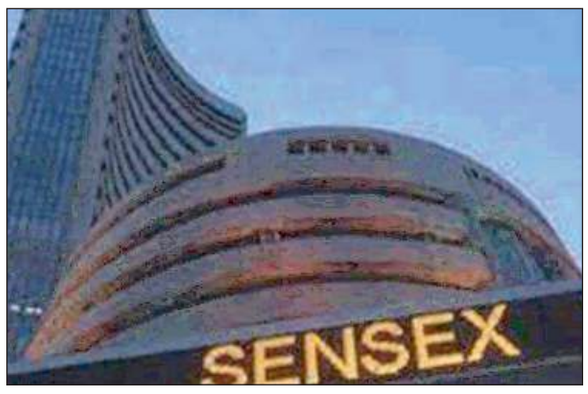

मुंबई, एजेंसी। विदेशी फोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की लगातार जारी बिकवाली, कंपनियों की दूसरी तिमाही के कमजोर परिणाम और ऊंचे मूल्यांकन पर हुई बिकवाली के दबाव में बीते सप्ताह गिरावट पर रहे घरेलू शेयर बाजार अगले सप्ताह सीमति दायरे में कारोबार करेगा।

बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 156.6 अंक अर्थात 0.21 प्रतिशत कमजोर होकर सप्ताहांत पर 81224.75 अंक पर आ गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 110.2 अंक यानी 0.44 प्रतिशत उतरकर 24854.05 अंक पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में बीएसई की दिग्गज कंपनियों की तरह मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में भी बिकवाली का दबाव रहा। इससे मिडकैप 490.5 अंक अर्थात 1.01 प्रतिशत का गोता लगाकर सप्ताहांत पर 47946.33 अंक और स्मॉलकैप 100.04 अंक यानी 0.21 प्रतिशत टूटकर 56500.05 अंक रह गया। विश्लेषकों के अनुसार, बीते सप्ताह एफपीआई की लगातार जारी बिकवाली, कंपनियों की वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही की उम्मीद से कमजोर परिणाम और ऊंचे मूल्यांकन पर हुई बिकवाली का दबाव रहा। कमजोर मांग और इनपुट कीमतों में अस्थिरता के कारण तिमाही के दौरान कंपनियों की आय में मंदी रही। साथ ही अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव से पहले भू-राजनीतिक तनाव और अनिश्चितता से निवेशकों ने निवेश के सुरक्षित गंतव्य स्वर्ण की ओर रुख किया, जिससे इस कीमती धातु के भाव नये रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गए।

वहीं, एक प्रमुख ऑटो कंपनी द्वारा त्योहारी मांग कमजोर रहने की चेतावनी से सूचकांकों पर दबाव और बढ़ गया। दूसरी ओर बैंक निफ्टी ने उम्मीद से कम गिरावट के साथ आय सत्र की सकारात्मक शुरूआत के कारण चालू सप्ताह के नुकसान की भरपाई कर ली, जिससे बड़े निजी बैंकों को समर्थन मिला। चीन के प्रोत्साहन उपायों के कारण शेयरों के भाव सस्ते रहने से घरेलू बाजार की तुलना में निवेश का प्रवाह चीनी बाजारों की ओर रहने की उम्मीद है। हालांकि विकास में स्थिरता और पूंजीगत व्यय में वृद्धि के साथ घरेलू बाजार के लिए दीर्घकालिक दृष्टिकोण मजबूत बना हुआ है। अल्पावधि में बाजार के मिश्रित रुझान के साथ सीमित दायरे में रहने का अनुमान है। वहीं, निवेशकों को ऐसे समय में समूह और शेयर विशेष की ओर अधिक रुख करने की सलाह दी जाती है। इनके अलावा निवेशकों का फोकस लार्ज कैप और स्टेपल, कृषि, एफएमसीजी, खपत, बिजली, डिजिटल और इंफ्रा जैसे विकास क्षेत्रों पर रहेगा। निवेशकों को अल्पकालिक से मध्यम अवधि के आधार पर गिरावट पर खरीदारी की रणनीति रखनी चाहिए।

बीते सप्ताह बाजार में दो दिन तेजी जबकि तीन दिन गिरावट रही। चीन के पिछले सप्ताह किए गए प्रोत्साहन वादे के दुनिया भर के निवेशकों को आकर्षित करने में विफल रहने से विश्व बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर वित्तीय सेवाएं, आईटी, बैंकिंग, रियल्टी और टेक समेत पंद्रह समूहों में हुई लिवाली की बदौलत सोमवार को सेंसेक्स 591.69 अंक की छलांग लगाकर 81,973.05 अंक और निफ्टी 163.70 अंक उछलकर 25,127.95 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से चार कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 81,151 करोड़ रुपये बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से चार के बाजार मूल्यांकन (मार्केट कैप) में पिछले सप्ताह कुल मिलाकर 81,151.31 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। सबसे अधिक लाभ आईसीआईसीआई बैंक और एचडीएफसी बैंक को हुआ। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 156.61 अंक या 0.19 प्रतिशत नीचे आया। समीक्षाधीन सप्ताह में एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के बाजार पूंजीकरण में बढ़ोतरी हुई। वहीं दूसरी ओर रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईटीसी और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की बाजार हैसियत सामूहिक रूप से 76,622.05 करोड़ रुपये घट गई। सप्ताह के दौरान आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 28,495.14 करोड़ रुपये बढ़कर 8,90,191.38 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 23,579.11 करोड़ रुपये बढ़कर 12,82,848.30 करोड़ रुपये हो गया। एसबीआई का बाजार मूल्यांकन 17,804.61 करोड़ रुपये बढ़कर 7,31,773.56 करोड़ रुपये पर और भारती एयरटेल का 11,272.45 करोड़ रुपये के उछाल के साथ 9,71,707.61 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

चेक कंपनी के अधिग्रहण के लिए बातचीत कर रहा है जिंदल समूह

नई दिल्ली, एजेंसी। अपनी वैश्विक उपस्थिति को मजबूत करने के लिए घरेलू जिंदल समूह चेक कंपनी विटकोवाइस की 100 प्रतिशत हिस्सेदारी के अधिग्रहण के लिए बातचीत कर रहा है।

सूत्रों ने यह जानकारी देते हुए कहा कि समूह अपनी इकाई जिंदल स्टील इंटरनेशनल के जरिये इस वित्त वर्ष के अंत तक यह अधिग्रहण पूरा कर सकता है। यह यूरोप में जिंदल समूह का पहला अधिग्रहण होगा।

नवीन जिंदल के स्वामित्व वाले कारोबारी घराने की पहले से ही ऑस्ट्रेलिया, मोजाम्बिक और ओमान जैसे देशों में इस्पात, बिजली और खनन जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण उपस्थिति है।

उद्योग सूत्रों ने कहा, 'दोनों पक्षों का प्रबंधन इस सौदे के लिए सक्रिय रूप से बातचीत कर रहा है। सौदे के हिस्से के रूप में जिंदल समूह विटकोवाइस स्टील में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करेगा।'

सूत्रों के अनुसार, सौदे का आकार लगभग 15 करोड़ यूरो (लगभग 1,000 करोड़ रुपये) हो सकता है। विटकोवाइस स्टील के अधिग्रहण से जिंदल समूह को यूरोपीय बाजार में पैठ जमाने में मदद मिलेगी। समूह ओमान में अपनी इकाई वल्कन ग्रीन स्टील (वीजीएस) के माध्यम से हाइड्रोजन आधारित स्टील विनिर्माण इकाई भी स्थापित कर रहा है।

केईआई इंडस्ट्रीज ने 'सुरक्षा ज्योति' किया लॉन्च

नई दिल्ली, एजेंसी। केईआई इंडस्ट्रीज ने देश भर में बिजलीकर्मियों की सुरक्षा और आर्थिक स्थिति में सुधार लाने के उद्देश्य से ज्योति सीरीज के अंतर्गत अपना सीएसआर अभियान 'सुरक्षा ज्योति' लॉन्च किया है।

कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि इस अभियान के अंतर्गत बिजलीकर्मियों को ई-श्रम कार्ड दिए जाएंगे, जिसके द्वारा उन्हें दुर्घटना बीमा और सरकारी कल्याण योजनाओं का लाभ मिल सकेगा। इस अभियान के अंतर्गत ई-श्रम कार्ड द्वारा पेंशन लाभ की मदद से दीर्घकालिक वित्तीय सुरक्षा को भी उजागर किया गया है, जिससे बिजलीकर्मियों और उनके परिवारों को सुरक्षा मिलेगी।

कंपनी के सीएसआर फाउंडेशन की मुख्य कस्टोडियन एवं कंपनी की निदेशक अर्चना गुप्ता ने सभी बिजलीकर्मियों को संबोधित करते हुए उन्हें अपना परिवार बताया तथा उनके परिवारों की सुरक्षा, बच्चों की शिक्षा, आर्थिक कल्याण एवं सुरक्षा की जरूरत पर बल दिया। इस संकल्प को मजबूत करने के लिए उन्होंने 'ब्राइट फ्यूचर इन सेफ हैंड्स' का नारा दिया।

श्रीमती गुप्ता ने कहा 'केईआई में 'ज्योति' सीरीज के अंतर्गत हमारे सीएसआर अभियान मानव विकास के विभिन्न पहलुओं को कवर करते हैं, जिनमें हैल्थकेयर, भूख, गरीबी उन्मूलन, शिक्षा, पर्यावरण की सस्टेनेबिलिटी, और खेल को प्रोत्साहन शामिल हैं। हम न केवल घरों को समर्थ बनाते हैं, बल्कि उन लोगों का जीवन भी सशक्त बनाते हैं, जो उनका निर्माण करते हैं। हमारे 'सुरक्षा' ज्योति अभियान द्वारा हम बिजलीकर्मियों का भविष्य सुरक्षित बनाने के लिए समर्पित हैं, और उनके वित्तीय एवं सामाजिक कल्याण में सहयोग देते हैं। हम सभी के लिए एक प्रसन्नचित्त, समृद्ध और खुशनुमा दिवाली की कामना करते हैं।'

इस अभियान द्वारा केईआई इंडस्ट्रीज का उद्देश्य ई-श्रम कार्ड के लिए बिजलीकर्मियों का पंजीकरण करवाकर उन्हें सहयोग देना है ताकि उन्हें आर्थिक सुरक्षा मिल सके। इसके मुख्य लाभों में कार्यस्थल पर या दुर्घटनावश मृत्यु होने पर 2 लाख रुपये तक का बीमा कवरेज, काम करते हुए दुर्घटनाग्रस्त होने पर आंशिक विकलांगता के लिए 1 लाख रुपये का बीमा कवरेज और 60 साल की उम्र पूरी होने पर 3,000 रुपये प्रतिमाह की पेंशन शामिल हैं।

चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में वाहन निर्यात 14 प्रतिशत बढ़कर 25.28 लाख इकाई पर

नई दिल्ली, एजेंसी। चालू वित्त वर्ष (2024-25) की पहली छमाही में भारत से वाहन निर्यात में सालाना आधार पर 14 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। मुख्य रूप से यात्री वाहनों और दोपहिया की खेप बढ़ने से कुल निर्यात बढ़ा है। वाहन विनिमार्ताओं के संगठन सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है।

सियाम के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-सितंबर में भारत का वाहन निर्यात 14 प्रतिशत बढ़कर 25,28,248 इकाई रहा, जो एक साल पहले की समान अवधि में 22,11,457 इकाई था।

सियाम के अध्यक्ष शैलेश चंद्रा ने कहा, 'लातिनी अमेरिका और अफ्रीका जैसे बाजार जहां किसी न किसी वजह से सुस्ती थी, वहां अब स्थिति में सुधार हुआ है। इस वजह से निर्यात का आंकड़ा बढ़ा है।' मुद्राओं के अवमूल्यन के कारण विभिन्न अफ्रीकी देशों और अन्य क्षेत्रों को चुनौतियों का सामना करना पड़ा था। इससे उनका वाहन आयात प्रभावित हुआ था क्योंकि ये देश आवश्यक वस्तुओं के आयात पर ध्यान केंद्रित कर रहे थे। विभिन्न विदेशी बाजारों में मौद्रिक संकट के कारण वित्त वर्ष 2023-24 में वाहन निर्यात में 5.5 प्रतिशत की गिरावट आई थी। पिछले वित्त वर्ष में कुल निर्यात 45,00,492 इकाई रहा था, जबकि 2022-23 में यह 47,61,299 इकाई था।

चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में कुल यात्री वाहन निर्यात सालाना आधार पर 12 प्रतिशत बढ़कर 3,76,679 इकाई हो गया, जबकि वित्त वर्ष 2023-24 की समान अवधि में यह आंकड़ा 3,36,754 इकाई का था।

देश की सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति सुजुकी 1,47,063 इकाइयों के निर्यात के साथ शीर्ष पर रही। कंपनी का निर्यात 12 प्रतिशत बढ़ा है। एक साल पहले समान अवधि में कंपनी ने 1,31,546 वाहनों का निर्यात किया था।

हुंदै मोटर इंडिया ने पिछले 2023-24 की अप्रैल-सितंबर अवधि के 86,105 इकाइयों के मुकाबले चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में 84,900 वाहनों का निर्यात किया। यह एक प्रतिशत की गिरावट है। चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-सितंबर अवधि में दोपहिया वाहनों का निर्यात सालाना आधार पर 16 प्रतिशत बढ़कर 19,59,145 इकाई हो गया, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 16,85,907 इकाई था। समीक्षाधीन अवधि में स्कूटर निर्यात 19 प्रतिशत बढ़कर 3,14,533 इकाई हो गया, जबकि मोटरसाइकिल निर्यात 16 प्रतिशत बढ़कर 16,41,804 इकाई पर पहुंच गया। वित्त वर्ष के पहले छह महीनों में वाणिज्यिक वाहनों का निर्यात सालाना आधार पर 12 प्रतिशत बढ़कर 35,731 इकाई हो गया। हालांकि, इस अवधि के दौरान तिपहिया वाहनों का निर्यात एक प्रतिशत घटकर 1,53,199 इकाई रह गया, जबकि वित्त वर्ष 2023-24 की समान अवधि में यह आंकड़ा 1,55,154 इकाई था।

एक नजर

विदेशी मुद्रा भंडार 10.8 अरब डॉलर गिरकर 690.4 अरब डॉलर पर

मुंबई, एजेंसी। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति, स्वर्ण, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि में भारी कमी होने से 11 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 10.8 अरब डॉलर गिरकर 690.4 अरब डॉलर पर आ गया। वहीं, इसके पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार 3.71 अरब डॉलर की गिरावट के साथ 701.2 अरब डॉलर पर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 11 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 10.5 अरब डॉलर की बड़ी गिरावट के साथ 602.1 अरब डॉलर पर आ गई। इसी तरह इस अवधि में स्वर्ण भंडार 9.8 करोड़ डॉलर घटकर 65.7 अरब डॉलर रह गया। आलोच्य सप्ताह एसडीआर में 8.6 करोड़ डॉलर की गिरावट आई और यह कम होकर 18.3 अरब डॉलर पर आ गया। इसी तरह इस अवधि में आईएमएफ के पास आरक्षित निधि दो करोड़ डॉलर की गिरावट रही और यह घटकर 4.3 अरब डॉलर पर आ गया।

देश की पहली फ्लेक्स फ्यूल मोटरसाइकिल सीबी 300एफ लॉंच, कीमत 1.70 लाख

नई दिल्ली, एजेंसी। दोपहिया वाहन बनाने वाली देश की प्रमुख कंपनी होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने ग्रीन मोबिलटी समाधानों को गति देते हुये आज देश की पहली फ्लेक्स फ्यूल मोटरसाइकिल सीबी 300एफ लॉंच करने की घोषणा की जिसकी दिल्ली में एक्स शोरूम कीमत 1.70 लाख रुपये है। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि पर्यावरण के प्रति जागरूक सवारों की जरूरतों को पूरा करने के लिए डिजाइन की गई यह भारत की पहली 300सीसी फ्लेक्स-फ्यूल मोटरसाइकिल है। ग्राहक अब अपने नजदीकी बिगविंग डीलरशिप पर 2024 होंडा सीबी300 एफ फ्लेक्स-फ्यूल बुक कर सकते हैं। कंपनी के प्रबंध निदेशक, अध्यक्ष और सीईओ त्सुत्सुमु ओटानी ने कहा, 'होंडा में, हमारा लक्ष्य 2050 तक अपने सभी उत्पादों और कॉर्पोरेट गतिविधियों के लिए कार्बन तटस्थता हासिल करना है। टिकाऊ उत्पाद नवाचार के प्रति हमारी प्रतिबद्धता के हिस्से के रूप में, आज हमने सीबी300 एफ का नया फ्लेक्स-फ्यूल संस्करण पेश किया, जो उत्सर्जन को कम करने और भारत की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने की हमारी यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। वैश्विक स्तर पर फ्लेक्स-फ्यूल तकनीक में एक दशक से अधिक की विशेषज्ञता के साथ, होंडा ने भारतीय ग्राहकों को ध्यान में रखते हुए इस मोटरसाइकिल को विशेष रूप से विकसित किया है ताकि भारतीय दोपहिया बाजार के लिए एक सहज फ्लेक्स-फ्यूल संक्रमण बनाया जा सके। नई सीबी300 एफ फ्लेक्स-फ्यूल का लॉन्च भारत सरकार के इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल कार्यक्रम का समर्थन करने और एक स्वच्छ, हरित भविष्य की दिशा में योगदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को पुष्ट करता है।' उन्होंने कहा कि होंडा सीबी300 एफ फ्लेक्स-फ्यूल एक समझौता न करने वाला स्ट्रीट फाइटर है, जो पर्यावरण के अनुकूल होने के साथ-साथ शक्तिशाली भी है।

पहली छमाही में मिड-कैप, स्मॉल-कैप म्यूचुअल फंड में आया 30,342 करोड़ रुपये का निवेश

नई दिल्ली, एजेंसी। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) के दौरान मिड-कैप (मझोली कंपनियों में निवेश करने वाले एमएफ) और स्मॉल-कैप (छोटी कंपनियों में निवेश करने वाले) म्यूचुअल फंड योजनाओं के प्रति निवेशकों ने जबर्दस्त उत्साह दिखाया है। इन योजनाओं में करीब 30,342 करोड़ रुपये का निवेश आया है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। इन योजनाओं में निवेश करने वाले निवेशकों को काफी अच्छा रिटर्न (प्रतिफल) मिला है, जिसके चलते इनके प्रति उनका आकर्षण बना हुआ है। पिछले साल समान अवधि में मिड-कैप और स्मॉल-कैप कोषों में प्रवाह 32,924 करोड़ रुपये रहा था। खास बात यह है कि बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) स्मॉल-कैप और मिड-कैप कोषों में ऊंचे प्रवाह को लेकर चिंता जता चुका है। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि निवेशक उच्च रिटर्न देने की क्षमता के कारण स्मॉल-कैप और मिड-कैप म्यूचुअल फंड में निवेश जारी रखेंगे। ट्रस्ट म्यूचुअल फंड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) संदीप बागला ने पीटीआई-भाषा से कहा, 'आने वाले वर्षों में स्मॉल कैप में तेज वृद्धि जारी रहेगी। मुझे उम्मीद है कि निवेश जारी रहेगा, क्योंकि भारतीय उच्च वृद्धि वाले क्षेत्रों में निवेश करना चाहते हैं। स्मॉल कैप कोष को किसी के पोर्टफोलियो आवंटन का अभिन्न अंग माना जाना चाहिए।' आंकड़ों के अनुसार, पहली छमाही में मिड-कैप म्यूचुअल फंड में 14,756 करोड़ रुपये और स्मॉल-कैप में 15,586 करोड़ रुपये का निवेश आया। इस तरह कुल आंकड़ा 30,342 करोड़ रुपये बैठता है। ट्रेडजिनी के मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) त्रिवेश ने कहा कि मिड-कैप और स्मॉल-कैप म्यूचुअल फंड में निवेशकों की मजबूत दिलचस्पी इन खंड में मिलने वाला ऊंचा रिटर्न है। मिड-कैप और स्मॉल-कैप सूचकांकों ने चालू वित्त वर्ष में अबतक क्रमशः लगभग 20 प्रतिशत और 24 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की है।

गुलाबी डॉल्फिन

डॉल्फिन को इंसान की दोस्त माना जाता है। इसे बच्चों के साथ खेलना बेहद पसंद है। पृथ्वी पर इंसान के बाद डॉल्फिन ही सबसे ज्यादा बुद्धिमान प्राणी मानी जाती है। दुनियाभर में इसकी 40 प्रजातियां पाई जाती हैं। इसका आकार चार फुट से 30 फुट और वज़न 40 किलोग्राम से 10 टन तक हो सकता है। डॉल्फिन एक ही समय पर तैर भी सकती हैं और सो भी सकती हैं। डॉल्फिन को पानी में जंप करना बहुत पसंद है। दक्षिण एशिया में डॉल्फिन की एक ऐसी प्रजाति पाई जाती है, जो जन्म के समय कुदरती तौर पर अंधी होती है।

इन डॉल्फिन का सोनर सिस्टम बहुत संवेदनशील होता है और ये अपने शरीर के एक ओर ही तैरती हैं। अमेज़न नदी में रहने वाली डॉल्फिन का रंग गुलाबी है। इसका गुलाबी रंग नदी के पानी और इसके भोजन के कारण है। ये रोज़ाना काफ़ी ज़्यादा भोजन खाती हैं। इन्हें अकेले खाना पसंद नहीं है। जब भी इन्हें मछलियों का झुंड दिखाई देता है, ये ऊंची आवाज़ में अपनी साथी डॉल्फिंस को बुला लेती हैं।

गुलाबी डॉल्फिन लगभग ग्रे डॉल्फिन की ही तरह होती है, पर इन कुछ भिन्नता भी है। इसकी लंबाई 2.5 से 3 मीटर और वज़न 90 किलोग्राम तक होता है। इसकी पीठ और माथे पर कूबड़ होता है और इसकी पूंछ और गर्दन भी ग्रे डॉल्फिन के मुक़ाबले थोड़ी-सी लंबी होती है। छोटी आंखों वाली गुलाबी डॉल्फिन अपना सिर 180 डिग्री पर घुमा सकती है। इनका शरीर लैसीबल होता है, इसलिए ये 20 मील प्रति घंटे की दर से पानी में तैर सकती हैं। यह 15 मिनट तक पानी के नीचे रह सकती है, फिर इसे सांस लेने के लिए इन्हें पानी के ऊपर आना पड़ता है।

गेटवे ऑफ जापान

जापान में पांच ऐसे एयरपोर्ट हैं, जो पूरी तरह समुद्र में बने हुए हैं। ये हैं- नागासाकी एयरपोर्ट, कंसाई इंटरनैशनल एयरपोर्ट, चुबु सेंट्रेयर इंटरनैशनल एयरपोर्ट, कोबे एयरपोर्ट और कितायूशू एयरपोर्ट। चुबु सेंट्रेयर इंटरनैशनल एयरपोर्ट जापान का तीसरा ऐसा एयरपोर्ट है, जो पूरी तरह से आर्टिफिशियल आईलैंड पर बना हुआ है। यह नागोया शहर से 35 किलोमीटर दक्षिण में आइस बे ऑफ चिता पेनिन्सुला में स्थित है।

17 फरवरी 2005 से यहां से हवाई सेवाएं शुरू की गईं। 24 घंटे सेवाएं देने वाला यह एयरपोर्ट देश के बीच स्थित होने के कारण जापान का गेटवे भी कहलाता है। इसे प्यार से 'टोयोटा एयरपोर्ट' भी कहते हैं। अगस्त 2000 में इसका निर्माण कार्य शुरू किया गया।

अनुमान लगाया गया था कि इसके निर्माण की लागत 768 बिलियन जापानी येन आएगी, लेकिन सफल प्रबंधन के चलते इसमें लगभग 100 बिलियन जापानी येन कम खर्च हुए। इसका निर्माण पर्यावरण की सुरक्षा का ध्यान रखकर किया गया। इस एयरपोर्ट के लिए आर्टिफिशियल आईलैंड अंग्रेज़ी के अक्षर 'डी' के आकार में बनाया गया, ताकि खाड़ी के भीतर समुद्र की लहरें आज़ादी से बह सकें।

टेकऑफ एंड लैंडिंग- 580 हैक्टेयर में फैले सेंट्रेयर एयरपोर्ट में चार मंज़िलें हैं। रनवे 3,500 मीटर लंबा है, जबकि रनवे स्ट्रिप 300 मीटर चौड़ी है। यात्री विमान अपनी सुविधानुसार दिन या रात में किसी भी समय उड़ान भर सकते हैं या उतर सकते हैं, जबकि मालवाहक जहाज़ रात में टेकऑफ और लैंड करते हैं।

ढेर सारी सुविधाएं- एयरपोर्ट की इमारत इस तरह से बनाई गई है कि उस पर व्हीलचेयर आसानी से जा-आ सके। दूसरे तल पर लिनिक और तीसरी मंज़िल पर कॉन्फ्रैंस-हॉल है। यहां पोस्ट- ऑफिस, बैंक, करेंसी एक्सचेंज और कोबैन के अलावा बच्चों के मनोरंजन के लिए भी बहुत-सी सुविधाएं हैं।

जहां होती है 6 महीने रात

ध्रुवीय बिंदुओं पर छः महीने की सर्दियां होती हैं और कभी भी सूर्यास्त नहीं होता। जब सूर्योदय होता है, तो छः महीनों की लंबी गर्मियां आरंभ होती हैं...

उत्तरी ध्रुव और दक्षिणी ध्रुव पूरी तरह एक-दूसरे से भिन्न हैं। उत्तरी ध्रुव पर आर्कटिक महासागर है, जो उत्तरी अमरीका, यूरोप और एशिया से घिरा है, जबकि दक्षिण ध्रुव का क्षेत्र अन्य सभी महाद्वीपों से अलग-थलग है, सिवाय दक्षिण अमरीका के, लेकिन इनके बीच भी कई 100 किलोमीटर लंबा सागर पड़ता है। दो उत्तरी ध्रुव और दो दक्षिणी ध्रुव होते हैं।

उत्तरी और दक्षिणी भूमध्यरेखीय ध्रुव या भौगोलिक ध्रुव स्थिर बिंदु हैं और धूरी बनाते हैं, जिस पर पृथ्वी घूमती है। आप इन्हें ग्लोब पर देख सकते हैं। यही वे ध्रुव हैं, जिन्हें हम उत्तरी या दक्षिणी ध्रुव कहते हैं। उत्तरी व दक्षिणी चुबकीय ध्रुव वहां होते हैं, जहां पर कम्पास संकेत करता है। ये ध्रुव हमेशा घूमते रहते हैं।

इस तरह ये हर साल औसतन 6-25 मील तक शिफ्ट हो जाते हैं। केवल कम्पास को देखकर यह बताया जा सकता है कि हम इन ध्रुवों के निकट हैं, पर ध्रुवों के बिल्कुल निकट कम्पास भरोसेमंद नहीं है।

कुछ वैज्ञानिकों का मानना है कि पृथ्वी का चुबकीय क्षेत्र उलट रहा है और किसी दिन कम्पास दक्षिण की बजाय उत्तरी की ओर संकेत कर सकती है।

उत्तरी ध्रुव

उत्तरी ध्रुव पृथ्वी का सबसे सुदूर उत्तरी बिंदु है। यह वह बिंदु है, जहां पृथ्वी की धूरी घूमती है। यह आर्कटिक महासागर में पड़ता है। यहां अत्याधिक ठंड पड़ती है, क्योंकि लगभग छः महीने यहां सूरज नहीं चमकता है। ध्रुव के आसपास का महासागर बहुत ठंडा है और सदैव बर्फ़ की मोटी चादर से ढंका रहता है। इस भौगोलिक उत्तरी ध्रुव के निकट ही चुबकीय उत्तरी ध्रुव है।

कम्पास की सूई इसी चुबकीय उत्तरी ध्रुव की ओर संकेत करती है। उत्तरी तारा या ध्रुव तारा उत्तरी ध्रुव के आकाश पर सदैव निकलता है। सदियों से नाविक इसी तारे को देखकर यह अनुमान लगाते रहे हैं कि वे उत्तरी में कितनी दूर हैं। उत्तरी ध्रुव, दक्षिणी ध्रुव की तुलना में कम ठंडा है, क्योंकि यह महासागर के मध्य में समुद्र स्तर पर स्थित है। सर्दियों में (जनवरी) यहां का तापमान -43 डिग्री सैल्सियस से -26 डिग्री सैल्सिय के बीच रहता है। गर्मियों में (जून, जुलाई, और अगस्त) में औसत तापमान जमाव बिंदु के आसपास रहता है। उत्तरी ध्रुव में समुद्र पर जमी बर्फ़ की परत 2 से 3 मीटर तक मोटी होती है, हालांकि ग्लोबल वार्मिंग के चलते पछले कुछ सालों में यहां बर्फ़ की परतों की औसत मोटाई में कुछ कमी आई है। कई बार तैरते हुए हिमखंडों के नीचे आप साफ़ पानी देख सकते हैं। यहां ध्रुवीय भालू, आर्कटिक लोमड़ियां और सील काफ़ी संख्या में पाई जाती हैं। सर्दियों में भालू हाइबरनेट करते हैं यानी ये सर्दियों के दौरान निष्क्रिय रहते हैं। वे सारा वत गुफा में छिपे बैठे रहते हैं और शिकार नहीं करते। लेकिन जैसे ही यहां गर्मियों का मौसम शुरू होता है, वे शिकार के लिए निकल पड़ते हैं। उत्तरी ध्रुव पर हिम बंटिंग, उत्तरी फुल्मर और काली-टांगों वाली किटिवेक समेत कई पक्षी भी पाए जाते हैं।

अंतरराष्ट्रीय कानूनों के अनुसार वर्तमान में उत्तरी ध्रुव और आर्कटिक महासागरीय क्षेत्रों पर किसी भी देश का अधिकार नहीं है। इसके आसपास के पांच देश रूस, कनाडा, नॉर्वे, डैनमार्क (ग्रीनलैंड) और अमरीका (अलास्का) अपनी सीमाओं के 200 नॉटिकल-मील (370 किमी.) तक के विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र तक सीमित हैं। इसके आगे के क्षेत्र का प्रशासन अंतरराष्ट्रीय सीबेड प्राधिकरण के पास है।

दक्षिणी ध्रुव

दक्षिणी ध्रुव पृथ्वी का सबसे दक्षिणी छोर है। यह अमरीका से लगभग दोगुने आकार का एक बहुत विशाल पर्वतीय महाद्वीप है। इसे अंटार्कटिका के नाम से भी जाना जाता है। यह बहुत ही ठंडा स्थान है। अंटार्कटिका के अधिकतर द्वीप पर बर्फ़ की एक मोटी चादर फैली रहती है। अपने केंद्र पर तो यह डेढ़ किमी से भी मोटी बर्फ़ से ढंका हुआ है। दक्षिण ध्रुव की जलवायु उत्तरी ध्रुव के मुक़ाबले कहीं अधिक प्रचंड है।

पैंग्विंस के सिवाय भूमि पर रहने वाला कोई अन्य जानवर यहां पाया नहीं जाता है। यहां पौधे भी बहुत दुर्लभ मिलते हैं। यहां उगने वाली बहुत कम चीज़ों में शैवाल, काई, घास और फूलों के कुछ पौधे शामिल हैं। दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचना बहुत कठिन है, जबकि उत्तरी ध्रुव पर आप आसानी से पहुंच सकते हैं, क्योंकि यह समुद्र और समतल समुद्री बर्फ़ से ढंका हुआ है। यहां आने वाले जहाज़ों को भी आमतौर पर बर्फ़ीले समुद्री रास्ते से होकर जाना पड़ता है।

यहां की कोई स्थानीय जनसंख्या नहीं है, केवल यहां पर रिसर्च करने के लिए आने वाले वैज्ञानिकों की लोनियां हैं। तट पहुंचने के बाद भूमार्ग से यात्रा करने वाले खोजियों को भी ध्रुव तक पहुंचने के लिए 1,600 किलोमीटर से अधिक की यात्रा बहुत मुश्किल मौसम में करनी पड़ती है। इस इलाके में बहुत अधिक तूफ़ान आते हैं।

उन्हें तैरते हिमखंडों को पार करके बर्फ़ से ढंकी भूमि और सीधे खड़े पर्वतीय हिमनदों को तेज़ और जमा देने वाली बर्फ़ीली हवाओं के बीच पार करना होता है। गर्मियों के दौरान दिसंबर के अंत से मार्च के अंत तक कभी भी सूर्यास्त नहीं होता। इसके बावजूद गर्मियों में भी यहां का तापमान जमाव बिंदु के नीचे रहता है। सर्दियों के दौरान यहां कई सप्ताह तक सूर्योदय नहीं होता और यहां तापमान शून्य से 25-35 डिग्री सैंटीग्रेट तक नीचे रहता है।

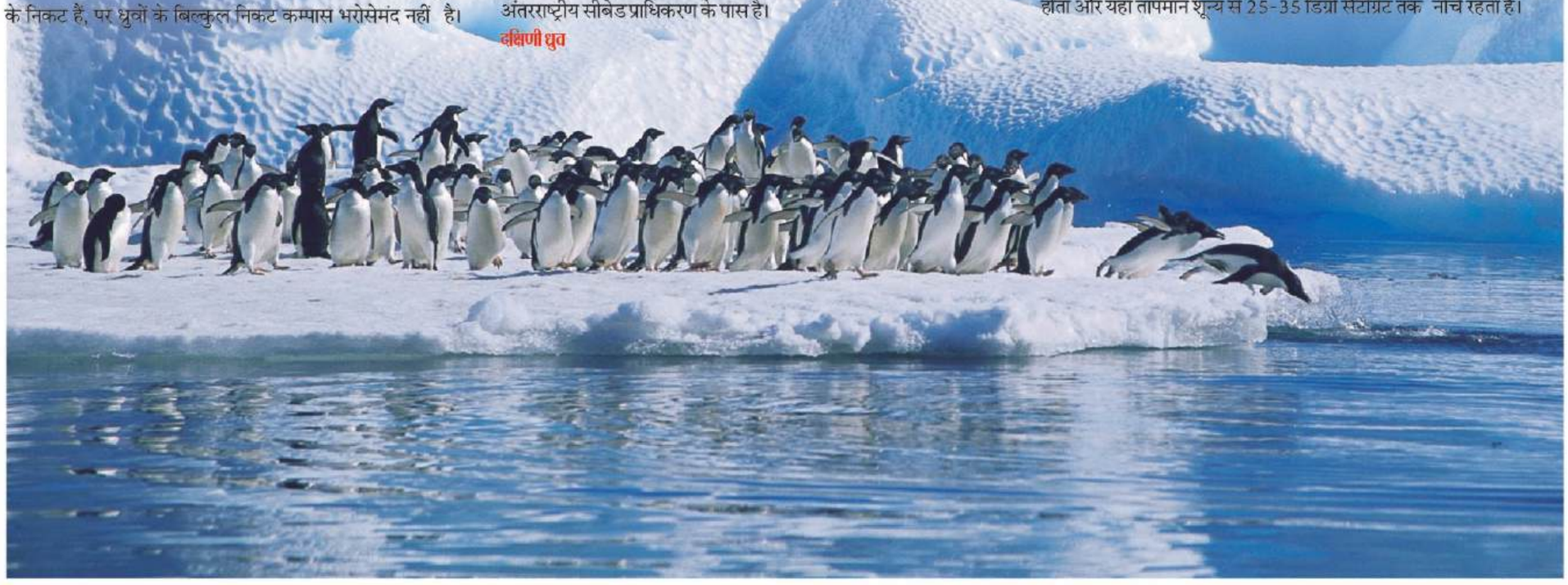

भावुक मन

बचपन में दादा-दादी, नाना-नानी और माता-पिता द्वारा सुनाई गई कहानियां आने वाली ज़िंदगी पर भी प्रभाव डालती हैं। ये कहानियां ही हमें नैतिकता, जीवन के मूल्य, संस्कार और संस्कृति से वाकिफ कराती हैं। कुछ कहानियां ऐसी होती हैं, जो बच्चे के भावुक मन में गहरे तक पैठ कर जाती हैं और उनके जीवन का हिस्सा बन जाती हैं।मुझे आज भी याद है कि बचपन में मेरी मम्मी मेरा मन बहलाने के लिए मुझे कहानियां सुनाया करती थीं।

उनमें से कई कहानियां ऐसी थीं, जो उन्होंने अपनी नानी-दादी से सुनी थीं, यानी पीढ़ि दर पीढ़ि वे कहानियां सुनी/सुनाई जा रही हैं। उनकी सुनाई बहुत सी कहानियां मुझे आज भी याद हैं। मम्मी द्वारा सुनाई गई एक कहानी ऐसी भी थी जो मेरे दिल को छू गई। मुझे ऐसा लगता जैसे मैं ख़ुद उस कहानी में शामिल हूं। यह कहानी गणेश जी के जन्म की है। माता पार्वती ने भगवान शिवजी की अनुपस्थिति में अपने शरीर की मैल से गणेश जी की प्रतिमा बनाई और उसमें प्राण डाल दिए। माता पार्वती ने उन्हें अपना पुत्र मान लिया।

माता पार्वती ने गणेश जी को द्वार पर खड़े होने का आदेश दिया और कहा, 'पुत्र मैं अंदर स्नान करने जा रही हूं। किसी को अंदर प्रवेश मत करने देना।' गणेश जी माता की आज्ञा सुनकर द्वार के पास खड़े हो गए। गणेश जी अभी द्वार पर खड़े हुए ही थे कि भगवान शिव बाहर से लौट आए। वह जब अंदर जाने लगे, तो गणेश जी ने कहा, 'अंदर मत जाओ, मेरी माता जी स्नान कर रही हैं।' भगवान शिव ने पूछा, 'तुम्हारी माता जी कौन है?' गणेश जी ने कहा, 'पार्वती जी ही मेरी माता हैं।'गणेश जी का जवाब सुनकर भगवान शिव को बहुत क्रोध आया और वह बलपूर्वक अंदर जाने लगे, लेकिन तभी बालक गणेश उन्हें रोकते हुए उनसे युद्ध करने के लिए तैयार हो गए। क्रोधित शिवजी ने त्रिशूल से उनका सिर धड़ से अलग कर दिया। जब मम्मी यह कहानी सुनाती थीं, तो मेरा दिल अंदर तक पसीज जाता था और मेरी आखों से आंसू टप-टप करके बहने लगते थे। मैं अक्सर सोचा करता था कि मेरे साथ ऐसा क्यों होता है, पर अब समझ में आता है कि मैं शायद ख़ुद का गणेश जी के साथ संबंध स्थापित कर लेता था, जिसकी वजह से मैं रो पड़ता था। मेरे आंसू पोंछते हुए मेरी मम्मी समझातीं कि गणेश जी को हाथी के बच्चे का सिर लगा कर शिवजी ने दोबारा जीवित कर दिया और सभी देवताओं में शीर्ष स्थान दिया। कोई भी शुभ काम शुरू करने से पहले गणेश जी की पूजा होती है। मम्मी की यह बात सुनकर मुझे संतोष होता।

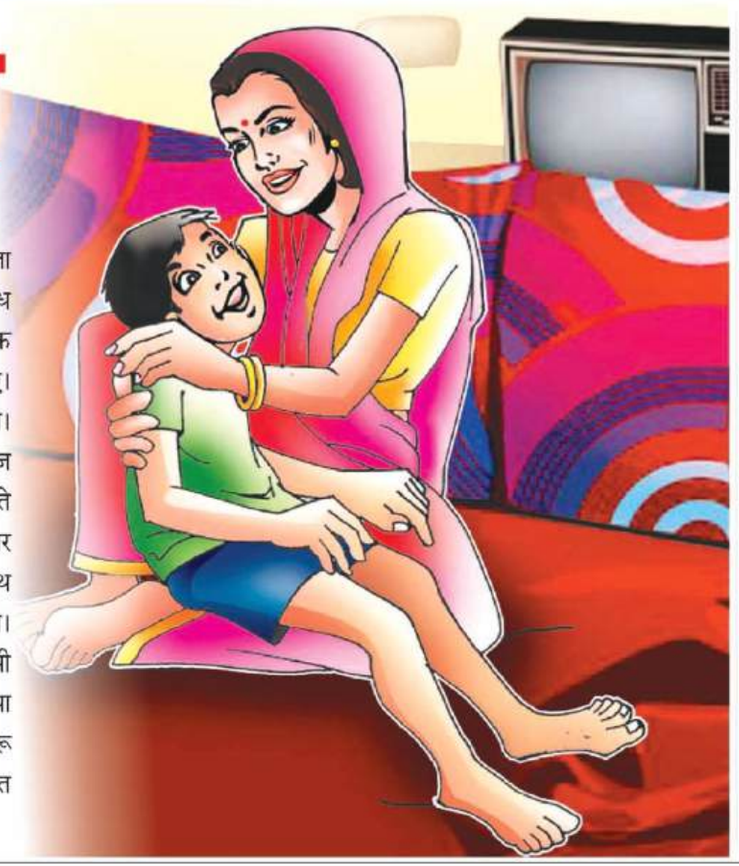

न्यूजीलैंड ने पहले टेस्ट में भारत को 8 विकेट से मात देकर तीन मैचों की सीरीज में बनाई 1-0 से बढ़त

बेंगलुरु, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में हुए पहले टेस्ट मैच में टीम इंडिया को 8 विकेट से हार का सामना करना पड़ा है। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम ने इसके साथ ही तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 से बढ़त हासिल कर ली है।

बारिश से प्रभावित इस मुकाबले में भारत के कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया था और भारतीय टीम सिर्फ 46 रनों पर ही ऑल आउट हो गई थी। यह भारतीय टीम का भारत में सबसे कम टेस्ट स्कोर था। दूसरी पारी में सरफराज खान, ऋषभ पंत, विराट कोहली द्वारा अच्छी कोशिशों के बावजूद भारतीय टीम पहली पारी के बेहद कम स्कोर से अंत तक उभर नहीं सकी।

भारत ने दूसरी पारी में 462 रन बनाए थे और चौथी पारी में न्यूजीलैंड को जीत के लिए मात्र 107 रनों का स्कोर दिया था। कीवी टीम ने यह स्कोर पांचवें और अंतिम दिन केवल 2 विकेट खोकर हासिल कर लिया।

अंतिम दिन न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लैथम को जसप्रीत बुमराह ने बगैर खाता खोले एलबीडब्ल्यू आउट कर दिया था। इसके बाद दूसरे ओपनर डेवोन कॉन्वे को भी 17 रनों के निजी स्कोर पर इसी तरह से आउट कर दिया गया। इसके बाद विल यंग (48) और रचिन रविंद्र (39) के बीच बनी अटूट अर्धशतकीय भागीदारी ने न्यूजीलैंड की 8 विकेट से जीत सुनिश्चित की।

भारत के लिए जसप्रीत बुमराह ने 8 ओवर में 29 रन देकर 2 विकेट लिए। भारत ने चौथी पारी में अपने पांच गेंदबाजों का इस्तेमाल किया। इससे पहले न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम ने पहली पारी के दौरान रचिन रवींद्र के शानदार शतक, कॉन्वे के 91 रन और निचले क्रम पर टिम साउदी द्वारा बनाए गए अहम 65 रनों की बदौलत 402 रनों का स्कोर खड़ा किया था।

वहीं भारत की ओर से पहली पारी के फ्लॉप शो के बाद दूसरी पारी में सरफराज खान ने शानदार 150 रनों की पारी खेली थी। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने भी 105 गेंदों पर तेज 99 रन बनाए थे। इससे पहले रोहित शर्मा ने 52 और विराट कोहली ने 70 रनों का योगदान दिया था। एक समय भारत का स्कोर 4 विकेट के नुकसान पर 433 रन था। लेकिन निचले मध्यक्रम और निचले क्रम के सस्ते में ढहने के बाद भारतीय पारी सिर्फ 462 रनों पर ढेर हो गई थी।

एक नजर

जोकोविच ने नडाल को, सिनेर ने अल्काराज को हराया

रियाद, एजेंसी। इटली के यानिक सिनेर ने कार्लोस अल्काराज को 6.7, 6.3, 6.3 से हराकर सिक्स किंग्स स्लैम नुमाइशी टेनिस चैम्पियनशिप जीती जबकि नोवाक जोकोविच ने तीसरे स्थान के मैच में रफेल नडाल को 6.2, 7.6 से हराया। नडाल अपने कैरियर में आखिरी बार यह चैम्पियनशिप खेल रहे थे। बाईस बार के ग्रैंडस्लैम चैम्पियन नडाल अगले महीने डेविस कप में स्पेन के लिये खेलने के बाद टेनिस को अलविदा कहेंगे। इस नुमाइशी टूनार्मेंट के पिछले दौर में अल्काराज ने नडाल और सिनेर के अलावा जोकोविच को भी हराया था। इस टूनार्मेंट में पुरस्कार राशि मिलती है लेकिन एटीपी अंक नहीं।

क्रिकेट आस्ट्रेलिया के सीईओ निक हॉकली अगले साल मार्च में देंगे इस्तीफा

सिडनी, एजेंसी। क्रिकेट आस्ट्रेलिया के मुख्य कार्यकारी निक हॉकली ने कहा है कि वह पांच साल पद पर रहने के बाद अगले साल मार्च में इस्तीफा देंगे। सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड की रिपोर्ट के अनुसार क्रिकेट आस्ट्रेलिया के अध्यक्ष माइक बेयर्ड और निदेशकों ने हॉकली को सूचित कर दिया है कि उनकी नियुक्ति दीर्घकालिन आधार पर नहीं हुई है और आपसी सहमति से वह इस्तीफा दे सकते हैं। अखबार ने लिखा, 'हॉकली ने सीए बोर्ड को बताया कि वह मार्च में पद छोड़ेंगे। इससे पहले माइक बेयर्ड और निदेशकों ने फैसला किया कि हॉकली लंबे समय तक सीईओ नहीं रहेंगे लेकिन उन्हें उनकी शर्तों पर जाने की सहूलियत दी है।' भारतीय टीम तीन सप्ताह के भीतर पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला खेलने आ रही है और हॉकली ने कहा कि इस समय इस्तीफा उनके जेहन में नहीं है। उन्होंने कहा, 'यह अलविदा कहने का समय नहीं है क्योंकि मेरा पूरा फोकस अगले सत्र पर है।'

फुगे विश्व कप फाइनल में पदक से चूके, ज्योति क्वार्टर फाइनल से बाहर

टिलेक्सकला (मैक्सिको), एजेंसी। उदीयमान सितारे प्रथमेश फुगे तीरंदाजी विश्व कप कंपाउंड सेमीफाइनल में तनावपूर्ण शूटआफ में मौजूदा चैम्पियन मथियास फुलेर्टन से हारकर पदक से चूक गए। रोमांचक मुकाबले में दोनों तीरंदाजों ने पांचों दौर में परफेक्ट 10 स्कोर किया और एक अंक भी नहीं गंवाया। स्कोर 150.150 रहने के बाद शूटआफ से विजेता का फैसला हुआ। शूटआफ में भी स्कोर 10.10 से बराबर रहा। इसके बाद डेनमार्क के तीरंदाज ने मामूली अंतर से फुगे को हराया। फुगे अगर जीत जाते तो पदक पक्का हो जाता। कांस्य पदक के प्लेआफ मुकाबले में वह विश्व चैम्पियन माइक शोलेसेर से 150.146 से हार गए।

मैकलारेन, पेट्राटोस के गोल से मोहन बागान ने ईस्ट बंगाल को हराया

कोलकाता, एजेंसी। मोहन बागान ने शनिवार को यहां सत्र के पहले 'डर्बी' मुकाबले में दबदबा बनाते हुए ईस्ट बंगाल पर 2-0 से जीत दर्ज की जिससे टीम इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गयी। जैमी मैकलारेन ने 41वें मिनट में गोल कर मोहन बागान की टीम को 1-0 से आगे कर दिया। मोहन बागान ने प्रतिद्वंद्वी टीम को कोई गोल नहीं करने दिया और 89वें मिनट में स्थानापन्न खिलाड़ी दिमित्रि पेट्राटोस ने पेनल्टी पर गोल कर अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की। यह मोहन बागान की पांच मैच में दूसरी जीत है जिससे टीम दूसरे स्थान पर पहुंच गयी है और शीर्ष पर चल रही बेंगलुरू एफसी से तीन अंक पीछे है।

क्लब विश्व कप खेलेंगे लियोनेल मेस्सी

फोर्ट लॉडरडेल (अमेरिका), एजेंसी। अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी अगले साल क्लब विश्व कप खेलेंगे। फीफा अध्यक्ष जियानी इंफेंटिनो ने शनिवार की रात घोषणा की कि इंटर मियामी इस टूनार्मेंट में खेलेगा। मेस्सी की अपार लोकप्रियता को देखते हुए इस घोषणा की अपेक्षा भी की जा रही थी। हर चार साल में खेले जाने वाले इस टूनार्मेंट में फीफा के छह फुटबॉल परिसंघों की 32 टीमें भाग लेती हैं। इंटर मियामी 15 जून 2025 को मियामी गार्डन्स से पहला मैच खेलेगी।

हांगकांग में एशियाई क्रॉस कंट्री में भारत ने 7 स्वर्ण पदक जीते

हांगकांग, एजेंसी। रविवार को एशियन क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप में भारतीय एथलीटों ने हांगकांग गोल्फ क्लब के कोर्स पर अपना दबदबा बनाते हुए सात गोल्ड मेडल जीते, जिनमें से तीन व्यक्तिगत श्रेणियों में थे। शीर्ष भारतीय एथलीटों ने अपने सत्र की पहली महाद्वीपीय क्रॉस कंट्री में व्यक्तिगत वर्ग में तीन रजत और एक कांस्य सहित 11 पदक जीते। भारत ने सभी चार टीम श्रेणियों- पुरुष, महिला, पुरुष अंडर 20 और महिला अंडर 20 में स्वर्ण पदक जीते। पुरुषों की व्यक्तिगत 10 किलोमीटर स्पर्धा में जहां क्लीन स्वीप हुआ, वहीं भारतीय महिला एथलीटों ने व्यक्तिगत 10 किलोमीटर दौड़ में स्वर्ण और रजत पदक जीता लेकिन कांस्य पदक से चूक गईं। एशियाई खेलों के पदक विजेता और 5,000 मीटर, 10,000 मीटर ट्रैक स्पधाओं में राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक गुलवीर सिंह पुरुषों की 10 किलोमीटर दौड़ में शीर्ष पर रहे। उनका स्वर्ण पदक जीतने का समय 32:43 था। कार्तिक कुमार चौथे स्थान पर रहे। भारत की सीमा ने 37:20 का समय लेकर हमवतन संजीवनी जाधव को पछाड़कर स्वर्ण पदक जीता। संजीवनी ने भी 37:20 का ही समय लिया और उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

परिणामः

महिला (10 किलोमीटर): सीमा 37:20, संजीवनी जाधव 37:20, ही वुगा (चीन) 38:02। महिला (अंडर 20) 6 किलोमीटरः ली युआन (चीन) 22:59, शिल्पाबेन वेलजीभाई दिहोरा (भारत) 23:04, फैंग युजिया (चीन) 23:05।

पुरुष (10 किलोमीटर): गुलवीर सिंह (भारत) 32:43, अभिषेक पाल (भारत) 32:49, अरुण राठौड़ (भारत) 32:51।

पुरुष (अंडर 20) 8 किलोमीटरः विनोद सिंह (भारत) 26:30, फू किगुआंग (चीन) 26:33, यू शुइकिंग (चीन) 26:44।

हरियाणा की पहली पारी 453 रन पर सिमटी

लखनऊ, एजेंसी। हिमांशु राणा (114) के बाद धीरु सिंह (103) के शतकीय प्रहार और सातवें विकेट के लिये सुमित कुमार (61) के साथ 113 रन की साझीदारी की बदौलत हरियाणा ने रणजी ट्राफी एलीट ग्रुप सी मुकाबले के तीसरे दिन रविवार को मेजबान उत्तर प्रदेश के खिलाफ अपनी पहली पारी में 453 रन मजबूत स्कोर खड़ा कर लिया गया। स्पोर्टस गैलेक्सी क्रिकेट ग्राउंड पर सुबह के सत्र में युजवेंद्र चहल (48, 64) के रूप में आज हरियाणा की पारी का आखिरी विकेट गिरा जिन्हें शिवम शर्मा ने बोल्ड किया। आसान दिख रही पिच पर मेजबान टीम का लक्ष्य हरियाणा की पहली पारी के स्कोर को पार करने का होगा जिससे वह तीन अंक सुरक्षित कर सके। दो दिन से ज्यादा के खेल में एक पारी समाप्त हुयी है जिसको देखते हुए मैच फिलहाल ड्रा की ओर झुकता दिख रहा है। शनिवार को यूपी के गेंदबाजों को पूरे दिन के खेल में सिर्फ तीन विकेट मिले थे।

रियल मैड्रिड के लिए खेलने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने लुका मोड्रिक

पोंटेवेद्रा (स्पेन), एजेंसी। रियल मैड्रिड के कप्तान लुका मोड्रिक ने क्लब के इतिहास में सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बनकर नया रिकॉर्ड बनाया। 39 साल और 40 दिन की उम्र में उन्होंने सेल्टा विगो के खिलाफ मैच खेला, जिससे उन्होंने पहले के रिकॉर्ड धारक फेरेंक पुस्कास को पीछे छोड़ दिया। पुस्कास ने 1966 में 39 साल और 36 दिन की उम्र में अपना आखिरी मैच खेला था।

इसके अलावा, इस मैच में लुका ने ला लिगा में अपनी 250वीं जीत भी हासिल की। उन्होंने रियल मैड्रिड के लिए अपनी 369वीं ला लीगा मैच में यह मुकाम हासिल किया। लुका 2012 में क्लब से जुड़े थे और तब से उन्होंने 28 गोल किए हैं, जिससे क्लब ने चार बार ला लीगा का खिताब जीता है (2017, 2020, 2022 और 2024)।

लुका ने सबसे ज्यादा जीत सेल्टा टीम के खिलाफ हासिल की है, जिनके खिलाफ उन्होंने 19 बार जीत दर्ज की है। मोड्रिक रियल मैड्रिड के सबसे सफल खिलाड़ी भी हैं। उन्होंने क्लब के लिए 547 मैचों में 27 खिताब जीते हैं, जिनमें 6 यूरोपियन कप, 5 क्लब वर्ल्ड कप, 5 यूरोपियन सुपर कप, 4 स्पेनिश लीग खिताब, 2 स्पेनिश कप और 5 स्पेनिश सुपर कप शामिल हैं।

रियल मैड्रिड के मैनेजर कार्लो एंचेलोटी (65) ने भी मिडफील्डर लुका मोड्रिक की तारीफ कर चुके हैं। उन्होंने कहा था, 'मोड्रिक के साथ काम करना मेरे लिए सम्मान की बात है। उन्होंने जो कुछ भी हासिल किया है, वह उनकी कड़ी मेहनत और बेहतरीन प्रोफेशनलिज्म का नतीजा है।'

मोड्रिक का रिकॉर्ड काफी शानदार है, लेकिन चैंपियंस लीग के इतिहास में सबसे उम्रदराज खिलाड़ी होने का खिताब इटली के गोलकीपर मार्को बालोट्टा के पास है, जिन्होंने 43 साल और 252 दिन की उम्र में खेला था। ला लीगा में, सबसे उम्रदराज खिलाड़ी इंग्लैंड के हैरी लोव हैं, जो 1935 में रियल सोसिएदाद टीम के लिए खेलते समय 48 साल के थे।

कश्मीर मैराथन दुनिया की शीर्ष एथलेटिक प्रतियोगिताओं में से एक बनेगी: उमर

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने रविवार को कहा कि कश्मीर मैराथन हर साल आयोजित की जाएगी और यह दुनिया की शीर्ष एथलेटिक प्रतियोगिताओं में से एक बन जाएगी।

श्री अब्दुल्ला ने आज यहां संवाददाताओं से कहा,"मैं उन सभी एथलीटों को बधाई देता हूं, जिन्होंने अपनी दौड़ पूरी की।" उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले वर्षों में कश्मीर मैराथन दुनिया की शीर्ष एथलेटिक प्रतियोगिताओं में से एक बन जाएगी। उन्होंने ने कहा, "मुझे उम्मीद नहीं थी कि मैं 21 किलोमीटर की हाफ मैराथन पूरी कर पाऊंगा। मैंने अपने जीवन में अब तक 12 या 13 किलोमीटर दौड़ लगाई थी, लेकिन मुझे उन एथलीटों ने प्रोत्साहित किया, जिन्होंने साथ-साथ दौड़ लगाई।"

श्री उन्होंने कहा,"मैं कश्मीर मैराथन के इतने अच्छे आयोजन के लिए पर्यटन विभाग और इससे जुड़े अधिकारियों को बधाई देता हूं।"

मुख्यमंत्री ने कहा, "मैं श्रीनगर के लोगों का शुक्रगुजार हूं कि वे धावकों का हौसला बढ़ाने के लिए आगे आए। मुझे उम्मीद है कि कश्मीर मैराथन दुनिया की शीर्ष प्रतियोगिताओं में से एक बनेगी।" उन्होंने कहा, "मुझे उम्मीद है कि कश्मीर घाटी में हर साल मैराथन का आयोजन किया जाएगा और कश्मीर का नाम भी दुनिया के नामचीन एथलीटों के साथ जाना जाएगा।"

अभिनेता सुनील शेट्टी ने संवाददाताओं से कहा, "यह एक अविश्वसनीय अनुभव था और अंतरराष्ट्रीय कश्मीर मैराथन आयोजित करने का विचार शानदार था। उन्होंने कहा, "स्वर्ग में डर के खिलाफ दौड़ना यह साबित करता है कि हम सबसे सुरक्षित जगह पर हैं। तेरह देशों के 1700 एथलीट भाग ले रहे हैं, जो एक शानदार बात है।" उन्होंने कहा, "भविष्य में इस तरह के आयोजन का आयोजन बहुत जरूरी है। जब भी मैं कश्मीर आता हूं, तो मुझे शांति का एहसास होता है, लेकिन आज की दौड़ ऐतिहासिक थी।" अभिनेता ने कहा, "विभिन्न देशों के एथलीटों ने मैराथन में हिस्सा लिया। खेल एकता और विविधता को बढ़ावा देते हैं... 42 किलोमीटर तक निडर होकर मैराथन दौड़ना ऐतिहासिक था। लोगों में काफी उत्साह था।"

उन्होंने कहा कि लोगों और अधिकारियों में भारी उत्साह है और लोग चाहते हैं कि कश्मीर में इस तरह का आयोजन हो।अभिनेता ने कहा, "मैंने कई जगहों पर देखा कि लोग रास्ते में खिलाड़ियों को पानी की बोतलें दे रहे थे, जो कश्मीर के लोगों के आतिथ्य का वर्णन करता है।"

जोशुआ और एलेमाडिस ने जीता वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन का खिताब

नई दिल्ली, एजेंसी। यूगांडा के धावक जोशुआ चेप्टेगी और इथियोपिया की एलेमाडिस इयायु ने रविवार वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन के 19वें संस्करण में पुरुष वर्ग तथा महिला वर्ग का खिताब जीता हैं। आज यहां आयोजित वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। पुरुषों की 10 हजार मीटर दौड़ में मौजूदा विश्व चैंपियन जोशुआ चेप्टेगी ने 59.46 सेकंड का समय के साथ जीत दर्ज की। वहीं एलेमाडिसा इयायु ने एक घंटे आठ मिनट और 17 सेकंड का समय के साथ महिला वर्ग का खिताब जीता। पुरुष वर्ग में केन्या के एलेक्स माटाटा 59 मिनट 53 सेंकेंड के साथ दूसरे और उनके हमवनत निकोलस किपकोरिर 59 मिनट 59 सेकेंड के साथ तीसरे स्थान पर रहे। महिला वर्ग में केन्या की सिंथिया लिमो एक घंटा आठ मिनट 27 सेकेंड के साथ दूसरे स्थान पर रही। इथियोपिया की तिरुये मेसफिन ने एक घंटे नौ मिनट 42 सेकेंड के साथ तीसरा स्थान हासिल किया।

भारत के सावन बरवाल ने एक घंटा दो मिनट और 46 सेकंड के साथ पुरुष वर्ग और लिली दास ने एक घंटा 18 मिनट और 12 सेकंड के साथ महिला वर्ग के खिताब जीते। भारतीय पुरुश वर्ग में पुनीत यादव एक घंटा तीन मिनट 55 सेकंड के साथ दूसरे स्थान पर तथा किरण मात्रे ने एक घंटा चार मिनट 58 सेकेंड के साथ हासिल किया। भारतीय एलीट महिला वर्ग में, लिली दास अपने प्रतिद्वंद्वियों से मीलों आगे रहीं, उन्होंने एक घंटा 18 मिनट 12 सेकेंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। पिछले साल की विजेता कविता यादव एक घंटा 19 मिनट 44 सेकेंड के समय के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता प्रीति लंबा ने एक घंटा 20 मिनट 21 सेकेंड के समय के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। इस दौरान केन्या के एलेक्स मटाटा (27) ने अपने साथी निकोलस किपकोरिर के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहली हाफ मैराथन दौड़ी।

दौड़ के बाद जोशुआ चेप्टेगी ने कहा, 'दिल्ली में यह जीत मेरे लिए खास थी क्योंकि यह हाफ मैराथन में मेरी पहली जीत है। भारत मेरे करियर के लिए महत्वपूर्ण रहा है और यह देश अब मेरे लिए बहुत मायने रखता है। धीमी शुरूआत के बावजूद मैं पूरी रेस में अच्छा महसूस कर रहा था। मेरा पहला लक्ष्य रेस के अंतिम कुछ किलोमीटर में निकोलस (किपकोरिर) और फिर एलेक्स (मटाटा) को पछाड़ना था। मैं अपने प्रदर्शन से खुश हूं और उम्मीद करता हूं कि भविष्य की दौड़ो में भी मैं इसी तरह आगे बढ़ूंगा।'

एलेमाडिस इयायु, मैंने अच्छी दौड़ लगाई, अपनी गति बनाए रखने का प्रयास किया और अच्छा प्रदर्शन करने का लक्ष्य रखा।

बेंगलुरु टेस्ट में भारत की हार के बाद रोचक हुई डब्ल्यूटीसी फाइनल की दौड़

बेंगलुरु, एजेंसी। एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में भारत के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में न्यूजीलैंड टीम की आठ विकेट की जीत ने मौजूदा विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) की अंक तालिका में कुछ बड़े बदलाव किए हैं। डब्ल्यूटीसी स्टैंडिंग के नए अपडेट के अनुसार, भारत अभी भी शीर्ष पर बना हुआ है, लेकिन बेंगलुरु में हार के कारण दूसरे स्थान पर मौजूद ऑस्ट्रेलिया पर उसकी बढ़त कम हो गई है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ बेंगलुरु में मिली आठ विकेट से हार के बाद विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की दौड़ रोचक हो गई है। अब तक भारत के पास 68.06 प्रतिशत अंक हैं, और उन्हें इसे बेहतर करने के लिए न्यूजीलैंड के खिलाफ पुणे और मुंबई में दो और टेस्ट खेलने हैं। इसके बाद साल के अंत में ऑस्ट्रेलिया में पांच मैचों की सीरीज खेलनी है। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की रैंकिंग में भारत के बाद ऑस्ट्रेलिया (62.50 प्रतिशत) और श्रीलंका (55.56 प्रतिशत) का स्थान है।

भारत के पास इस समय 68.06 प्रतिशत अंक हैं और मौजूदा डब्ल्यूटीसी में उसके सात मैच बचे हुए हैं। जिसमें न्यूजीलैंड के खिलाफ दो टेस्ट और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच टेस्ट मैच बचे हुए हैं।

भारत को अपने दम पर फाइनल में पहुंचने के लिए अगले सात मैचों में चार मैच जीतने होंगे। दक्षिण अफ्रीका अगर अपने सभी बचे हुए छह टेस्ट मैच जीतने में कामयाब रहता है तो वह 69.44 प्रतिशत अंक तक पहुंच सकता है।

दूसरी ओर 2021 के विश्व टेस्ट चैंपियन न्यूजीलैंड की टीम छठे स्थान से चौथे स्थान पर पहुंच गई। उन्होंने इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका को पीछे छोड़ते हुए 44.44 प्रतिशत अंकों के साथ चौथा स्थान हासिल किया।

न्यूजीलैंड की टीम भी रैंकिंग में शीर्ष दो में पहुंचने का लक्ष्य रख सकती है। उनके पास भारत के खिलाफ दो मैच हैं और फिर वे इंग्लैंड की टीम की मेजबानी करेंगे।

भारत और न्यूजीलैंड के ताजा मैच की बात करें तो बेंगलुरु टेस्ट की पहली पारी में कीवी गेंदबाजों की शानदार गेंदबाजी ने पहली पारी में भारत को सिर्फ 46 रन पर समेट दिया, जिससे न्यूजीलैंड ने शुरूआत में ही बढ़त बना ली। न्यूजीलैंड ने 356 रनों की बढ़त बनाई, जिसमें रचिन रवींद्र के शानदार 134 रनों का योगदान था।

भारत ने अपनी दूसरी पारी में 462 रन बनाए, जिसमें सरफराज खान (150) और ऋषभ पंत (99) के बीच चौथे विकेट के लिए 177 रनों की साझेदारी ने भारत को मुकाबले में वापस लाया। लेकिन दूसरी नई गेंद पर भारत ने सात विकेट गंवा दिए, जिससे न्यूजीलैंड फिर से खेल में वापस आया और मैच जीत लिया।

रीता सान्याल आ रही है आपको चौकाने और हंसाने के लिए

डिज्नी प्लस हॉटस्टार ने हाल ही में थ्रिलर ड्रामा सीरीज, रीता सान्याल की घोषणा की है, जिसमें शानदार अदाह शर्मा मुख्य भूमिका में हैं। अदाह के साथ अंकुर राठी, राहुल देव और माणिक पपनेजा जैसे प्रतिभाशाली कलाकार हैं। रीता सान्याल को केलाइट प्रोडक्शन्स द्वारा प्रोड्यूस किया गया है और ये डिज्नी प्लस हॉटस्टार मोबाइल ऐप पर मुफ्त में स्ट्रीम करने के लिए उपलब्ध होगी। लुक्स से लेकर जस्टिस तक, रीता सान्याल आपको चौकाने, सोचने और हंसाने आ रही है! पेशे से वकील और दिल से जासूस, रीता सान्याल एक नई और ताज़गी भरी टवीस्ट लेकर आती हैं। केलाइट प्रोडक्शन्स के बैनर तले राजेश्वर नायर और कृष्णन अय्यर द्वारा प्रोड्यूस की गई और अभिरूप घोष द्वारा निर्देशित डिज्नी प्लस हॉटस्टार की 'रीता सान्याल' मशहूर लेखक अमित खान द्वारा रचित किरदार पर आधारित है। इसे डिज्नी प्लस हॉटस्टार के मोबाइल ऐप पर मुफ्त में देखा जा सकेगा, और नए एपिसोड सोमवार से शुक्रवार तक जारी होंगे! हम सभी डिटेक्टिव थ्रिलर्स के फैन रहे हैं और डिज्नी प्लस हॉटस्टार की रीता सान्याल उसी में एक मजेदार टिवस्ट लेकर आई है जिसका इंतजार हम सभी को था! अदाह शर्मा शानदार प्रदर्शन करती हैं, जहां वो एक मेहनती वकील और तेज-तर्रार जासूस का किरदार निभाती हैं जो अपनी चतुराई और हाज़िरजवाबी से मुश्किल केस सुलझाती हैं। उनकी अद्भुत क्षमता उन्हें हर स्थिति में ढलने देती है, और वो खतरनाक कानूनी मोर्चों पर भी मजबूती से डटी रहती हैं। मशहूर लेखक अमित खान, जिन्होंने रीता सान्याल का किरदार रचा है, ने कहा, रीता सान्याल एक वकील है। रीता सान्याल न केवल कोर्ट में केस हल करती है बल्कि खुद जांच भी करती है। उसके केस सुलझाने का तरीका बहुत अनोखा है और वो अपराधियों के बीच घुलने-मिलने के लिए अलग-अलग भेष धरती है। अदाह शर्मा ने 'रीता सान्याल' के किरदार को जीवंत कर दिया है। उन्होंने रीता सान्याल के हर अलग भेष को बखूबी निभाया है।

फिल्म स्त्री 2 की सफलता का जश्न मना रही श्रद्धा कपूर

अपनी फिल्म स्त्री 2 की सफलता का बॉलीवुड अभिनेत्री श्रद्धा कपूर इन दिनों जश्न मना रही हैं। एक्ट्रेस अपने प्यारे पेट्स के साथ समय बिताते हुए सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं। श्रद्धा ने अपने पेट स्मॉल के पसंदीदा गाने के बारे में खुलासा किया, जिसने उनके फैंस के बीच हलचल मचा दी है।

श्रद्धा के पास दो प्यारे पेट्स हैं - श्ल्योह और स्मॉल, जिनके साथ उनकी बॉन्डिंग सोशल मीडिया पर अक्सर दिखती है। इस बार श्रद्धा ने बताया कि स्मॉल का फेवरेट गाना 90 के दशक की हिट फिल्म मिस्टर और मिसेज खिलाड़ी का प्रसिद्ध गाना समोसे में आलू है। श्रद्धा ने इंस्टाग्राम पर इस गाने का स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए लिखा, मेरे स्मॉल का फेवरेट सॉन्ग। श्रद्धा ने इस पोस्ट के साथ एक वीडियो भी साझा किया, जिसमें उनके दोनों पेट्स गली में मस्ती करते हुए नजर आ रहे हैं। इस वीडियो को पोस्ट करते हुए श्रद्धा ने मजाकिया अंदाज में कैप्शन लिखा, मेरी सोसाइटी बॉस लोग। अभिनेत्री ने अपने पेट्स को लेकर अक्सर प्यारी और दिलचस्प पोस्ट्स शेयर की हैं, जो उनके फैंस के बीच काफी लोकप्रिय हैं। फिल्मी मोर्चे पर श्रद्धा कपूर को हाल ही में स्त्री 2 में देखा गया, जिसने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया। इस फिल्म में उनके साथ राजकुमार राव, पंकज त्रिपाठी, अभिषेक बनर्जी और अपारशक्ति खुराना नजर आए। स्त्री की सफलता के बाद, स्त्री 2 से भी दर्शकों की उम्मीदें काफी थीं, और फिल्म ने इन उम्मीदों पर पूरी तरह खरा उतरते हुए जबरदस्त कमाई की। श्रद्धा को फिल्म में उनके किरदार और अभिनय के लिए काफी सराहना मिल रही है।

श्रद्धा की पिछली फिल्मों में आशिकी 2, ओके जानू, एक विलेन, हसीना पार्कर, छिछोरे, और स्ट्रीट डांसर 3 डी जैसी हिट फिल्में शामिल हैं, जिन्होंने उन्हें बॉलीवुड की सफल अभिनेत्रियों की सूची में मजबूती से स्थापित किया है। फिलहाल, श्रद्धा अपने करियर के सुनहरे दौर का आनंद उठा रही हैं और अपने प्यारे पेट्स के साथ मस्ती करते हुए अपने फैंस से जुड़े रहने का हर मौका तलाश रही हैं। बता दें कि श्रद्धा ने स्मॉल को 21 सितंबर को अपने परिवार में शामिल किया था और इंस्टाग्राम पर स्मॉल की तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा था, मेरे घर आई एक नई स्त्री... मिलिए स्मॉल से। यह मेरे परिवार की नई सदस्य और मेरी दोस्त है। मुझे यह तोहफे में मिली है।

मुश्किल समय के बावजूद हिना ने शेयर की भावुक पोस्ट

अभिनेत्री हिना खान इस समय सबसे कठिन दौर से गुजर रही हैं। एक्ट्रेस ब्रेस्ट कैंसर से जूझ रही हैं। इस मुश्किल समय के बावजूद हिना ने हाल ही में एक भावुक पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने अपनी आंखों और पलकों की तस्वीर साझा की। तस्वीर में उनके लंबी और खूबसूरत पलकों का गिरना साफ नजर आ रहा है, जो कि कीमोथेरेपी का असर है। अब उनकी आखिरी पलक बची हुई है। हिना ने इस कठिन समय को अपनी प्रेरणा बताया और लिखा कि यही आखिरी पलक उनके संघर्ष और साहस की प्रतीक है। हिना खान ने इंस्टाग्राम पर तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, जानना चाहते हैं कि इस समय मेरी प्रेरणा का सोर्स क्या है? एक समय था, जब मेरी सुंदर पलकें मेरी आंखों की शोभा बढ़ाती थीं। ये जेनेटिकली बहुत लंबी और सुंदर लैशेस थीं। ये बहादुर... अकेली योद्धा मेरी आखिरी पलक ने मेरे साथ सबकुछ सहन किया है, लड़ा है। मेरी कीमो के आखिरी सेशन में ये अकेली पलक मेरी प्रेरणा है। हम इस मुश्किल समय को भी पार कर लेंगे। हिना ने यह भी बताया कि पिछले एक दशक से उन्होंने नकली पलकें नहीं पहनी थीं, लेकिन अब उन्हें शूट्स के लिए इसे पहनना पड़ता है। उन्होंने इस मुश्किल वक्त में भी अपने आत्मविश्वास को कायम रखते हुए कहा, कोई नहीं, सब ठीक हो जाना है। गौरतलब है कि हिना खान कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के बावजूद अपने काम से दूर नहीं हुई हैं। वह लगातार शूट्स में व्यस्त हैं और अपने पेशेवर जीवन को भी संभाल रही हैं।

अनन्या ने आर्यन खान को लेकर किया दिलचस्प खुलासा

हाल ही में बालीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे ने शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान को लेकर एक दिलचस्प खुलासा किया है। एक्ट्रेस अनन्या पांडे इस समय अपनी वेब सीरीज़ सीटीआरएल के प्रमोशन में व्यस्त हैं। प्रमोशन के दौरान अनन्या ने बताया कि बचपन में आर्यन खान ने उन्हें और उनकी दोस्तों को एक बार धमकी दी थी। अनन्या ने कहा, मैं अक्सर ब्लॉग बनाती थी जिसमें मैं अपने दिनभर की गतिविधियां और खाने-पीने की चीजें रिकॉर्ड करती थी, लेकिन इन्हें कभी पोस्ट नहीं करती थी। उस समय, फोटोबूथ और एप्पल जैसी नई चीजें आई थीं, और हम सुहाना, शनाया और मैं इसे रिकॉर्ड करते थे। एक बार आर्यन ने हमें धमकी दी कि अगर हम उसके लिए काम नहीं करेंगे, तो वह हमारे प्राइवेट वीडियो और ब्लॉग्स लीक कर देगा। अनन्या ने इस मजाक को बचपन की शरारत बताया और कहा कि यह सब किसी गंभीरता से नहीं किया गया था। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि ऑनलाइन सेफ्टी के मुद्दे पर जागरूकता फैलाना बेहद जरूरी है।

अनन्या ने कहा, आजकल सोशल मीडिया पर सुरक्षा के मुद्दे पर ध्यान देना बहुत जरूरी है, और हमें इसके बारे में सचेत रहना चाहिए। जहां अनन्या और सुहाना बॉलीवुड में अपने करियर की शुरुआत कर चुकी हैं, वहीं उनकी दोस्त शनाया कपूर जल्द ही अपनी फिल्मों से पर्दे पर दिखाई देगी। शनाया अपनी पहली फिल्म के लिए तैयार हैं और उनके फैंस इसको लेकर काफी उत्साहित हैं। दूसरी ओर, आर्यन खान अपने दोस्त बंटी सिंह के साथ मिलकर एक लग्जरी लाइफस्टाइल ब्रांड लेटी ब्लागोर्वा लॉन्च कर चुके हैं। इस बयान के बाद, सोशल मीडिया पर लोग अनन्या और आर्यन की बचपन की इस मजाक को लेकर चर्चा कर रहे हैं। हालांकि, अनन्या ने इसे सिर्फ एक हल्का-फुल्का मजाक बताया, और इस घटना को लेकर किसी प्रकार की कोई नकारात्मकता नहीं जताई है। बता दें कि शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान और एक्ट्रेस अनन्या पांडे बचपन से ही अच्छे दोस्त रहे हैं। दोनों अक्सर साथ स्पॉट होती हैं और एक-दूसरे के साथ समय बिताती हैं।

मौनी रॉय अपने फैशन सेंस से खींचा सभी का ध्यान

अभिनेत्री मौनी रॉय ने लंदन फैशन वीक 2025 में जबरदस्त प्रभाव डाला है। मौनी ने इस इवेंट में 1 मिलियन डॉलर की मीडिया इम्पैक्ट वैल्यू (एमआईवी) दर्ज की। इस आयोजन में वह एकमात्र भारतीय सेलिब्रिटी थीं, जिन्होंने न केवल भारत का प्रतिनिधित्व किया, बल्कि वैश्विक स्तर पर अपने फैशन सेंस से भी सबका ध्यान आकर्षित किया। एक पोस्ट के अनुसार, मौनी रॉय ने इस कार्यक्रम के दौरान मीडिया इम्पैक्ट वैल्यू में डॉलर 1 मिलियन का आंकड़ा छूने में सफलता प्राप्त की। एमआईवी ब्रांडों को उनके पोस्ट, इंटरैक्शन और लेखों के लिए वित्तीय मूल्य का निर्धारण करने में मदद करता है, जिससे वे अपने ब्रांड और विपणन सहयोग की प्रभावशीलता का आकलन कर सकते हैं। मौनी की प्रभावशीलता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने कार्यक्रम की पहुंच को बढ़ाया और विभिन्न ब्रांडों को सबसे आगे लाया। इस लिस्ट में मौनी रॉय के साथ-साथ प्रसिद्ध हस्तियों जैसे हू बिंग, डायमोंटे हार्पर, डेक्लान राइस और लेह-ऐनी पिन्नॉक का भी नाम था, लेकिन मौनी रॉय ने इस प्रतिस्पर्धा में शीर्ष स्थान हासिल किया। डालर 1 मिलियन की एमआईवी के साथ, वह अब सबसे प्रभावशाली हस्तियों में गिनी जाती हैं।

इस सफलता ने यह साबित कर दिया है कि मौनी रॉय केवल एक बॉलीवुड स्टार ही नहीं, बल्कि एक ग्लोबल आइकन भी हैं, जो हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त कर रही हैं। मौनी ने इस इवेंट में अपने बेदाग फैशन सेंस से भी सबको मंत्रमुग्ध किया और खुद को एक सच्चे फैशनिस्टा के रूप में स्थापित किया। इसके अलावा, काम के मोर्चे पर भी उन्होंने उल्लेखनीय प्रगति की है। हाल ही में उन्होंने बेंगलुरु में अपनी रेस्तरां चैन बदमाश का विस्तार किया, जो पहले से ही मुंबई में सफलता प्राप्त कर चुकी थी।

स्कैम से बचो अभियान के ब्रांड एंबेसडर बन आयुष्मान

मेटा ने अपनी नई सुरक्षा मुहिम स्कैम से बचो अभियान का एक्टर आयुष्मान खुराना को ब्रांड एम्बेसडर नियुक्त किया है। बॉलीवुड स्टार आयुष्मान खुराना लोगों को ऑनलाइन ठगी से बचाव और सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाने के लिए जागरूक करेंगे।

इस अभियान को इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारतीय साइबर क्राइम समन्वय केंद्र और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सहयोग से लॉन्च किया गया है। मेटा का यह अभियान देश में बढ़ती ऑनलाइन धोखाधड़ी और साइबर क्राइम के मामलों से निपटने में सरकार के प्रयासों का समर्थन करता है और यूजर्स की ऑनलाइन सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कंपनी की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। इस अभियान का उद्देश्य लोगों को उनके रोजमर्रा के जीवन में होने वाली आम धोखाधड़ी से सतर्क करना है और उन्हें इस बारे में जागरूक करना है कि वे डिजिटल दुनिया में किस प्रकार सुरक्षित रह सकते हैं। अभियान के तहत एक शैक्षिक फिल्म बनाई गई है, जिसमें आयुष्मान खुराना एक शादी के मेहमान के रूप में नजर आते हैं। फिल्म में आयुष्मान उन लोगों को ठगी से बचाने का काम करते हैं जो धोखाधड़ी का शिकार होने वाले होते हैं। उनका हास्यपूर्ण अंदाज और शीघ्र सोच ने फिल्म को आकर्षक और जागरूकता पैदा करने वाला बना दिया है। फिल्म में फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप पर उपलब्ध सुरक्षा सुविधाओं को भी प्रमुखता से दिखाया गया है, जो यूजर्स को अपनी ऑनलाइन सुरक्षा पर नियंत्रण रखने का अवसर प्रदान करती हैं। इस अभियान में मेटा की सुरक्षा सुविधाओं पर भी जोर दिया गया है, जिनमें टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन, ब्लॉक और रिपोर्ट, और व्हाट्सएप की समूह गोपनीयता सेटिंग्स जैसी सुविधाएं शामिल हैं। इन सुविधाओं का उद्देश्य यूजर्स को ऑनलाइन ठगी, धोखाधड़ी और अकाउंट खतरे से बचाने के लिए जरूरी सुरक्षा उपकरण प्रदान करना है। अभियान के लॉन्च पर आयुष्मान खुराना ने कहा, आज के डिजिटल युग में ऑनलाइन धोखाधड़ी और ठगी के मामलों में तेजी से वृद्धि हो रही है। यह जरूरी है कि हम सतर्क रहें और खुद को सुरक्षित रखने के उपायों के बारे में जानें। मैं मेटा की इस सुरक्षा पहल का हिस्सा बनकर खुश हूं, जिसका उद्देश्य लोगों को साइबर ठगी से बचाव के बारे में जागरूक करना है। यह अभियान हमें याद दिलाता है कि किसी भी कार्रवाई से पहले दो बार सोचें और मेटा के सुरक्षा टूल्स का इस्तेमाल करें, जो आपकी ऑनलाइन सुरक्षा को सुनिश्चित करते हैं। इस अभियान में ओटीपी ठगी, व्यक्तिगत खातों और गोपनीय जानकारी को नुकसान पहुंचाने वाली ठगी, नकली निवेश और व्यापार घोटाले, फर्जी लोन ऐप्स और ऑफर जैसी धोखाधड़ी का प्रदर्शन किया गया है।

जब वी मेट में मुख्य भूमिका के लिए चुना गया था भूमिका को

बालीवुड अभिनेत्री भूमिका चावला ने हाल ही में अपने करियर से जुड़े कुछ दिलचस्प खुलासे किए हैं। भूमिका ने बताया कि उन्हें इम्तियाज अली की हिट फिल्म जब वी मेट और राजकुमार हिरानी की मुन्ना भाई एमबीबीएस से रिप्लेस किया गया था। भूमिका ने दौरान कहा कि उन्हें जब वी मेट में मुख्य भूमिका निभाने के लिए चुना गया था, लेकिन बाद में करीना कपूर को उनकी जगह कास्ट कर लिया गया। भूमिका ने बताया कि पहले इस फिल्म का नाम ट्रेन रखा गया था और उनके साथ बॉबी देओल को कास्ट किया गया था। बाद में, कई कास्टिंग बदलाव हुए और आखिरकार करीना और शाहिद कपूर को फिल्म में लिया गया। उन्होंने कहा, मुझे केवल एक बार बुरा लगा, जब मैंने जब वी मेट साइन की थी लेकिन काम नहीं कर पाई। इसके अलावा, भूमिका ने यह भी खुलासा किया कि उन्हें संजय दत्त की फिल्म मुन्ना भाई एमबीबीएस के लिए भी साइन किया गया था, लेकिन बाद में उनकी जगह ग्रेसी सिंह को लिया गया। हालांकि, भूमिका ने इस बात को स्वीकार किया कि फिल्म इंडस्ट्री में ऐसे बदलाव सामान्य हैं और उन्होंने इसे सहजता से लिया। भूमिका ने अपने करियर में हिंदी के अलावा तेलुगु, तमिल और मलयालम सिनेमा में भी काम किया है। तेरे नाम से उन्हें काफी प्रसिद्धि मिली थी। इसके बाद उन्होंने कई और फिल्मों में काम किया। साल 2023 में भूमिका ने सलमान खान की फिल्म किसी का भाई किसी की जान के साथ बॉलीवुड में वापसी की थी। भूमिका ने सलमान खान के साथ फिल्म तेरे नाम में अपनी बेहतरीन अदाकारी से दर्शकों के दिलों में जगह बनाने कामयाबी हासिल की थी।